RACE IAS

A Leading Institute For Civil Services Examinations

ANSWERS & EXPLANATIONS

GENERAL STUDIES (P) 2025

MEDIEVAL HISTORY

EXAM DATE : 25-01-2025

QUESTIONS BOOKLET NO. : 8123472507

1. Answer D
Provincial Administration of Marathas:
- The provinces were known as Prants and it was under the charge of a Subedar. The Sarsubedar used to control and supervise the work of the Subedar. The Tarfs were controlled by a havaldar. Villages or Mauzas were the lowest unit of administration.
- In rural regions, a police officer was called Faujdar and in urban regions, he was called Kotwal.
- Under the Marathas, performance-based Brahmin elites were called Kamvishdar who controlled the central bureaucracy and the local administration and also enjoyed powers of tax assessment and collection. They provided information about local conditions to the superior officials.

2. Answer D
- The decorative forms of Indo-Islamic architecture included designing on plaster through incision or stucco. The designs were either left plain or covered with colors.
- Popular colors were blue, turquoise, green, and yellow.
- Subsequently, the techniques of tessellation (mosaic designs) and pietra dura were made use of for surface decoration, particularly in the dado panels of the walls.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

1. उत्तर डी
मराठों का प्रांतीय प्रशासन:

- प्रांतों को प्रांत के नाम से जाना जाता था और यह एक सूबेदार के अधीन होता था। सरसूबेदार सूबेदार के कार्यों का नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण करता था। टैरिफ का नियंत्रण एक हवलदार द्वारा किया जाता था। गाँव या मौजा प्रशासन की सबसे निचली इकाई थे।
- ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस अधिकारी को फौजदार कहा जाता था और शहरी क्षेत्रों में उसे कोतवाल कहा जाता था।
- मराठों के तहत, प्रदर्शन-आधारित ब्राह्मण अभिजात वर्ग को कामविशदार कहा जाता था जो केंद्रीय नौकरशाही और स्थानीय प्रशासन को नियंत्रित करते थे और कर निर्धारण और संग्रह की शक्तियों का भी आनंद लेते थे। उन्होंने वरीय अधिकारियों को स्थानीय परिस्थितियों की जानकारी दी।

2. उत्तर डी
इंडो-इस्लामिक वास्तुकला के सजावटी रूपों में चीरा या प्लास्टर के माध्यम से प्लास्टर पर डिजाइनिंग शामिल है। डिज़ाइन या तो सादे छोड़ दिए गए थे या रंगों से ढके हुए थे।

लोकप्रिय रंग नीला, फ़िरोज़ा, हरा और पीला थे।

इसके बाद, सतह की सजावट के लिए टेस्सेलेशन (मोज़ेक डिज़ाइन) और पिएट्रा ड्यूरा की तकनीकों का उपयोग किया जाने लगा, विशेष रूप से दीवारों के डेडो पैनलों में।

3. Answer B
   - Akbar wanted to expand his empire and maintain his hold over it with a strong army. For this purpose, it was necessary for him to organize the nobility as well as his army. Akbar realised both these objectives by means of the mansabdari system. Hence statement 1 is correct.
   - The sawar rank indicated the number of cavalrymen (sawars) a person was required to maintain. A person who was required to maintain as many sawars as his zat rank was placed in the first category of that rank; if he maintained half or more, then in the second category and if he maintained less than half then in the third category. Thus, there were three categories in every rank (mansab). Hence statement 2 is correct.
   - The salary due to the soldiers was added to the salary of the mansabdar, who was paid by assigning to him a jagir. Sometimes, the mansabdars were paid in cash. It is wrong to think that Akbar did not like the jagir system and tried to do away with it, but failed as it was too deeply entrenched. Hence statement 3 is not correct.

4. Answer D
   - Akbar introduced a new land measurement system (known as the zabti system) covering from Lahore to Allahabad, including Malwa and Gujarat. It was based on Sher Shah's land revenue system with certain modifications.
   - Under the zabti system, the sown area was measured by means of the bamboo attached with iron rings. The zabti system, originally associated with Raja Todar Mal, therefore sometimes, it is called Todar Mal's Bandobast. Hence statement 3 is correct.
   - The Dahsala system as instituted by Akbar, the average produce of different crops as well as the average prices prevailing over the last ten years was calculated and one-third share of the average produce was apportioned to the state. The system was adopted only in the major provinces of the Empire covering Multan, Delhi, Allahabad, Awadh, Agra, and Lahore. Hence statement 1 is correct.
   - The Zabti system was further improved by Raja Todar Mal and was named as Dahsala system. Hence the Dahsala system was a further development of the Zabti system. Hence statement 2 is correct.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations
RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

3. उत्तर बी
   - अकबर अपने साम्राज्य का विस्तार करना चाहता था और एक मजबूत सेना के साथ उस पर अपना कब्ज़ा बनाए रखना चाहता था। इस उद्देश्य के लिए उसके लिए कुलीन वर्ग के साथ-साथ अपनी सेना को भी संगठित करना आवश्यक था। मनसबदारी व्यवस्था के माध्यम से अकबर ने इन दोनों उद्देश्यों को साकार किया। अतः कथन 1 सही है।
   - सवार रैंक से पता चलता है कि एक व्यक्ति को कितने घुड़सवार सैनिकों (सवारों) को बनाए रखना आवश्यक है। जिस व्यक्ति को अपनी जात श्रेणी के अनुसार उतने ही सवार रखने की आवश्यकता होती थी, उसे उस श्रेणी की पहली श्रेणी में रखा जाता था; यदि वह आधा या अधिक बनाए रखता है, तो दूसरी श्रेणी में और यदि आधे से कम बनाए रखता है, तो तीसरी श्रेणी में। इस प्रकार प्रत्येक पद (मनसब) में तीन श्रेणियाँ होती थीं। अतः कथन 2 सही है।
   - सैनिकों को देय वेतन मनसबदार के वेतन में जोड़ा जाता था, जिसका भुगतान उसे जागीर देकर किया जाता था। कभी-कभी मनसबदारों को नकद वेतन दिया जाता था। यह सोचना गलत है कि अकबर को जागीर व्यवस्था पसंद नहीं थी और उसने इसे खत्म करने की कोशिश की, लेकिन असफल रहा क्योंकि यह बहुत गहराई तक जमी हुई थी। अतः कथन 3 सही नहीं है।

4. उत्तर डी
   - अकबर ने मालवा और गुजरात सहित लाहौर से लेकर इलाहाबाद तक एक नई भूमि माप प्रणाली (ज़ब्ती प्रणाली के रूप में जानी जाती है) शुरू की। यह कुछ संशोधनों के साथ शेरशाह की भू-राजस्व प्रणाली पर आधारित थी।
   - ज़ब्ती प्रणाली के तहत, बोए गए क्षेत्र को लोहे के छल्ले से जुड़े बांस के माध्यम से मापा जाता था। ज़ब्ती प्रणाली, मूल रूप से राजा टोडर मल से जुड़ी हुई है, इसलिए कभी-कभी इसे टोडर मल का बंदोबस्त भी कहा जाता है। अतः कथन 3 सही है।
   - अकबर द्वारा स्थापित दहसाला प्रणाली में विभिन्न फसलों की औसत उपज के साथ-साथ पिछले दस वर्षों में प्रचलित औसत कीमतों की गणना की जाती थी और औसत उपज का एक तिहाई हिस्सा राज्य को दिया जाता था। यह प्रणाली केवल मुल्तान, दिल्ली, इलाहाबाद, अवध, आगरा और लाहौर को कवर करने वाले साम्राज्य के प्रमुख प्रांतों में अपनाई गई थी। अतः कथन 1 सही है।
   - ज़ब्ती प्रणाली को राजा टोडर मल द्वारा और बेहतर बनाया गया और इसे दहसाला प्रणाली का नाम दिया गया। इसलिए दहसाला प्रणाली ज़ब्ती प्रणाली का एक और विकास थी। अतः कथन 2 सही है।

5. Answer A
- Sufis were a group of religious persons who turned to asceticism and mysticism in the early centuries of Islam to protest the Caliphate's growing materialism as a religious and political entity. They were critical of the Caliph's use of assertive terminology and instructive ways of understanding the Qur'an and sunna (the Prophet's traditions). Hence statement 1 is not correct.
- Sufis began to form communities around a hospice, or khanqah (Persian), which was overseen by a teaching master known as a shaikh (Arabic), pir, or murshid (in Persian). They enrolled murids (disciples) and nominated successors (khalifa). Within the khanqah, they also created norms for spiritual conduct and interaction between inmates as well as laymen and the masters. Hence statement 2 is correct.
- Some mystics started movements based on Sufi ideas that became radicalized. Many people rejected the khanqah and chose mendicancy and celibacy instead. They shunned rites and practiced extreme asceticism. Qalandars, Madaris, Malangs, Haidaris, are some of such sufis. They were sometimes known as be-shari'a Sufis because of their purposeful disobedience of the shari'a, as opposed to the ba-shari'a Sufis who followed it. Hence statement 3 is not correct.

6. Answer B
- Statement 1 is correct. The Mughal copper coin was adopted from Sher Shah's dam which weighed 320 to 330 grains. Sher Shah Suri had introduced new copper coins called "Dam". He fixed a rate between the copper and silver coins. The silver rupee was also an adoption from Sher Shah's currency and was the most famous of all Mughal coins.
- Statement 2 is correct. Sahansah was the largest gold coin issued by Akbar. These coins bore the names of the Persian solar months. Akbar issued both round and square coins. In 1579, he issued gold coins called 'Ilahi coins' to propagate his new religious creed 'Din-i-Illahi'. The value of an ilahi coin was equal to 10 rupees.
- Statement 3 is incorrect. The most famous of Jahangir's (and not Shah Jahan) coins had images of Zodiac signs. Jahangir showed the legend in a couplet on the coins. In some of his coins, he added the name of his beloved wife Noorjahan.

5. उत्तर ए
- सूफी धार्मिक व्यक्तियों का एक समूह था, जो एक धार्मिक और राजनीतिक इकाई के रूप में खलीफा के बढ़ते भौतिकवाद का विरोध करने के लिए इस्लाम की शुरुआती शताब्दियों में तपस्या और रहस्यवाद की ओर मुड़ गए थे। वे ख़लीफ़ा द्वारा मुखर शब्दावली और कुरान और सुन्ना (पैगंबर की परंपराओं) को समझने के शिक्षाप्रद तरीकों के उपयोग के आलोचक थे। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- सूफियों ने एक धर्मशाला, या खानकाह (फारसी) के आसपास समुदाय बनाना शुरू कर दिया, जिसकी देखरेख शेख (अरबी), पीर या मुर्शिद (फारसी में) के नाम से जाने जाने वाले एक शिक्षण गुरु द्वारा की जाती थी। उन्होंने मुरीदों (शिष्यों) को नामांकित किया और उत्तराधिकारियों (खलीफा) को नामांकित किया। खानकाह के भीतर, उन्होंने कैदियों के साथ-साथ आम लोगों और मालिकों के बीच आध्यात्मिक आचरण और बातचीत के लिए मानदंड भी बनाए। अतः कथन 2 सही है।
- कुछ मनीषियों ने सूफी विचारों पर आधारित आंदोलन शुरू किये जो कट्टरपंथी बन गये। कई लोगों ने खानकाह को अस्वीकार कर दिया और इसके बजाय भिक्षावृत्ति और ब्रह्मचर्य को चुना। उन्होंने संस्कारों को त्याग दिया और अत्यधिक तपस्या की। कलंदर, मदारी, मलंग, हैदरी, ऐसे कुछ सूफ़ी हैं। शरीयत का पालन करने वाले बा-शरिया सूफियों के विपरीत, उन्हें कभी-कभी शरीयत की जानबूझकर अवज्ञा करने के कारण बे-शरिया सूफियों के रूप में जाना जाता था। अतः कथन 3 सही नहीं है।

6. उत्तर बी
- कथन 1 सही है. मुगल तांबे का सिक्का शेरशाह के बांध से अपनाया गया था जिसका वजन 320 से 330 ग्रेन था। शेरशाह सूरी ने "दाम" नामक नये तांबे के सिक्के चलवाये थे। उसने तांबे और चांदी के सिक्कों के बीच एक दर तय की। चाँदी का रुपया भी शेरशाह की मुद्रा का ही एक रूप था और सभी मुगल सिक्कों में सबसे प्रसिद्ध था।
- कथन 2 सही है. सहनसा अकबर द्वारा जारी किया गया सबसे बड़ा सोने का सिक्का था। इन सिक्कों पर फ़ारसी सौर महीनों के नाम अंकित थे। अकबर ने गोल और चौकोर दोनों सिक्के जारी किये। 1579 में, उन्होंने अपने नए धार्मिक पंथ 'दीन-ए-इलाही' का प्रचार करने के लिए सोने के सिक्के जारी किए जिन्हें 'इलाही सिक्के' कहा जाता था। एक इलाही सिक्के का मूल्य 10 रुपये के बराबर था।
- कथन 3 ग़लत है. जहाँगीर (और शाहजहाँ के नहीं) के सबसे प्रसिद्ध सिक्कों में राशि चिन्हों के चित्र थे। जहाँगीर ने सिक्कों पर एक दोहे में किंवदंती दिखाई। अपने कुछ सिक्कों में उसने अपनी प्रिय पत्नी नूरजहाँ का नाम भी जोड़ा।

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

7. Answer B
   - Alauddin Hasan Bahman Shah was the founder of the Bahmani Kingdom, he was a descendent from the Persian ruling family of Kakuyds of the Iranian dynasty of Bahmani and Isfandar, leading right up to Bahman Gaur. Hence, statement 1 is correct.
   - Alauddin Hasan Bahman Shah selected Gulbarga as his capital. He adorned the capital with several fine buildings. Hence, statement 2 is not correct.
   - He put the administration of the country on a sound basis by dividing it into four provinces called tarafs, each under a governor. Hence, statement 3 is correct.

8. Answer B
   - Akbar introduced a number of social and educational reforms. He stopped sati, the burning of a widow, unless she herself, of her own free will, persistently desired it. Widows of tender age who had not shared the bed with their husbands were not to be burnt at all. He prohibited only the cases where women were forced to perform sati. Hence, statement 1 is not correct.
   - Widow Remarriage was also legalised. Akbar was against anyone having more than one wife unless the first wife was barren. The age of marriage was raised to 14 for girls and 16 for boys. The sale of wines and spirits was restricted. Hence, statement 2 is correct.
   - Akbar also revised the educational syllabus, laying more emphasis on moral education and mathematics, and on secular subjects such as agriculture, geometry, astronomy, rules of government, logic, history, etc. Hence, statement 3 is correct.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

7. उत्तर बी
अलाउद्दीन हसन बहमन शाह बहमनी साम्राज्य के संस्थापक थे, वह बहमनी और इस्फ़ंदर के ईरानी राजवंश के काकुयद के फ़ारसी शासक परिवार के वंशज थे, जो बहमन गौड़ तक अग्रणी थे। अतः, कथन 1 सही है।

अलाउद्दीन हसन बहमन शाह ने गुलबर्गा को अपनी राजधानी के रूप में चुना। उसने राजधानी को कई बेहतरीन इमारतों से सजाया। इसलिए, कथन 2 सही नहीं है।

उन्होंने देश के प्रशासन को चार प्रांतों, जिन्हें तरफ कहा जाता है, में विभाजित करके, प्रत्येक को एक गवर्नर के अधीन करके, एक मजबूत आधार पर स्थापित किया। अतः, कथन 3 सही है।

8. उत्तर बी
   - अकबर ने कई सामाजिक और शैक्षणिक सुधार किये। उन्होंने सती प्रथा, एक विधवा को जलाना बंद कर दिया, जब तक कि वह स्वयं, अपनी स्वतंत्र इच्छा से, लगातार इसकी इच्छा नहीं रखती थी। कम उम्र की विधवाएँ जिन्होंने अपने पतियों के साथ बिस्तर साझा नहीं किया था, उन्हें बिल्कुल भी नहीं जलाया जाना चाहिए। उन्होंने केवल उन मामलों पर रोक लगाई जहां महिलाओं को सती होने के लिए मजबूर किया जाता था। इसलिए, कथन 1 सही नहीं है।
   - विधवा पुनर्विवाह को भी वैध कर दिया गया। अकबर किसी के भी एक से अधिक पत्नियाँ रखने के ख़िलाफ़ था जब तक कि पहली पत्नी बांझ न हो। विवाह की आयु लड़कियों के लिए 14 वर्ष और लड़कों के लिए 16 वर्ष कर दी गई। वाइन और स्प्रिट की बिक्री प्रतिबंधित थी। अतः, कथन 2 सही है।
   - अकबर ने शैक्षिक पाठ्यक्रम को भी संशोधित किया, जिसमें नैतिक शिक्षा और गणित और कृषि, ज्यामिति, खगोल विज्ञान, सरकार के नियम, तर्क, इतिहास आदि जैसे धर्मनिरपेक्ष विषयों पर अधिक जोर दिया गया। इसलिए, कथन 3 सही है।

9. Answer A
- The zamindars held extensive personal lands termed milkiyat, meaning property. Milkiyat lands were cultivated for the private use of zamindars, often with the help of hired or servile labour. The zamindars could sell, bequeath or mortgage these lands at will.
- In addition to owning the lands they cultivated, the zamindars had the hereditary right of collecting land revenue from a number of villages. This was called his talluqa or his zamindari. For collecting the land revenue, the zamindars received a share of the land revenue which could go up to 25 per cent in some areas. Hence, statement 1 is correct.
- The zamindar was not the 'owner' of all the lands comprising his zamindari. The peasants who actually cultivated the land could not be dispossessed as long as they paid the land revenue. Thus, the zamindars and the peasants had their own hereditary rights in land. Hence, statement 2 is not correct.
- Control over military resources was another source of power for the zamindars. Most zamindars had fortresses (qilachas) as well as an armed contingent comprising units of cavalry, artillery and infantry. Hence, statement 3 is not correct.

10. Answer B
- Jizya or Jizyah is a per capita yearly taxation historically levied in the form of financial charge on permanent non-Muslim subjects (dhimmi) of a state governed by Islamic law in order to fund public expenditures of the state, in place of the Zakat and Khums that Muslims are obliged to pay. Hence statement 1 is correct.
- This was paid on a graduated scale according to means, women, children and the indigent who had insufficient means being exempt from it.
- The brahamans also remained exempt, though this was not provided for in the Muslim law. This changed in the reign of Firoz Shah Tughlaq where he levied that on brahamans too. Hence statement 3 is correct.
- At first, Jizyah was collected along with land revenue. In fact it was difficult to distinguish jizyah from land revenue since all the cultivators were Hindu.
- Later, Firoz Shah Tughlaq made Jizyah a separate tax. Hence statement 2 is not correct.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

9. उत्तर ए
- जमींदारों के पास व्यापक व्यक्तिगत भूमि थी जिसे मिल्कियत कहा जाता था, जिसका अर्थ संपत्ति होता है। मिल्कियात भूमि की खेती जमींदारों के निजी उपयोग के लिए की जाती थी, अक्सर किराए पर या नौकर मजदूरों की मदद से। जमींदार अपनी इच्छानुसार इन जमीनों को बेच, वसीयत या गिरवी रख सकते थे।
- अपनी खेती की ज़मीन के मालिक होने के अलावा, जमींदारों को कई गाँवों से भू-राजस्व एकत्र करने का वंशानुगत अधिकार था। इसे उनका तल्लुक़ा या उनकी ज़मींदारी कहा जाता था। भू-राजस्व एकत्र करने के लिए जमींदारों को भू-राजस्व का एक हिस्सा मिलता था जो कुछ क्षेत्रों में 25 प्रतिशत तक हो सकता था। अतः, कथन 1 सही है।
- जमींदार अपनी जमींदारी वाली सभी जमीनों का 'मालिक' नहीं था। जो किसान वास्तव में भूमि पर खेती करते थे, उन्हें तब तक बेदखल नहीं किया जा सकता था जब तक वे भू-राजस्व का भुगतान करते रहे। इस प्रकार, जमींदारों और किसानों का भूमि पर अपना वंशानुगत अधिकार था। इसलिए, कथन 2 सही नहीं है।
- सैन्य संसाधनों पर नियंत्रण जमींदारों की शक्ति का एक अन्य स्रोत था। अधिकांश जमींदारों के पास किले (क़िलाचा) के साथ-साथ एक सशस्त्र टुकड़ी भी थी जिसमें घुड़सवार सेना, तोपखाने और पैदल सेना की इकाइयाँ शामिल थीं। इसलिए, कथन 3 सही नहीं है।

10. उत्तर बी
- जजिया या जजिया एक प्रति व्यक्ति वार्षिक कराधान है जो ऐतिहासिक रूप से जकात और खुम्स के स्थान पर राज्य के सार्वजनिक व्यय को निधि देने के लिए इस्लामी कानून द्वारा शासित राज्य के स्थायी गैर-मुस्लिम विषयों (धिम्मी) पर वित्तीय शुल्क के रूप में लगाया जाता है। मुसलमान भुगतान करने के लिए बाध्य हैं। अतः कथन 1 सही है।
- इसका भुगतान साधनों के अनुसार क्रमिक पैमाने पर किया जाता था, महिलाओं, बच्चों और उन गरीबों को, जिनके पास अपर्याप्त साधन थे, उन्हें इससे छूट दी जाती थी।
- ब्राह्मणों को भी छूट दी गई, हालाँकि मुस्लिम कानून में इसका प्रावधान नहीं था। यह फ़िरोज़ शाह तुगलक के शासनकाल में बदल गया जहाँ उसने ब्राह्मणों पर भी कर लगा दिया। अतः कथन 3 सही है।
- सबसे पहले जजिया की वसूली भू-राजस्व के साथ की जाती थी। वास्तव में जजिया को भू-राजस्व से अलग करना कठिन था क्योंकि सभी कृषक हिंदू थे।
- बाद में फ़िरोज़ शाह तुगलक ने जजिया को एक अलग कर बना दिया। अतः कथन 2 सही नहीं है।

11. Answer B
- Some of the earliest bhakti movements (c. sixth century) were led by the Alvars (literally, those who are "immersed" in devotion to Vishnu) and Nayanars (literally, leaders who were devotees of Shiva). They looked upon religion not as a matter of cold, formal worship but as a living bond based on love between the god and the worshipper. They traveled from place to place singing hymns in Tamil in praise of their gods. Hence, statement 1 is correct.
- Interestingly, one of the major themes in Tamil bhakti hymns is the poets' opposition to Buddhism and Jainism. This is particularly marked in the compositions of the Nayanars. Historians have attempted to explain this hostility by suggesting that it was due to competition between members of other religious traditions for royal patronage. Hence, statement 2 is correct.
- The bhakti movement not only won to the fold of Hinduism many adherents of Buddhism and Jainism, but they also won over many tribals. Many of the tribals from hilly areas became settled agriculturists in river valleys. These were the areas often held by Brahmans who introduced new agricultural techniques, or by temples where tribal gods were assimilated as supporters of Vishnu or Shiva. Hence, statement 3 is not correct.

12. Answer C
- Statements 1 and 2 are correct: Delhi Sultanate was formally an Islamic State. Qazis headed various posts in the Justice Department under the Sultanate. The head Qazi headed the Department of Justice. The qazis dispensed civil law based on Muslim Law (Sharia). The Hindus were governed by their own personal laws which were dispensed by the Panchayats and Guilds in the villages and by leaders of the various castes.
- Statement 3 is correct: Criminal Law was based on regulations framed for the purpose by the rulers. The sultans had to supplement the Muslim Law by framing their own regulations (zawabit).Barani said these regulations made the state far from truly Islamic to a more worldly or jahandari.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

11. उत्तर बी
- कुछ शुरुआती भक्ति आंदोलनों (लगभग छठी शताब्दी) का नेतृत्व अलवर (शाब्दिक रूप से, जो विष्णु की भक्ति में "डूबे" थे) और नयनार (शाब्दिक रूप से, नेता जो शिव के भक्त थे) ने किया था। वे धर्म को ठंडी, औपचारिक पूजा के विषय के रूप में नहीं बल्कि भगवान और उपासक के बीच प्रेम पर आधारित एक जीवित बंधन के रूप में देखते थे। वे अपने देवताओं की स्तुति में तमिल में भजन गाते हुए एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा करते थे। अतः, कथन 1 सही है।
- दिलचस्प बात यह है कि तमिल भक्ति भजनों का एक प्रमुख विषय कवियों का बौद्ध धर्म और जैन धर्म का विरोध है। नयनारों की रचनाओं में यह विशेष रूप से अंकित है। इतिहासकारों ने यह सुझाव देकर इस शत्रुता को समझाने का प्रयास किया है कि यह शाही संरक्षण के लिए अन्य धार्मिक परंपराओं के सदस्यों के बीच प्रतिस्पर्धा के कारण था। अतः, कथन 2 सही है।
- भक्ति आंदोलन ने न केवल बौद्ध धर्म और जैन धर्म के कई अनुयायियों को हिंदू धर्म में शामिल किया, बल्कि उन्होंने कई आदिवासियों को भी अपने पक्ष में कर लिया। पहाड़ी इलाकों के कई आदिवासी नदी घाटियों में बसे कृषक बन गए। ये वे क्षेत्र थे जो अक्सर ब्राह्मणों के कब्जे में थे जिन्होंने नई कृषि तकनीकें शुरू कीं, या मंदिरों के पास थे जहां आदिवासी देवताओं को विष्णु या शिव के समर्थकों के रूप में शामिल किया गया था। इसलिए, कथन 3 सही नहीं है।

12. उत्तर सी
- कथन 1 और 2 सही हैं: दिल्ली सल्तनत औपचारिक रूप से एक इस्लामिक राज्य था। क़ाज़ी सल्तनत के तहत न्याय विभाग में विभिन्न पदों का नेतृत्व करते थे। प्रधान काजी न्याय विभाग का प्रमुख होता था। काज़ियों ने मुस्लिम कानून (शरिया) के आधार पर नागरिक कानून जारी किया। हिंदू अपने निजी कानूनों द्वारा शासित होते थे जो गांवों में पंचायतों और गिल्डों और विभिन्न जातियों के नेताओं द्वारा वितरित किए जाते थे।
- कथन 3 सही है: आपराधिक कानून शासकों द्वारा इस उद्देश्य के लिए बनाए गए नियमों पर आधारित था। सुल्तानों को अपने स्वयं के नियम (ज़वाबित) बनाकर मुस्लिम कानून को पूरक करना पड़ा। बरनी ने कहा कि इन नियमों ने राज्य को वास्तव में इस्लामी से दूर अधिक सांसारिक या जहांदारी बना दिया।

13. Answer A
- Statement 1 is correct: Balban was the first sultan who created a separate department diwani-i- arz under Ariz-i-mamlik.
- Statement 2 is not correct: Ariz-i-mamlik was not the commander-in-chief of the armed forces as the sultan himself was the commander-in-chief. Ariz maintained a descriptive role of each and every soldier in the army and was only second to the office of Wazir. He was the official during the sultanate responsible for the administration of the army, including recruiting, payment of salaries, supplies, and transportation but he had no right to declare war or lead the army as commander-in-chief.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

13. उत्तर ए
- कथन 1 सही है: बलबन पहला सुल्तान था जिसने अरिज-ए-मामलिक के तहत एक अलग विभाग दीवान-ए-अर्ज़ बनाया।
- कथन 2 सही नहीं है: आरिज-ए-मामलिक सशस्त्र बलों का कमांडर-इन-चीफ नहीं था क्योंकि सुल्तान स्वयं कमांडर-इन-चीफ था। एरीज़ ने सेना में प्रत्येक सैनिक की एक वर्णनात्मक भूमिका बनाए रखी और वज़ीर के कार्यालय में केवल दूसरे स्थान पर था। वह सल्तनत के दौरान सेना के प्रशासन के लिए जिम्मेदार अधिकारी था, जिसमें भर्ती, वेतन का भुगतान, आपूर्ति और परिवहन शामिल था, लेकिन उसे युद्ध की घोषणा करने या कमांडर-इन-चीफ के रूप में सेना का नेतृत्व करने का कोई अधिकार नहीं था।

14. Answer C

- The system of education which had been gradually developed in the earlier period continued during the medieval period without much change.
- There was no idea of mass education at that time. People learned what they felt was needed for their livelihood.
- Reading and writing were confined to a small section, mostly Brahmanas and some sections of the upper classes, including kayasthas. Hence statement 1 is correct.
- Sometimes, temples made arrangements for education at higher levels as well. Generally, a student had to go to the house of a teacher or live with him for getting initiation into higher education.
- The main subjects studied were the various branches of the Vedas and grammar, logic, and philosophy which included science.
- The responsibility for giving education for a craft or profession was generally left to the guilds or individual families. Hence statement 2 is correct.
- The growth of science in the country slowed down during the period so that in course of time, India was no longer regarded as a leading country in the field of science. Thus surgery declined because the dissection of dead bodies was regarded as fit only for people of low castes. In fact, surgery became the profession of barbers. Astronomy was gradually pushed into the background of astrology. However, some advances were made in the field of mathematics. The Lilawati of Bhaskara II which was written during this period remained a standard tax for a long time. Some advances were made in the field of medicine by the use of minerals, especially mercury. Reasons were a lack of growth in society and a tendency for the Indians to isola

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

14. उत्तर सी

- शिक्षा की जो प्रणाली पहले के काल में धीरे-धीरे विकसित हुई थी वह मध्यकाल में भी बिना अधिक परिवर्तन के जारी रही।
- उस समय सामूहिक शिक्षा का कोई विचार नहीं था। लोगों ने वही सीखा जो उन्हें अपनी आजीविका के लिए आवश्यक लगा।
- पढ़ना और लिखना एक छोटे वर्ग तक ही सीमित था, ज्यादातर ब्राह्मण और कायस्थों सहित उच्च वर्गों के कुछ वर्ग। अतः कथन 1 सही है।
- कभी-कभी मन्दिर उच्च स्तर पर भी शिक्षा की व्यवस्था करते थे। आमतौर पर उच्च शिक्षा की दीक्षा लेने के लिए विद्यार्थी को शिक्षक के घर जाना पड़ता था या उनके साथ रहना पड़ता था।
- अध्ययन किए गए मुख्य विषय वेदों की विभिन्न शाखाएँ और व्याकरण, तर्क और दर्शन थे जिनमें विज्ञान भी शामिल था।
- किसी शिल्प या पेशे की शिक्षा देने की जिम्मेदारी आम तौर पर श्रेणियों या व्यक्तिगत परिवारों पर छोड़ दी जाती थी। अतः कथन 2 सही है।
- इस अवधि के दौरान देश में विज्ञान का विकास इतना धीमा हो गया कि समय के साथ, भारत को विज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी देश नहीं माना जाने लगा। इस प्रकार सर्जरी का पतन हो गया क्योंकि शवों का विच्छेदन केवल निम्न जाति के लोगों के लिए उपयुक्त माना जाता था। दरअसल, सर्जरी नाइयों का पेशा बन गया। धीरे-धीरे खगोल विज्ञान को ज्योतिष की पृष्ठभूमि में धकेल दिया गया। हालाँकि, गणित के क्षेत्र में कुछ प्रगति हुई। इस काल में लिखी गई भास्कर द्वितीय की लीलावती लंबे समय तक एक मानक कर बनी रही। खनिजों, विशेषकर पारे के उपयोग से चिकित्सा के क्षेत्र में कुछ प्रगति हुई। इसका कारण समाज में विकास की कमी और भारतीयों में अलगाव की प्रवृत्ति थी

15. Answer D
- Ulama (plural of alim, or one who knows) are scholars of Islamic studies. Muslim rulers were to be guided by the ulama, who were expected to ensure that they ruled according to the shari'a.
- As preservers of this tradition, they performed various religious, judicial and teaching functions. Hence the correct answer is option (d)

16. Answer C
- Statement 1 is Incorrect - This particular reform was undertaken by Alauddin Khilji of the Khilji dynasty. He wanted to fix the costs of all commodities from cooking oil, needle, food grains, sugar to costly imported horses, cattle and slaves. This was to reduce prices so that he could pay less to the soldiers and hence maintain a larger army to counter the Mongol threat. The market regulation came to an end with his death. It is not clear if it applied only over Delhi or all over India.
- Statement 2 is Correct - Alauddin was the first monarch in the sultanate to insist that in the Doab, land revenue was to be based on area under cultivation. This meant that rich and powerful landlords could not pass the burden of taxes over the poor and those with little land. Writer Barani has given a detailed account of the impact of this policy on the Khuts and Muqaddams.
- Statement 3 is Correct - Muhammad Bin Tughlaq was the son of the founder of the dynasty, Ghiyasuddin Tughlaq. He was the only Delhi Sultan who had received a comprehensive literary, religious, and philosophical education. He was open minded and very tolerant in religious matters. He conversed with hindu Yogis and Jain saints along with Muslim clerics. He gave high offices to people based on merit irrespective of whether they had a noble background or not. His only weakness was his temper and impatience. This was why many noblemen didn't like him.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

15. उत्तर डी
उलमा (आलिम का बहुवचन, या जानने वाला) इस्लामी अध्ययन के विद्वान हैं। मुस्लिम शासकों को उलेमा द्वारा निर्देशित किया जाना था, जिनसे यह सुनिश्चित करने की अपेक्षा की गई थी कि वे शरिया के अनुसार शासन करेंगे।

इस परंपरा के संरक्षक के रूप में, उन्होंने विभिन्न धार्मिक, न्यायिक और शिक्षण कार्य किए। अतः सही उत्तर विकल्प (डी) है

16. उत्तर सी
- कथन 1 गलत है - यह विशेष सुधार खिलजी वंश के अलाउद्दीन खिलजी द्वारा किया गया था। वह खाना पकाने के तेल, सुई, खाद्यान्न, चीनी से लेकर महंगे आयातित घोड़ों, मवेशियों और दासों तक सभी वस्तुओं की कीमतें तय करना चाहते थे। इसका उद्देश्य कीमतों को कम करना था ताकि वह सैनिकों को कम भुगतान कर सके और इस प्रकार मंगोल खतरे का मुकाबला करने के लिए एक बड़ी सेना बनाए रख सके। उनकी मृत्यु के साथ बाजार विनियमन समाप्त हो गया। यह स्पष्ट नहीं है कि यह केवल दिल्ली में लागू हुआ या पूरे भारत में।
- कथन 2 सही है - अलाउद्दीन सल्तनत में पहला राजा था जिसने इस बात पर जोर दिया कि दोआब में भू-राजस्व खेती के क्षेत्र पर आधारित होना चाहिए। इसका मतलब यह था कि अमीर और शक्तिशाली जमींदार गरीबों और कम जमीन वाले लोगों पर कर का बोझ नहीं डाल सकते थे। लेखक बरनी ने खुत्स और मुक़द्दम पर इस नीति के प्रभाव का विस्तृत विवरण दिया है।
- कथन 3 सही है - मुहम्मद बिन तुगलक राजवंश के संस्थापक गयासुद्दीन तुगलक का पुत्र था। वह दिल्ली के एकमात्र सुल्तान थे जिन्होंने व्यापक साहित्यिक, धार्मिक और दार्शनिक शिक्षा प्राप्त की थी। वह धार्मिक मामलों में खुले विचारों वाले और बहुत सहिष्णु थे। उन्होंने मुस्लिम मौलवियों के साथ-साथ हिंदू योगियों और जैन संतों से बातचीत की। उन्होंने योग्यता के आधार पर लोगों को उच्च पद दिए, भले ही उनकी पृष्ठभूमि कुलीन हो या नहीं। उनकी एकमात्र कमजोरी उनका गुस्सा और अधीरता थी। यही कारण था कि अनेक महानुभाव उसे पसंद नहीं करते थे।

17. Answer A
- Statement 1 is incorrect: Bulban was himself one of the turkish chiefs and had arrogated all power to himself. He refused to entertain important government posts for anyone who did not belong to a noble family. This virtually meant exclusion of even Indian muslims from positions of power and authority.
- Statement 2 is correct: Although he wanted to break the power of the chahalgani (the 40) and didn't like the non-turks, but to win the public's confidence, he administered justice with extreme impartiality. Not even the highest in the land were spared if they transgressed his authority.
- Statement 3 is correct: He was not prepared to share power with anyone, even though he considered himself a champion of the Turkish nobility. He excluded non-Turks from the administration. He dissatisfied many by basing his rule over a very narrow racial group. This led to much disturbance and troubles after his death.

18. Answer D
- Statement 1 is correct: By the end of the 9th century, the Abbasid Caliphate was in decline and replaced by a series of states ruled by Islamized Turks. After entering the empire as palace guards and mercenary soldiers, they emerged as king makers. As the power of the central government declined, provincial governors started assuming independent status and these new rulers assumed the title of 'amir' at first and of 'sultan' later on.
- Statement 2 is correct: The Turks brought with them the habit of ruthless plunder, their main mode of warfare consisted of rapid advance andretreat, lightning raids, and any loose body of stragglers. They could do this because of the excellent quality of their horses as also their hardihood so that they could cover incredible distances on horseback.
- Statement 3 is correct: Break up of Gurjara-Pratihara empire led to a phase of political uncertainty in north India, and a new phase of struggle for domination. As a result, little attention was paid to the emergence of aggressive, expansionist Turkish states on the northwestern border of India and in West Asia.

17. उत्तर ए
- कथन 1 गलत है: बुलबन स्वयं तुर्की प्रमुखों में से एक था और उसने सारी शक्ति अपने पास रख ली थी। उन्होंने ऐसे किसी भी व्यक्ति को महत्वपूर्ण सरकारी पद देने से इनकार कर दिया जो कुलीन परिवार से नहीं था। इसका मतलब वस्तुतः भारतीय मुसलमानों को भी सत्ता और प्राधिकार के पदों से बाहर करना था।
- कथन 2 सही है: हालाँकि वह चहलगानी (40) की शक्ति को तोड़ना चाहता था और गैर-तुर्कों को पसंद नहीं करता था, लेकिन जनता का विश्वास जीतने के लिए, उसने अत्यधिक निष्पक्षता के साथ न्याय किया। यदि उन्होंने उसके अधिकार का उल्लंघन किया तो देश के सबसे ऊंचे लोगों को भी नहीं बख्शा गया।
- कथन 3 सही है: वह किसी के साथ सत्ता साझा करने के लिए तैयार नहीं था, भले ही वह खुद को तुर्की कुलीन वर्ग का चैंपियन मानता था। उसने गैर-तुर्कों को प्रशासन से बाहर कर दिया। उन्होंने एक बहुत ही संकीर्ण नस्लीय समूह पर अपना शासन आधारित करके कई लोगों को असंतुष्ट कर दिया। इससे उनकी मृत्यु के बाद काफी अशांति और परेशानियां पैदा हुईं।

18. उत्तर डी
- कथन 1 सही है: 9वीं शताब्दी के अंत तक, अब्बासिद खलीफा का पतन हो गया था और उसकी जगह इस्लामी तुर्कों द्वारा शासित राज्यों की एक श्रृंखला ने ले ली थी। महल के रक्षकों और भाड़े के सैनिकों के रूप में साम्राज्य में प्रवेश करने के बाद, वे राजा निर्माता के रूप में उभरे। जैसे-जैसे केंद्र सरकार की शक्ति घटती गई, प्रांतीय गवर्नरों ने स्वतंत्र स्थिति धारण करना शुरू कर दिया और इन नए शासकों ने पहले 'अमीर' और बाद में 'सुल्तान' की उपाधि धारण की।
- कथन 2 सही है: तुर्क अपने साथ निर्मम लूट की आदत लेकर आए थे, उनके युद्ध के मुख्य तरीकों में तेजी से आगे बढ़ना और पीछे हटना, बिजली के हमले और भटकते लोगों का कोई भी समूह शामिल था। वे अपने घोड़ों की उत्कृष्ट गुणवत्ता और उनकी दृढ़ता के कारण ऐसा कर सके ताकि वे घोड़े पर अविश्वसनीय दूरी तय कर सकें।
- कथन 3 सही है: गुर्जर-प्रतिहार साम्राज्य के टूटने से उत्तर भारत में राजनीतिक अनिश्चितता का दौर शुरू हुआ और वर्चस्व के लिए संघर्ष का एक नया चरण शुरू हुआ। परिणामस्वरूप, भारत की उत्तर-पश्चिमी सीमा और पश्चिम एशिया में आक्रामक, विस्तारवादी तुर्की राज्यों के उद्भव पर बहुत कम ध्यान दिया गया।

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

19. Answer C

- Statement 1 is correct: Alberuni belonged to Khiva and presented before Mahmud of Ghazni as a prisoner after he conquered Khiva. He came to India with Mahmud and was a profound scholar with command over Persian and Arabic. He wrote Tahqiq -i- hind in arabic where he described the social, political and economic condition of India. He also wrote Qanun-i-masudi, a book on astronomy and Jawahir-fil-Jawahir, a book on mineralogy.
- Statement 2 is incorrect: His works were meant to acquaint his Ghaznavid ruler with Hinduism. He never visited any centres of Brahmanic scholarship like Kannauj, Varanasi and Kashmir, but had infonnants in the form of Sanskrit scholars and educated merchants.
- Statement 3 is correct: He quoted from Patanjali's Yoga Sutra, the Bhagavad Gita and the Samkhya karika to substantiate his assertions. Apart from providing a penetrating study of human relationships and cultural complexities in various faiths, he defines the hindu colour divisions as classes (tabaqat) and the castes (jati) as birth divisions (nasab). According to him the sudras were antyaja or casteless.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

19. उत्तर सी

- कथन 1 सही है: अल्बरूनी खिवा का था और खिवा पर विजय प्राप्त करने के बाद वह गजनी के महमूद के सामने एक कैदी के रूप में पेश हुआ। वह महमूद के साथ भारत आया था और फ़ारसी और अरबी पर अधिकार रखने वाला एक गहन विद्वान था। उन्होंने अरबी में तहकीक-ए-हिंद लिखा जिसमें उन्होंने भारत की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक स्थिति का वर्णन किया। उन्होंने खगोल विज्ञान पर एक पुस्तक कानून-ए-मसुदी और खनिज विज्ञान पर एक पुस्तक जवाहिर-फिल-जवाहिर भी लिखी।
- कथन 2 ग़लत है: उनके कार्यों का उद्देश्य उनके ग़ज़नवी शासक को हिंदू धर्म से परिचित कराना था। उन्होंने कभी भी कन्नौज, वाराणसी और कश्मीर जैसे ब्राह्मण विद्वता के केंद्रों का दौरा नहीं किया, लेकिन उनके पास संस्कृत के विद्वान और शिक्षित व्यापारी थे।
- कथन 3 सही है: उन्होंने अपने दावे को पुष्ट करने के लिए पतंजलि के योग सूत्र, भगवद गीता और सांख्य कारिका का हवाला दिया। विभिन्न आस्थाओं में मानवीय रिश्तों और सांस्कृतिक जटिलताओं का गहन अध्ययन प्रदान करने के अलावा, वह हिंदू रंग विभाजन को वर्गों (तबकात) के रूप में और जातियों (जाति) को जन्म विभाजन (नसाब) के रूप में परिभाषित करते हैं। उनके अनुसार शूद्र अन्त्यज या जातिविहीन थे।

20. Answer A

- Statement 1 is Incorrect -The Vijayanagar kingdom constituted four dynasties — Sangama (c.1336–1485 CE), Saluva (c.1485–1503 CE), Tuluva (c.1503–1570 CE) and Aravidu (till the end of the 17th century). Vijayanagara's main rivals were the Sultans of Madurai in the south and Bahmani Sultanate in the north. Rama Raya was a minister of Sada Siva Raya (c.1542–1570 CE) - Last ruler of Tuluva dynasty. Rama Raya tried to balance the Deccan powers by playing one against the other. His constantly changing sides to improve his own position eventually prompted the Sultanates to form an alliance. The Deccan states (Bijapur, Ahmadnagar, Golkonda and Bidar, except Berar) thus formed a confederacy and inflicted a crushing blow on the Vijayanagar armies at Bannihatti in the battle of Talaikotta in c.1565 CE. This battle is also known as Rakshasa Thangadi. Rama Raya was imprisoned and executed and the city of Vijayanagar was destroyed.
- Statement 2 is Incorrect - Muskets, a superior military technology, were used for the first time by Portuguese and they were able to expand their territory in India in the reign of Vijayanagara Kingdom.
- Statement 3 is correct. Foreign traveller Abdur Razaqq noted that Vijayanagara Kingdom fortified not only the city but also the agricultural hinterland and forests for protecting the agricultural belts.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

20. उत्तर ए

- कथन 1 गलत है - विजयनगर साम्राज्य में चार राजवंश थे - संगम (लगभग 1336-1485 ई.पू.), सालुवा (लगभग .1485-1503 ई.पू.), तुलुवा (लगभग.1503-1570 ई.पू.) और अराविदु (17वीं सदी के अंत तक) शतक)। विजयनगर के मुख्य प्रतिद्वंद्वी दक्षिण में मदुरै के सुल्तान और उत्तर में बहमनी सल्तनत थे। राम राय सदा शिव राय (लगभग 1542-1570 ई.) के मंत्री थे - तुलुव वंश के अंतिम शासक। राम राय ने एक दूसरे के विरुद्ध खेलकर दक्कन की शक्तियों को संतुलित करने का प्रयास किया। अपनी स्थिति में सुधार के लिए उनके लगातार बदलते पाला ने अंततः सल्तनत को गठबंधन बनाने के लिए प्रेरित किया। इस प्रकार दक्कन के राज्यों (बीजापुर, अहमदनगर, गोलकुंडा और बीदर, बरार को छोड़कर) ने एक संघ बनाया और लगभग 1565 ई. में तलाइकोट्टा की लड़ाई में बन्नीहट्टी में विजयनगर सेनाओं को करारी शिकस्त दी। इस युद्ध को राक्षस थंगाडी के नाम से भी जाना जाता है। राम राय को कैद कर लिया गया और मार डाला गया और विजयनगर शहर को नष्ट कर दिया गया।
- कथन 2 गलत है - एक बेहतर सैन्य तकनीक, मस्कट का उपयोग पहली बार पुर्टुगेस द्वारा किया गया था और वे विजयनगर साम्राज्य के शासनकाल में भारत में अपने क्षेत्र का विस्तार करने में सक्षम थे।
- कथन 3 सही है- विदेशी यात्री अब्दुर रज़ाक़ ने उल्लेख किया कि विजयनगर साम्राज्य ने कृषि बेल्टों की रक्षा के लिए न केवल शहर बल्कि कृषि भीतरी इलाकों और जंगलों को भी मजबूत किया।

21. Answer B

- Statement 1 is Incorrect - Krishna Deva Raya was contemporary of Babur and Not Akbar. He belongs to the Tuluva dynasty. He is also known as Andhra Bhoja. He authored Amuktamalyada, Ushaparinayam and Jambavati Kalyanam (Sanskrit drama). He built some fine stone temples such as famous the Vittalaswamy and Hazara Ramaswamy temples at Vijayanagar.
- Statement 2 is Incorrect - The Amara-Nayaka system was a major political innovation of the Vijayanagara empire and many features of this system were derived from the iqta system of the Delhi sultanate. The Amara-Nayakas were military commanders who were given territories to govern by the Rayas or the rulers of Vijayanagara.
- Statement 3 is correct - The foreign travellers who visited India during the reign of Krishnadeva Raya- the greatest ruler of Vijayanagar Empire were : Domingo Pass, Barbosa etc. Krishna Devaraya maintained friendly relations with the Portuguese. King Albuquerque sent his ambassadors to the court of Krishna Deva Raya. The Portuguese travellers Domingo Paes and Barbosa came to India during his reign.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

21. उत्तर बी

- कथन 1 गलत है - कृष्णदेव राय बाबर के समकालीन थे, अकबर के नहीं। वह तुलुव राजवंश से हैं। उन्हें आंध्र भोज के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने अमुक्तमाल्यदा, उषापरिणयम और जाम्बवती कल्याणम (संस्कृत नाटक) की रचना की। उन्होंने कुछ बेहतरीन पत्थर के मंदिर बनवाए जैसे कि विजयनगर में प्रसिद्ध विट्ठलस्वामी और हजारा रामास्वामी मंदिर।
- कथन 2 गलत है - अमर-नायक प्रणाली विजयनगर साम्राज्य का एक प्रमुख राजनीतिक नवाचार था और इस प्रणाली की कई विशेषताएं दिल्ली सल्तनत की इक्ता प्रणाली से ली गई थीं। अमर-नायक सैन्य कमांडर थे जिन्हें रायस या विजयनगर के शासकों द्वारा शासन करने के लिए क्षेत्र दिए गए थे।
- कथन 3 सही है - विजयनगर साम्राज्य के सबसे महान शासक कृष्णदेव राय के शासनकाल के दौरान भारत आने वाले विदेशी यात्री थे: डोमिंगो दर्रा, बारबोसा आदि। कृष्ण देवराय ने पुर्तगालियों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखे। राजा अल्बुकर्क ने अपने राजदूतों को कृष्णदेव राय के दरबार में भेजा। उसके शासनकाल के दौरान पुर्तगाली यात्री डोमिंगो पेस और बारबोसा भारत आये।

22. Answer D

- Statement 1 is correct: Deva Raya II is considered the greatest ruler of the Sangam dynasty. In order to strengthen his army he reorganized his army incorporating many features of the army of Delhi Sultanate. He commanded his officers to learn the art of archery. According to Ferishta, Deva Raya II assembled a heavy number of soldiers. This made the Vijayanagar Empire a more centralised Polity in the south.
- Statement 2 is incorrect: He has extended the influence of his Kingdom. Nuniz A Portuguese writer mentioned that kings of Quilon, Sri Lanka, Pulicat, Pegu and Tenasserium (Burma and Malaya) paid tribute to Deva Raya II. However, over the northern front he could not win a decisive edge over the Bahmani Sultan. The sangama dynasty became weak after his death and his successors ruled only for a brief Period.
- Statement 3 is correct: Srinatha was a noted poet of Telugu Language. He was honored with the title Kavisarvabhauma ('Emperor among Poets"). The king showed his appreciation with a kanakabhisheka ceremony (the "showering of gold coins on the head"). Srinatha is known to have lived a life of pleasure and moved on equal terms with the ministers in the king's court.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

22. उत्तर डी

- कथन 1 सही है: देव राय द्वितीय को संगम वंश का सबसे महान शासक माना जाता है। अपनी सेना को मजबूत करने के लिए उसने दिल्ली सल्तनत की सेना की कई विशेषताओं को शामिल करते हुए अपनी सेना को पुनर्गठित किया। उसने अपने अधिकारियों को तीरंदाज़ी की कला सीखने का आदेश दिया। फ़रिश्ता के अनुसार, देव राय द्वितीय ने भारी संख्या में सैनिकों को इकट्ठा किया। इसने विजयनगर साम्राज्य को दक्षिण में अधिक केंद्रीकृत राजनीति बना दिया।
- कथन 2 गलत है: उसने अपने साम्राज्य का प्रभाव बढ़ाया है। नुनिज़ एक पुर्तगाली लेखक ने उल्लेख किया है कि क्विलोन, श्रीलंका, पुलिकट, पेगु और तेनासेरियम (बर्मा और मलाया) के राजाओं ने देव राय द्वितीय को श्रद्धांजलि दी थी। हालाँकि, उत्तरी मोर्चे पर वह बहमनी सुल्तान पर निर्णायक बढ़त हासिल नहीं कर सका। उनकी मृत्यु के बाद संगम राजवंश कमजोर हो गया और उनके उत्तराधिकारियों ने केवल थोड़े समय के लिए शासन किया।
- कथन 3 सही है: श्रीनाथ तेलुगु भाषा के एक प्रसिद्ध कवि थे। उन्हें कविसर्वभौम ('कवियों के बीच सम्राट') की उपाधि से सम्मानित किया गया था। राजा ने कनकाभिषेक समारोह ("सिर पर सोने के सिक्कों की वर्षा") के साथ अपनी प्रशंसा दिखाई। श्रीनाथ को आनंद का जीवन जीने और राजा के दरबार में मंत्रियों के साथ समान शर्तों पर रहने के लिए जाना जाता है।

23. Answer C
- Statement 1 is correct: Vijayanagar Kingdom was founded by Harihara and Bukka In the year 1336 A.D. Harihara and Bukka were feudatories under the Kakatiya of Warangal.Later they became ministers in the court of Kampili in modern day karnataka. They found a new city on the South Bank of Tungabhadra river which was called Vijayanagar thus laying the foundation of the new empire. The Tughlaq dynasty was founded by Ghiyasuddin Tughlaq who ruled over the Delhi sultanate in medieval India.His reign started in 1320 in Delhi when Ghiyasuddin Tughlaq overthrew Khilji dynasty.
- Statement 2 is correct: The greatest of the Vijayanagara rulers, Krishnadevaraya belonged to the Tuluva Dynasty. He was a person of high intellectual quality who ruled from 1509 to 1529 A.D. Babur defeated Ibrahim Lodhi in the first battle of Panipat and established the Mughal dynasty in 1526 A.D. It lasted till the establishment of British rule in India. Therefore Babur was the contemporary of Krishna Deva Raya.

24. Answer D
- Statement 1 is Correct : Treaty of Purandar (1665) was signed after Jai singh & Diler singh representing Mughal emperor Aurangzeb, besieged the Purandar Fort. According to this treaty, Shivaji had to surrender 23 forts to the Mughals out of the 35 forts held by him, and the remaining 12 forts were to be left to Shivaji on the condition of service and loyalty to the Mughal empire.
- Statement 2 is correct : Between 1667 and 69, Shivaji adopted a low profile and built his army. In 1670, he recovered most of his lost forts and sacked Surat for the second time. He defeated the Mughals in the Battle of Salher (1672) and crowned himself at Raigarh and assumed the title Maharaja Chhatrapati.
- Statement 3 is Correct : He died due to fever in 1680, at the age of 53, after ruling for only six years. In this short time, he founded the Maratha kingdom, which dominated western India for a century and a half.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

23. उत्तर सी
- कथन 1 सही है: विजयनगर साम्राज्य की स्थापना हरिहर और बुक्का द्वारा वर्ष 1336 ई. में की गई थी। हरिहर और बुक्का वारंगल के काकतीय के अधीन सामंत थे। बाद में वे आधुनिक कर्नाटक में काम्पिली के दरबार में मंत्री बन गए। उन्होंने तुंगभद्रा नदी के दक्षिणी तट पर एक नया शहर पाया जिसे विजयनगर कहा गया और इस प्रकार नए साम्राज्य की नींव पड़ी। तुगलक वंश की स्थापना गयासुद्दीन तुगलक ने की थी, जिन्होंने मध्ययुगीन भारत में दिल्ली सल्तनत पर शासन किया था। उनका शासनकाल 1320 में दिल्ली में शुरू हुआ जब गयासुद्दीन तुगलक ने खिलजी वंश को उखाड़ फेंका।
- कथन 2 सही है: विजयनगर के सबसे महान शासक, कृष्णदेवराय तुलुवा राजवंश के थे। वह उच्च बौद्धिक गुणवत्ता वाले व्यक्ति थे जिन्होंने 1509 से 1529 ई. तक शासन किया। बाबर ने पानीपत की पहली लड़ाई में इब्राहिम लोधी को हराया और 1526 ई. में मुगल राजवंश की स्थापना की। यह भारत में ब्रिटिश शासन की स्थापना तक चला। अतः बाबर कृष्णदेव राय का समकालीन था।

24. उत्तर डी
- कथन 1 सही है: पुरंदर की संधि (1665) पर जय सिंह और दिलेर सिंह द्वारा मुगल सम्राट औरंगजेब का प्रतिनिधित्व करते हुए पुरंदर किले को घेरने के बाद हस्ताक्षर किए गए थे। इस संधि के अनुसार, शिवाजी को अपने पास मौजूद 35 किलों में से 23 किले मुगलों को सौंपने थे, और शेष 12 किले मुगल साम्राज्य के प्रति सेवा और वफादारी की शर्त पर शिवाजी को छोड़ने थे।
- कथन 2 सही है: 1667 और 69 के बीच, शिवाजी ने कम प्रोफ़ाइल अपनाई और अपनी सेना बनाई। 1670 में, उसने अपने अधिकांश खोए हुए किलों को पुनः प्राप्त कर लिया और सूरत को दूसरी बार लूट लिया। उन्होंने सलहेर की लड़ाई (1672) में मुगलों को हराया और रायगढ़ में अपना राज्याभिषेक किया और महाराजा छत्रपति की उपाधि धारण की।
- कथन 3 सही है: केवल छह वर्षों तक शासन करने के बाद, 1680 में 53 वर्ष की आयु में बुखार के कारण उनकी मृत्यु हो गई। इस अल्प समय में उन्होंने मराठा साम्राज्य की स्थापना की, जिसका डेढ़ शताब्दी तक पश्चिमी भारत पर प्रभुत्व रहा।

25. Answer A
- Statement 1 is Correct : The king was the pivot of the government, who was assisted by a council of ministers called the Ashtapradhan. Each one was directly responsible to Shivaji and headed a department. Under Shivaji, these offices were neither hereditary nor permanent and were also frequently transferred.
- Statement 2 is Incorrect : All ministers except Pandita Rao and Nyayadhish participated in the war.

26. Answer A
- Statement 1 is Correct : The word 'Peshwa' probably originated in Persian, meaning 'foremost', and was introduced in Deccan by the Muslim rulers. Duties of a Peshwa were equal to that of a Prime Minister. The office of Peshwa existed from 1640 - 1818 CE. Sonopant Dabir (c.1640–1652 CE) was the First unofficial Peshwa.
- Statement 2 is Incorrect : Ramchandra Pant Amatya (c.1689–1708 CE) was a Peshwa under Rajaram. He wrote Adnyapatra, in which he explained different techniques of war, maintenance of forts, and administration.

27. Answer B
- Statement 1 is Correct : Baji Rao I (c.1720–1740 CE) was the Eldest Son of Balaji Vishwanath who succeeded him as Peshwa at the young age of twenty. During his lifetime, he never lost a battle and the Maratha power reached its zenith under him.
- Statement 2 is Incorrect : Baji Rao I (1720-1740) preached and popularised the idea of Hindu-pad-padshahi (Hindu Empire) to secure the support of the Hindu chiefs against the common enemy, the Mughals. Balaji Baji Rao I, also known as Nana Sahib I (c.1740–61 CE) succeeded Baji Rao -I as Peshwa at the young age of nineteen and was appointed as Peshwa by Shahuji.
- Statement 3 is Correct : Baji Rao I (1720-40) initiated the system of confederacy among the Maratha chiefs. Under this system, each Maratha chief was assigned a territory that could be administered autonomously. As a result, many Maratha families became prominent and established their authority in different parts of India. They were the Gaekwads at Baroda, the Bhonsles at Nagpur, the Holkars at Indore, the Scindias at Gwalior, and the Peshwas at Poona.

25. उत्तर ए
- कथन 1 सही है: राजा सरकार की धुरी था, जिसे अष्टप्रधान नामक मंत्रिपरिषद द्वारा सहायता प्रदान की जाती थी। प्रत्येक व्यक्ति सीधे तौर पर शिवाजी के प्रति उत्तरदायी था और एक विभाग का प्रमुख था। शिवाजी के अधीन, ये कार्यालय न तो वंशानुगत थे और न ही स्थायी और अक्सर स्थानांतरित भी होते थे।
- कथन 2 गलत है: पंडिता राव और न्यायाधीश को छोड़कर सभी मंत्रियों ने युद्ध में भाग लिया।

26. उत्तर ए
- कथन 1 सही है: 'पेशवा' शब्द की उत्पत्ति संभवतः फ़ारसी में हुई है, जिसका अर्थ है 'सर्वोपरि', और इसे मुस्लिम शासकों द्वारा दक्कन में पेश किया गया था। पेशवा के कर्तव्य प्रधानमंत्री के समान थे। पेशवा का कार्यालय 1640 - 1818 ई. तक अस्तित्व में था। सोनोपंत दबीर (लगभग 1640-1652 ई.) पहले अनौपचारिक पेशवा थे।
- कथन 2 ग़लत है: रामचन्द्र पंत अमात्य (लगभग 1689-1708 ई.) राजाराम के अधीन पेशवा थे। उन्होंने अदन्यापत्र लिखा, जिसमें उन्होंने युद्ध, किलों के रखरखाव और प्रशासन की विभिन्न तकनीकों की व्याख्या की।

27. उत्तर बी
- कथन 1 सही है: बाजीराव प्रथम (लगभग 1720-1740 ई.पू.) बालाजी विश्वनाथ के सबसे बड़े पुत्र थे, जो बीस वर्ष की कम उम्र में पेशवा के रूप में उनके उत्तराधिकारी बने। अपने जीवनकाल के दौरान, उन्होंने कभी कोई लड़ाई नहीं हारी और मराठा शक्ति उनके अधीन अपने चरम पर पहुंच गई।
- कथन 2 गलत है: बाजी राव प्रथम (1720-1740) ने आम दुश्मन, मुगलों के खिलाफ हिंदू प्रमुखों के समर्थन को सुरक्षित करने के लिए हिंदू-पद-पादशाही (हिंदू साम्राज्य) के विचार का प्रचार किया और लोकप्रिय बनाया। बालाजी बाजीराव प्रथम, जिन्हें नाना साहब प्रथम (सी.1740-61 ई.) के नाम से भी जाना जाता है, उन्नीस वर्ष की छोटी उम्र में बाजीराव-प्रथम के उत्तराधिकारी के रूप में पेशवा बने और शाहूजी द्वारा उन्हें पेशवा के रूप में नियुक्त किया गया।
- कथन 3 सही है: बाजी राव प्रथम (1720-40) ने मराठा प्रमुखों के बीच संघ की प्रणाली शुरू की। इस प्रणाली के तहत, प्रत्येक मराठा प्रमुख को एक क्षेत्र सौंपा गया था जिसे स्वायत्त रूप से प्रशासित किया जा सकता था। परिणामस्वरूप, कई मराठा परिवार प्रमुख हो गए और भारत के विभिन्न हिस्सों में अपना अधिकार स्थापित कर लिया। वे बड़ौदा में गायकवाड़, नागपुर में भोंसले, इंदौर में होलकर, ग्वालियर में सिंधिया और पूना में पेशवा थे।

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

28. Answer D
- Statement 1 is Incorrect : Amatya/Majumdar was the Accountant General. Peshwa or Pant Pradhan, who looked after finance and general administration. Later, the office of Peshwa became more powerful and functioned more as the prime minister. There was great focus on Intelligence and a centralised intelligence department was created.
- Statement 2 is Incorrect : The Provincial or local administration under Shivaji was not their all indigenous system. It was patterned largely on the Deccani and Mughal system. Shivaji reorganised and renamed certain provinces. The provinces were known as Prants, which were under the charge of the Subedar. The Sarsubedar used to control and supervise the work of the subedar. After Prants came the Tarfs, which were headed by a havaldar. Mauzas or villages were the lowest unit of administration. The police officers in rural areas were called Faujdar and in urban areas were called Kotwal.

29. Answer B
- Statement 1 is Incorrect: In the first battle of Panipat (1526) Babur effectively applied the Rumi (Ottoman) method of warfare, also known as Tulguma system of warfare, wherein he encircled Ibrahim Lodhi's army from both flanks. From the centre, his cavalry mounted an attack with arrows and gun-fires under expert Ottoman gunners Ustad Ali and Mustafa, whereas the trenches and barricades provided adequate defence against the march of the enemy.
- Statement 2 is Correct: Battle of Khanwa (c.1527 CE, near Fatehpur Sikri): One of the most fiercely contested battles in Indian history, fought between Babur and Rana Sanga of Mewar and his allies. Rana Sanga was defeated and Babur's position in the Delhi–Agra region was secured. Babur declared the war against Rana Sanga to be a jihad and adopted the title of Ghazi after the victory.
- Statement 3 is Correct: Battle of Chanderi (c.1528 CE): This battle was fought between Babur and Medini Rai, the Rajput ruler of Malwa. In spite of the great valour with which the Rajputs fought, Babur faced little difficulty in overcoming Medini Rai. With his defeat, resistance across Rajputana Was completely shattered. Babur had to, however, cut short his plan of further campaigns in the area due to growing.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

28. उत्तर डी
- कथन 1 गलत है: अमात्य/मजूमदार महालेखाकार थे। पेशवा या पंत प्रधान, जो वित्त और सामान्य प्रशासन की देखभाल करते थे। बाद में, पेशवा का कार्यालय अधिक शक्तिशाली हो गया और प्रधान मंत्री के रूप में अधिक कार्य करने लगा। इंटेलिजेंस पर काफी फोकस किया गया और एक केंद्रीकृत खुफिया विभाग बनाया गया।
- कथन 2 गलत है: शिवाजी के अधीन प्रांतीय या स्थानीय प्रशासन उनकी पूर्ण स्वदेशी प्रणाली नहीं थी। यह मुख्य रूप से दक्कनी और मुगल प्रणाली पर आधारित था। शिवाजी ने कुछ प्रांतों को पुनर्गठित किया और उनके नाम बदल दिये। प्रांतों को प्रांत कहा जाता था, जो सूबेदार के अधीन होते थे। सरसूबेदार सूबेदार के कार्यों का नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण करता था। प्रांतों के बाद टैरिफ आए, जिनका नेतृत्व एक हवलदार करता था। मौजा या गाँव प्रशासन की सबसे निचली इकाई थे। ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस अधिकारियों को फौजदार और शहरी क्षेत्रों में कोतवाल कहा जाता था।

29. उत्तर बी
- कथन 1 गलत है: पानीपत की पहली लड़ाई (1526) में बाबर ने युद्ध की रूमी (ओटोमन) पद्धति को प्रभावी ढंग से लागू किया, जिसे युद्ध की तुलगुमा प्रणाली भी कहा जाता है, जिसमें उसने इब्राहिम लोधी की सेना को दोनों तरफ से घेर लिया था। केंद्र से, उनकी घुड़सवार सेना ने विशेषज्ञ ओटोमन गनर उस्ताद अली और मुस्तफा के नेतृत्व में तीरों और बंदूक से हमला किया, जबकि खाइयों और बैरिकेड्स ने दुश्मन के मार्च के खिलाफ पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की।
- कथन 2 सही है: खानवा की लड़ाई (लगभग 1527 ई.पू., फ़तेहपुर सीकरी के पास): भारतीय इतिहास की सबसे भयंकर लड़ाइयों में से एक, बाबर और मेवाड़ के राणा सांगा और उसके सहयोगियों के बीच लड़ी गई। राणा सांगा की हार हुई और दिल्ली-आगरा क्षेत्र में बाबर की स्थिति सुरक्षित हो गई। बाबर ने राणा सांगा के विरुद्ध युद्ध को जिहाद घोषित कर दिया और विजय के बाद गाजी की उपाधि धारण की।
- कथन 3 सही है: चंदेरी की लड़ाई (लगभग 1528 ई.): यह लड़ाई बाबर और मालवा के राजपूत शासक मेदिनी राय के बीच लड़ी गई थी। राजपूतों द्वारा लड़ी गई महान वीरता के बावजूद, बाबर को मेदिनी राय पर काबू पाने में थोड़ी कठिनाई का सामना करना पड़ा। उनकी हार के साथ, राजपूताना भर में प्रतिरोध पूरी तरह से बिखर गया था। हालाँकि, बढ़ती ताकतों के कारण बाबर को क्षेत्र में आगे के अभियानों की अपनी योजना में कटौती करनी पड़ी।

30. Answer B
- Statement 1 is correct - In the later period, Akbar, the Mughal emperor, appreciated Sufi doctrines which shaped his religious outlook and religious policies. Akbar's Sulh-i kul or "universal peace'' idea of tolerance and religion called Din Ilahi or Divine Faith were influenced by Sufism.
- Statement 2 is incorrect - Sufism was a liberal reform movement within Islam. Sufism stressed the elements of love and devotion as effective means of the realisation of God. Love of God meant love of humanity and so the Sufis believed service to humanity was tantamount to service to God.
- Statement 3 is correct - According to them one must have the guidance of a pir or guru, without which spiritual development is impossible. Other ideas emphasised by Sufism are meditation, good actions, repentance for sins, performance of prayers and pilgrimages, fasting, charity and suppression of passions by ascetic practices.

31. Answer D
- Statements 1 and 2 are correct: Malik Muhammad Jaisi was a Sufi poet during the Bhakti Movement. He wrote the famous epic Padmavat in Awadhi language. The poem narrates that a princess of unparalleled beauty called Padmini lived in the kingdom of Simhaladvipa, now Sri Lanka. Enamoured by her beauty, King Ratansen of Chittor was engulfed with the passion to acquire her and overcame a large number of adventurous obstacles to make her his queen.
- statement 3 is not correct: He was not a contemporary of AlauddinKhilji because Padmavat was written around 1540 and AlauddinKhilji died in 1316. According to the poem, Padmavati was born in 1540 which is 224 years after Khalji's death as per historical records.
- Khalji defeated the Rana of Chittor in 1303 and died in 1316, but no one by the name Padmini or Padmavati existed then. There are just two historical facts relevant to the story - i) Khalji's attack on Chittor, ii) Ratan Sen's defeat.

30. उत्तर बी
- कथन 1 सही है - बाद के काल में, मुगल सम्राट अकबर ने सूफी सिद्धांतों की सराहना की जिसने उनके धार्मिक दृष्टिकोण और धार्मिक नीतियों को आकार दिया। अकबर का सुलह-ए कुल या "सार्वभौमिक शांति" का सहिष्णुता का विचार और दीन इलाही या ईश्वरीय आस्था नामक धर्म सूफीवाद से प्रभावित थे।
- कथन 2 गलत है - सूफीवाद इस्लाम के भीतर एक उदार सुधार आंदोलन था। सूफीवाद ने ईश्वर की प्राप्ति के प्रभावी साधन के रूप में प्रेम और भक्ति के तत्वों पर जोर दिया। ईश्वर के प्रेम का अर्थ मानवता से प्रेम है और इसलिए सूफियों का मानना था कि मानवता की सेवा ईश्वर की सेवा के समान है।
- कथन 3 सही है - उनके अनुसार किसी को पीर या गुरु का मार्गदर्शन होना चाहिए, जिसके बिना आध्यात्मिक विकास असंभव है। सूफीवाद द्वारा जोर दिए गए अन्य विचार हैं ध्यान, अच्छे कार्य, पापों के लिए पश्चाताप, प्रार्थना और तीर्थयात्रा करना, उपवास, दान और तपस्वी प्रथाओं द्वारा जुनून का दमन।

31. उत्तर डी
- कथन 1 और 2 सही हैं: मलिक मुहम्मद जायसी भक्ति आंदोलन के दौरान एक सूफी कवि थे। उन्होंने प्रसिद्ध महाकाव्य पद्मावत अवधी भाषा में लिखा। कविता बताती है कि पद्मिनी नामक अद्वितीय सौंदर्य की राजकुमारी सिंहलद्वीप, जो अब श्रीलंका है, के राज्य में रहती थी। उसकी सुंदरता पर मोहित होकर चित्तौड़ के राजा रतनसेन उसे पाने के जुनून में डूब गए और बड़ी संख्या में साहसिक बाधाओं को पार करते हुए उसे अपनी रानी बनाया।
- कथन 3 सही नहीं है: वह अलाउद्दीन खिलजी का समकालीन नहीं था क्योंकि पद्मावत 1540 के आसपास लिखी गई थी और अलाउद्दीन खिलजी की मृत्यु 1316 में हुई थी। कविता के अनुसार, पद्मावती का जन्म 1540 में हुआ था जो कि ऐतिहासिक रिकॉर्ड के अनुसार खिलजी की मृत्यु के 224 साल बाद है।
- खिलजी ने 1303 में चित्तौड़ के राणा को हराया और 1316 में उसकी मृत्यु हो गई, लेकिन उस समय पद्मिनी या पद्मावती नाम की कोई महिला अस्तित्व में नहीं थी। कहानी से संबंधित केवल दो ऐतिहासिक तथ्य हैं - i) चित्तौड़ पर खिलजी का हमला, ii) रतन सेन की हार।

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

32. Answer B

- The term Bhakti literally means devotion or passionate love for God. It was a religious reform movement during medieval times which emphasized single-minded intense devotion to God. It was initiated by Shaiva Nayanars & Vaishnavite Alwars in south India, later spread to all regions. It was based on the following features:

o Supported monotheism.
o Guru as preceptors and guides.
o Unity of God or one God though known by different names.
o Condemnation of rituals, ceremonies and blind faith.
o Rejection of idol worship.
o Surrender of oneself to God.
o Emphasized both Nirguna and Saguna bhakti.
o Salvation through Bhakti.
o Open-mindedness about religious matters.
o Rejected castes distinctions & believed in equality of all humans.
o Rebelled against the upper caste's domination and the Sanskrit language.
o Use of local or regional languages for Preachin

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

32. उत्तर बी

- भक्ति शब्द का शाब्दिक अर्थ ईश्वर के प्रति भक्ति या भावुक प्रेम है। यह मध्यकाल के दौरान एक धार्मिक सुधार आंदोलन था जिसने ईश्वर के प्रति एकनिष्ठ गहन भक्ति पर जोर दिया। इसकी शुरुआत दक्षिण भारत में शैव नयनारों और वैष्णव अलवरों द्वारा की गई, जो बाद में सभी क्षेत्रों में फैल गई। यह निम्नलिखित विशेषताओं पर आधारित था:

o एकेश्वरवाद का समर्थन किया।

o गुरु उपदेशक और मार्गदर्शक के रूप में।

o ईश्वर की एकता या एक ईश्वर यद्यपि विभिन्न नामों से जाना जाता है।

o कर्मकांडों, अनुष्ठानों और अंध विश्वास की निंदा।

o मूर्ति पूजा का खंडन।

o स्वयं को ईश्वर के प्रति समर्पित कर देना।

o निर्गुण और सगुण भक्ति दोनों पर जोर दिया।

o भक्ति से मुक्ति।

o धार्मिक मामलों के बारे में खुले विचारों वाला होना।

o जाति भेद को अस्वीकार किया और सभी मनुष्यों की समानता में विश्वास किया।

o उच्च जाति के वर्चस्व और संस्कृत भाषा के खिलाफ विद्रोह किया।

o उपदेश के लिए स्थानीय या क्षेत्रीय भाषाओं का उपयोग

33. Answer D

- Statement 1 is incorrect - The Pandya rulers created a number of irrigation sources and as a result agriculture flourished during the Pandyan times. The trade activities also flourished immensely. They exempted traders from various kinds of port dues and tolls. Kayal was their great port. Marco Polo, the famous traveller from Venice, visited Kayal twice, in 1288 and in 1293. He tells us that this port town was full of ships from Arabia and China and bustling with business activities.
- Statement 2 is incorrect - The Delhi Sultanate ruler Allaudin Khilji, sent his general Malik Kafur to the Southernmost Kingdoms. He invaded the Pandyan Kingdom. He plundered the city of Madurai. The Madurai temple was desecrated and an enormous amount of wealth was looted. After Malik Kafur's invasion, the Pandyan kingdom came to be divided among a number of the main rulers in the Pandya's family.
- Statement 3 is incorrect - Cholas undertook measures to improve the irrigation system. For the periodical or seasonal maintenance and repair of irrigation works, conscripted labour was used. Village assemblies under the Cholas collected a tax called eriayam, which was utilised for repairing irrigation tanks.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

33. उत्तर डी

- कथन 1 गलत है - पांड्य शासकों ने कई सिंचाई स्रोतों का निर्माण किया और परिणामस्वरूप पांड्य काल के दौरान कृषि का विकास हुआ। व्यापारिक गतिविधियाँ भी खूब फली-फूलीं। उन्होंने व्यापारियों को विभिन्न प्रकार के बंदरगाह बकाया और टोल से छूट दी। कायल उनका महान बंदरगाह था। वेनिस के प्रसिद्ध यात्री मार्को पोलो ने 1288 और 1293 में दो बार कायल का दौरा किया था। वह हमें बताते हैं कि यह बंदरगाह शहर अरब और चीन के जहाजों से भरा हुआ था और व्यापारिक गतिविधियों से भरा हुआ था।
- कथन 2 गलत है - दिल्ली सल्तनत के शासक अलाउद्दीन खिलजी ने अपने सेनापति मलिक काफूर को सबसे दक्षिणी राज्यों में भेजा। उसने पांडियन साम्राज्य पर आक्रमण किया। उसने मदुरै शहर को लूटा। मदुरै मंदिर को अपवित्र कर दिया गया और भारी मात्रा में धन लूट लिया गया। मलिक काफूर के आक्रमण के बाद, पांड्य साम्राज्य पांड्य परिवार के कई प्रमुख शासकों के बीच विभाजित हो गया।
- कथन 3 गलत है - चोलों ने सिंचाई प्रणाली में सुधार के लिए उपाय किए। सिंचाई कार्यों के आवधिक या मौसमी रखरखाव और मरम्मत के लिए नियुक्त श्रमिकों का उपयोग किया जाता था। चोलों के अधीन ग्राम सभाएँ इरियायम नामक कर एकत्र करती थीं, जिसका उपयोग सिंचाई टैंकों की मरम्मत के लिए किया जाता था।

34. Answer A

- Statement 1 is correct : Mahmud's invasion of India commenced in 1000 AD, when he captured some forts near Laghman (modern day Jalalabad, a city in Afghanistan). Apart from this, Lamghan is also famous Aramaic Inscriptions; it is an inscription on a slab of natural rock written in Aramaic by the Indian emperor Ahsoka around 260 BCE, and often categorized as one of the minor rock edicts of Ashoka.
- Statement 2 is correct : The invasions of Mahmud was invariably during the dry part of the year because the onset of monsoon will lead to the filling of the rivers of Punjab, thus creating hindrance for his troops and cargo which was loaded with the plunderings made in India.
- Statement 3 is correct : The Hindu Shahi dynasty ruling the territory around the Hindu Kush mountains was the first to come in conflict with the Ghaznavids. They were also known as Kabul Shahis and ruled the kabul valley, Gandhara (Pakistan) and North West India during 850-1026 AD. The rulers of the dynasty like Lalliya(Founder of the Hindu Shahi dynasty), Kamala toramana, Bhimadeva, Jaipala, Anadapala offered resistance to the Ghaznavids initially but later succumbed to them after repeated attacks. From 1000 AD until 1025 AD Mahmud launched a total of 17 campaigns and captured places as far distant as Kannauj and Saurashtra and returned back each time with greater volume of plundered booty.
- Statement 4 is incorrect : Mahmud defeated most of the Indian kingdoms that came along his path of plundering India, he did not hesitate to mete out the same treatment to the Muslim ruler of Multan, whose territory blocked the path of Mahmud.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

34. उत्तर ए

- कथन 1 सही है: महमूद का भारत पर आक्रमण 1000 ईस्वी में शुरू हुआ, जब उसने लघमान (आधुनिक जलालाबाद, अफगानिस्तान का एक शहर) के पास कुछ किलों पर कब्जा कर लिया। इसके अलावा लमघान में अरामी शिलालेख भी प्रसिद्ध है; यह 260 ईसा पूर्व के आसपास भारतीय सम्राट अहसोक द्वारा अरामी भाषा में लिखी गई प्राकृतिक चट्टान के एक स्लैब पर एक शिलालेख है, और इसे अक्सर अशोक के छोटे शिलालेखों में से एक के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।
- कथन 2 सही है: महमूद का आक्रमण हमेशा वर्ष के शुष्क भाग के दौरान होता था क्योंकि मानसून की शुरुआत से पंजाब की नदियाँ भर जाती थीं, जिससे उसके सैनिकों और माल के लिए बाधा उत्पन्न होती थी जो कि लूट के माल से भरा हुआ था।
- कथन 3 सही है: हिंदू कुश पहाड़ों के आसपास के क्षेत्र पर शासन करने वाला हिंदू शाही राजवंश सबसे पहले गजनवियों के साथ संघर्ष में आया था। उन्हें काबुल शाही के नाम से भी जाना जाता था और उन्होंने 850-1026 ईस्वी के दौरान काबुल घाटी, गांधार (पाकिस्तान) और उत्तर पश्चिम भारत पर शासन किया था। लल्लिया (हिंदू शाही राजवंश के संस्थापक), कमला तोरमाण, भीमदेव, जयपाल, अनादपाल जैसे राजवंश के शासकों ने शुरू में गजनवीडों का प्रतिरोध किया, लेकिन बाद में बार-बार हमलों के बाद उन्होंने उनके सामने घुटने टेक दिए। 1000 ईस्वी से 1025 ईस्वी तक महमूद ने कुल 17 अभियान चलाए और कन्नौज और सौराष्ट्र जैसे सुदूर स्थानों पर कब्ज़ा कर लिया और हर बार अधिक मात्रा में लूटी हुई लूट के साथ वापस लौटा।
- कथन 4 गलत है: महमूद ने भारत को लूटने के रास्ते में आने वाले अधिकांश भारतीय राज्यों को हराया, उसने मुल्तान के मुस्लिम शासक के साथ भी वही व्यवहार करने में संकोच नहीं किया, जिसके क्षेत्र ने महमूद का रास्ता रोक दिया था।

35. Answer A
- Statement 1 is correct: Mahmud's deeds became legendary. They were memorized and passed down through generations, he became admirers of many due to the reason for his pillage, plunder and murdering policy of heretics and infidels. In the 14th century, two Sunni authors, Barani and Isami- writing in Delhi and in the Deccan Bahmani Kingdom, respectively- praised Mahmud as an ideal Muslim ruler because he persecuted rival Muslims sects of Shias and Ismailis, as well as non-believers.
- Statement 2 is correct: He attacked the kingdom of Multan twice, it was ruled by a muslim ruler named Daud, who was an Ismaili(rival muslim sect). In this subsequent onslaught on Multan, he killed many local muslims because they had not kept their promise of returning to orthodox Islam.
- Statement 3 is incorrect: Mahmud was extremely generous to only those poets who composed glowing eulogies on him. He did not appreciate other learned men, for instance Firdausi was not adequately paid for his work (Shah Namah) and Al- Beruni was taken captive after the fall of Khwarazm Shah in 1017.

36. Answer C
- Statement 1 is correct: Mahmud's astounding military success was not entirely due to his skills, army or valour. The political situation was very ripe for an invader during the onset of the 11th century. The power struggle between the North, Central and Eastern rulers resulted in the weakening of all of them. It had sapped the vitality and strength of the Gurjara Pratiharas and no formidable power had arisen in the early 11th century in Northern India to take their place in defending the Northern plain from an invader.
- Statement 2 is correct: The greatest and the most powerful dynasty of India at that time was the Cholas, but they were so deep down the southern part of India that they hardly took a note of it and did not consider the incursions of Mahmud of Ghazni as a threat.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

35. उत्तर ए
- कथन 1 सही है: महमूद के कार्य प्रसिद्ध हो गए। उन्हें कंठस्थ कर लिया गया और पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाया गया, विधर्मियों और काफिरों की लूट-पाट और हत्या की नीति के कारण वह कई लोगों के प्रशंसक बन गए। 14वीं शताब्दी में, दो सुन्नी लेखकों, बरनी और इसामी ने क्रमशः दिल्ली और दक्कन बहमनी साम्राज्य में लिखते हुए, एक आदर्श मुस्लिम शासक के रूप में महमूद की प्रशंसा की क्योंकि उसने शिया और इस्माइलियों के प्रतिद्वंद्वी मुस्लिम संप्रदायों के साथ-साथ गैर-विश्वासियों को भी सताया था।
- कथन 2 सही है: उसने मुल्तान राज्य पर दो बार हमला किया, उस पर दाउद नाम के एक मुस्लिम शासक का शासन था, जो इस्माइली (प्रतिद्वंद्वी मुस्लिम संप्रदाय) था। मुल्तान पर इसके बाद के हमले में, उसने कई स्थानीय मुसलमानों को मार डाला क्योंकि उन्होंने रूढ़िवादी इस्लाम में लौटने का अपना वादा नहीं निभाया था।
- कथन 3 ग़लत है: महमूद केवल उन कवियों के प्रति अत्यंत उदार था जिन्होंने उसकी प्रशस्त स्तुतियाँ लिखीं। वह अन्य विद्वानों की सराहना नहीं करता था, उदाहरण के लिए फिरदौसी को उसके काम (शाह नमः) के लिए पर्याप्त भुगतान नहीं किया गया था और 1017 में ख्वारज़्म शाह के पतन के बाद अल-बरूनी को बंदी बना लिया गया था।

36. उत्तर सी
- कथन 1 सही है: महमूद की आश्चर्यजनक सैन्य सफलता पूरी तरह से उसके कौशल, सेना या वीरता के कारण नहीं थी। 11वीं शताब्दी की शुरुआत के दौरान एक आक्रमणकारी के लिए राजनीतिक स्थिति बहुत उपयुक्त थी। उत्तर, मध्य और पूर्वी शासकों के बीच सत्ता संघर्ष के परिणामस्वरूप वे सभी कमजोर हो गए। इसने गुर्जर प्रतिहारों की जीवटता और ताकत को खत्म कर दिया था और 11वीं सदी की शुरुआत में उत्तरी भारत में किसी आक्रमणकारी से उत्तरी मैदान की रक्षा करने के लिए उनकी जगह लेने के लिए कोई दुर्जेय शक्ति पैदा नहीं हुई थी।
- कथन 2 सही है: उस समय भारत का सबसे महान और सबसे शक्तिशाली राजवंश चोल थे, लेकिन वे भारत के दक्षिणी भाग में इतने गहराई तक थे कि उन्होंने शायद ही इस पर ध्यान दिया और महमूद गजनी के आक्रमण पर विचार नहीं किया।

37. Answer C
- In 1205 AD, Ghori while entering India came across stiff resistance from the Khokar tribe of Punjab region, but he defeated them. Khokhar tribes were warrior tribes, good at fighting and in 1206 when Ghori after his brief stay in India was returning to Ghanzi was killed by the Khokhars in Dhamyak district near Jhelum river (Modern day Pakistan).

38. Answer D
- Statement 1 is correct : The Delhi Sultanate had its origins in the victories of Muhammad Ghori, he defeated Prithviraj Chauhan in 1192 AD thus establishing a firm control over north India. When Muhammad Ghori died in 1206 AD, his trusted general, Qutubuddin Aibak declared an independent dynasty in Delhi which was known as the Mamluk dynasty and was the first in a series that became collectively known as Delhi Sultanate.
- Statement 2 is incorrect : The Delhi Sultanate consisted of five short lived dynasties of the Sultanate based in Delhi. The first three (Mameluk, Khalji and Tughlaq) of which were of Turkish origin, the fourth was the Sayyid dynasty (Multan), and the last was the Lodhi dynasty, which was of Afghan origin.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations
RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

37. उत्तर सी
1205 ई. में गोरी को भारत में प्रवेश करते समय पंजाब क्षेत्र की खोकर जनजाति से कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ा, लेकिन उसने उन्हें हरा दिया। खोखर जनजातियाँ योद्धा जनजातियाँ थीं, जो लड़ने में अच्छी थीं और 1206 में जब गोरी भारत में अपने थोड़े समय के प्रवास के बाद घांजी लौट रहा था, तो झेलम नदी (आधुनिक पाकिस्तान) के पास धम्यक जिले में खोखरों ने उसे मार डाला।

38. उत्तर डी
- कथन 1 सही है: दिल्ली सल्तनत की उत्पत्ति मुहम्मद गोरी की जीत में हुई थी, उन्होंने 1192 ईस्वी में पृथ्वीराज चौहान को हराया और इस प्रकार उत्तर भारत पर एक मजबूत नियंत्रण स्थापित किया। जब 1206 ई. में मुहम्मद गोरी की मृत्यु हुई, तो उसके विश्वसनीय वंश, कुतुबुद्दीन ऐबक ने दिल्ली में एक स्वतंत्र राजवंश की घोषणा की, जिसे मामलुक राजवंश के रूप में जाना जाता था और यह उस श्रृंखला में पहला राजवंश था जिसे सामूहिक रूप से दिल्ली सल्तनत के रूप में जाना जाता था।
- कथन 2 गलत है: दिल्ली सल्तनत में दिल्ली स्थित सल्तनत के पांच अल्पकालिक राजवंश शामिल थे। इनमें से पहले तीन (मामेलुक, खिलजी और तुगलक) तुर्की मूल के थे, चौथा सैय्यद वंश (मुल्तान) था, और अंतिम लोधी वंश था, जो अफगान मूल का था।

39. Answer A

- Statement 1 is correct: He was not prepared to share power with anyone, not even his family members. He even poisoned his own cousin Sher Khan to achieve this objective. Balban was determined to finally squash the power of the chahalgani (group of 40 Turkish nobles) and to exalt the power and prestige of the monarchy. He was respectful of the ulema but did not let them interfere in state affairs.
- Statement 2 is correct: In order to win the confidence of the public, he administered justice with extreme impartiality. Not even the highest nobility in the land were spared if they transgressed his authority. Instances of awarding exemplary punishment to his nobles like, the father of the Governor of Awadh and Badaun for cruelty to their personal slaves are there. To keep himself well informed, he appointed spies in every department.
- Statement 3 is incorrect: Balban did not go for fresh conquests (except one in Bengal: Tughrill episode-Balban's slave and Governor of Bengal rebelled against him). He recognized the internal dangers from the rebellions of the nobles that he suppressed and the external dangers from the Mongols. He created a separate military department called diwan-i-arz and maintained a strong centralized army. When most of the Muslim states had disappeared in the face of Mongol onslaught, the Sultanate of Delhi stood out almost alone as the champions of Islam.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

39. उत्तर ए

- कथन 1 सही है: वह किसी के साथ सत्ता साझा करने के लिए तैयार नहीं थे, यहां तक कि अपने परिवार के सदस्यों के साथ भी नहीं। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए उसने अपने चचेरे भाई शेर खान को भी जहर दे दिया। बलबन अंततः चहलगानी (40 तुर्की अमीरों का समूह) की शक्ति को कुचलने और राजशाही की शक्ति और प्रतिष्ठा को बढ़ाने के लिए दृढ़ था। वह उलेमाओं का सम्मान करते थे लेकिन उन्हें राज्य के मामलों में हस्तक्षेप नहीं करने देते थे।
- कथन 2 सही है: जनता का विश्वास जीतने के लिए, उन्होंने अत्यधिक निष्पक्षता के साथ न्याय किया। यदि उन्होंने उसके अधिकार का उल्लंघन किया तो देश के सर्वोच्च कुलीनों को भी नहीं बख्शा गया। अपने सरदारों जैसे अवध और बदायूँ के गवर्नर के पिता को अपने निजी दासों के प्रति क्रूरता के लिए अनुकरणीय दंड देने के उदाहरण मौजूद हैं। स्वयं को अच्छी तरह से सूचित रखने के लिए उसने प्रत्येक विभाग में गुप्तचर नियुक्त किये।
- कथन 3 गलत है: बलबन नई विजय के लिए नहीं गया था (बंगाल में एक को छोड़कर: तुगरिल प्रकरण- बलबन के गुलाम और बंगाल के गवर्नर ने उसके खिलाफ विद्रोह किया था)। उसने अमीरों के विद्रोहों से आंतरिक खतरों को पहचाना जिन्हें उसने दबा दिया था और मंगोलों से बाहरी खतरों को पहचाना। उन्होंने दीवान-ए-अर्ज नामक एक अलग सैन्य विभाग बनाया और एक मजबूत केंद्रीकृत सेना बनाए रखी। जब मंगोल आक्रमण के सामने अधिकांश मुस्लिम राज्य गायब हो गए थे, तब दिल्ली की सल्तनत इस्लाम के चैंपियन के रूप में लगभग अकेली खड़ी थी।

40. Answer D

- Statement 1 is incorrect: Firoz Shah Tughlaq made the iqtadari system hereditary. He made a rule that whenever a noble a died, his son should be allowed to succeed to his position, including this iqta, and if he had no son, his son in law and in his absence, his slave. He followed a lenient approach towards the nobles in case of revenue collection mismatch unlike his predecessors. These steps pleased the nobles and were a major factor for the absence of rebellions by the nobles during his time.
- Statement 2 is incorrect: It was established by Muhammad Bin Tughlaq to extend and improve the cultivation in the doab. Under this the area was divided into development blocks headed by an official whose job was to extend cultivation by giving loans to the cultivators and to induce them to cultivate superior crops –wheat in place of barley, grapes and dates in place of sugarcane etc. Policy of extending and improving cultivation was taken up by Firoz Shah Tughlak and later on to a larger scale by Akbar.
- Statement 3 is correct: During his reign Jizya became a separate tax, earlier it was part of the land revenue. He refused to exempt the Brahmins from the payment of jizya, since it was mentioned in the sharia law. Only women,children, disabled and the indigent who had no means of livelihood were exempt from it. He tried to ban practices which the orthodox theologians believed to be un-Islamic, he prohibited muslim women going out to worship at the graves of the saints.
- Statement 4 is correct: After his accession, Firoz Shah Tughlaq was faced with the problem of preventing the imminent break up of the Delhi Sultanate. He adopted a policy of trying to appease the nobles, the army and the theologians and asserted his authority only over such areas which could be easily administered from Delhi. He therefore made no attempt to reassert his authority over South India and Deccan. He led two campaigns into Bengal, but was unsuccessful in both and resulted in the loss of Bengal.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

40. उत्तर डी

- कथन 1 गलत है: फ़िरोज़ शाह तुगलक ने इक्तादारी प्रणाली को वंशानुगत बना दिया। उन्होंने एक नियम बनाया कि जब भी कोई कुलीन मर जाता है, तो उसके बेटे को इस इक्ता सहित उसके पद पर उत्तराधिकारी होने की अनुमति दी जानी चाहिए, और यदि उसके कोई बेटा नहीं है, तो उसके दामाद को और उसकी अनुपस्थिति में उसके दास को, उत्तराधिकारी बनने की अनुमति दी जानी चाहिए। उन्होंने अपने पूर्ववर्तियों के विपरीत, राजस्व संग्रह के बेमेल होने की स्थिति में अमीरों के प्रति उदार दृष्टिकोण अपनाया। ये कदम रईसों को प्रसन्न करते थे और उनके समय के दौरान रईसों द्वारा विद्रोह की अनुपस्थिति का एक प्रमुख कारक थे।
- कथन 2 गलत है: इसकी स्थापना मुहम्मद बिन तुगलक ने दोआब में खेती को बढ़ाने और सुधारने के लिए की थी। इसके तहत क्षेत्र को एक अधिकारी की अध्यक्षता में विकास खंडों में विभाजित किया गया था, जिसका काम किसानों को ऋण देकर खेती का विस्तार करना और उन्हें बेहतर फसलों - जौ के स्थान पर गेहूं, गन्ने के स्थान पर अंगूर और खजूर आदि की खेती के लिए प्रेरित करना था। नीति खेती के विस्तार और सुधार का कार्य फ़िरोज़ शाह तुगलक द्वारा और बाद में अकबर द्वारा बड़े पैमाने पर किया गया
- कथन 3 सही है: उनके शासनकाल के दौरान जजिया एक अलग कर बन गया, पहले यह भू-राजस्व का हिस्सा था। उन्होंने ब्राह्मणों को जजिया के भुगतान से छूट देने से इनकार कर दिया, क्योंकि इसका उल्लेख शरिया कानून में किया गया था। केवल महिलाएं, बच्चे, विकलांग और गरीब लोग जिनके पास आजीविका का कोई साधन नहीं था, उन्हें इससे छूट थी। उन्होंने उन प्रथाओं पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की जिन्हें रूढ़िवादी धर्मशास्त्री गैर-इस्लामिक मानते थे, उन्होंने मुस्लिम महिलाओं को संतों की कब्रों पर पूजा करने के लिए जाने पर रोक लगा दी।
- कथन 4 सही है: अपने राज्यारोहण के बाद, फ़िरोज़ शाह तुगलक को दिल्ली सल्तनत के आसन्न विघटन को रोकने की समस्या का सामना करना पड़ा। उसने अमीरों, सेना और धर्मशास्त्रियों को खुश करने की नीति अपनाई और केवल ऐसे क्षेत्रों पर अपना अधिकार जताया, जिन्हें दिल्ली से आसानी से प्रशासित किया जा सकता था। इसलिए उसने दक्षिण भारत और दक्कन पर अपना अधिकार पुनः स्थापित करने का कोई प्रयास नहीं किया। उन्होंने बंगाल में दो अभियानों का नेतृत्व किया, लेकिन दोनों में असफल रहे और परिणामस्वरूप बंगाल की हार हुई

41. Answer A

- Statement 1 is correct: Alauddin sought to fix the cost of all commodities from food grains, sugar and cooking oil to needle, and from costly imported cloth to horses, cattles and slave boys and girls. Regulation of prices, especially food grains, was a constant concern of medieval rulers, because without the supply of cheap food grains to the towns, they could not hope to enjoy the support of the citizens and the army stationed there for fear of any foreign invasion.
- Statement 2 is correct: Alauddin set up three markets at Delhi, one market for food grains, the second for costly cloth and the third for horses, cattles and slaves. Each market was under the control of a high officer called shahna who maintained a register of the merchants, and strictly controlled the shopkeepers and prices. Spies were employed who reported to the sultan on the state of affairs in the market. By these measures Alauddin was able to put an end to smuggling, hoarding, black marketing and speculation.
- Statement 3 is incorrect: The Mongol invasions of Delhi had pinpointed the need to raise a large army to check them, but such an army would exhaust the royal treasure unless the state could lower the prices of the daily commodities and hence lower their salaries. To realize this objective, Alauddin declared that the land revenue in the doab region would be paid directly to the state, that is the villagers in the area would not be assigned in iqta to anyone and the land revenue was increased to half of the produce.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

41. उत्तर ए

- कथन 1 सही है: अलाउद्दीन ने खाद्यान्न, चीनी और खाना पकाने के तेल से लेकर सुई तक और महंगे आयातित कपड़े से लेकर घोड़ों, मवेशियों और दास लड़कों और लड़कियों तक सभी वस्तुओं की कीमत तय करने की मांग की। कीमतों का विनियमन, विशेष रूप से खाद्यान्न, मध्ययुगीन शासकों की निरंतर चिंता थी, क्योंकि कस्बों को सस्ते खाद्यान्न की आपूर्ति के बिना, वे किसी भी विदेशी आक्रमण के डर से नागरिकों और वहां तैनात सेना के समर्थन का आनंद लेने की उम्मीद नहीं कर सकते थे। .
- कथन 2 सही है: अलाउद्दीन ने दिल्ली में तीन बाज़ार स्थापित किए, एक बाज़ार खाद्यान्न के लिए, दूसरा महंगे कपड़े के लिए और तीसरा घोड़ों, मवेशियों और दासों के लिए। प्रत्येक बाज़ार शाहना नामक एक उच्च अधिकारी के नियंत्रण में था जो व्यापारियों का एक रजिस्टर रखता था, और दुकानदारों और कीमतों पर सख्ती से नियंत्रण रखता था। जासूसों को नियुक्त किया गया जो बाज़ार की स्थिति के बारे में सुल्तान को रिपोर्ट करते थे। इन उपायों से अलाउद्दीन तस्करी, जमाखोरी, कालाबाजारी और सट्टेबाजी पर रोक लगाने में सफल रहा।
- कथन 3 गलत है: दिल्ली पर मंगोल आक्रमणों ने उन्हें रोकने के लिए एक बड़ी सेना जुटाने की आवश्यकता बताई थी, लेकिन ऐसी सेना शाही खजाने को समाप्त कर देगी जब तक कि राज्य दैनिक वस्तुओं की कीमतें कम नहीं कर सकता और इसलिए उनके वेतन कम नहीं कर सकता। इस उद्देश्य को साकार करने के लिए, अलाउद्दीन ने घोषणा की कि दोआब क्षेत्र में भू-राजस्व का भुगतान सीधे राज्य को किया जाएगा, अर्थात क्षेत्र के ग्रामीणों को किसी को भी इक्ता नहीं सौंपा जाएगा और भू-राजस्व को उपज के आधे तक बढ़ा दिया गया था।

42. Answer B
- Statement 1 is incorrect: The Hindu Shahi kingdom extended from Punjab to Kabul, and it faced the invasion of Mahmud of Ghazni in 1001 AD. Mahmud of Ghazni raided the Hindu Shahi Kingdom during the rule of Jayapala and defeated him. The successor of Jayapala, Anandapala fought against Ghazni in the Battle of Waihind in 1008 AD. Anandapala was defeated at this battle and Mahmud extended his rule to large parts of Punjab.
- Statement 2 is correct: It is believed that Mahmud of Ghazni carried out 17 raids in India and the raids were mainly aimed at looting India of its riches. It raided the Nagarkot region of Punjab Hills, Thaneshwar in Delhi, Mathura, Kannauj, Gujarat, and plundered the famous temple of Somnath after defeating the Solanki king.
- Statement 3 is correct: The Hindu Shahi kingdom suffered attacks of Mahmud of Ghazni. After the second Battle of Waihind, there was a total decline of the Hindu Shahi kingdom in 1008 AD. He defeated the rulers of Hindu Shahi, Jayapala and Anandapala who had put a strong resistance against the invasion of Mahmud.

43. Answer A
- Statement 1 is correct: Alauddin Khilji extended the rule of Khilji Dynasty as far as Madurai. He conquered the Deccan and the far areas of the South. He fought against the four great dynasties: Yadavs of Devagiri, whose ruler Ramachandra Dev submitted to Alauddin. Malik Kafur was sent by Alauddin to Warangal and defeated its ruler Pratabarudra Deva. The Hoysala ruler, Vira Ballala III was defeated by Malik Kafur. Lastly, Malik Kafur looted the Pandya Kingdom and its capital Madurai, when its ruler Vira Pandya fled Madurai.
- Statement 2 is incorrect: The Vijayanagar Kingdom was founded by Harihara and Bhukka in 1336 of Sangama Dynasty. Kumarakampana was a ruler of Sangam Dynasty who marched against the Sultans of Madurai and defeated them extending the rule of the Vijayanagar to as far as the Rameshwaram. The expedition of Kumarakampana to Madurai is described in Madhuravijayam, composed by his wife, Gangadevi.

42. उत्तर बी
- कथन 1 गलत है: हिंदू शाही साम्राज्य पंजाब से काबुल तक फैला हुआ था, और इसे 1001 ईस्वी में गजनी के महमूद के आक्रमण का सामना करना पड़ा। गजनी के महमूद ने जयपाल के शासनकाल के दौरान हिंदू शाही साम्राज्य पर हमला किया और उसे हरा दिया। जयपाल के उत्तराधिकारी, आनंदपाल ने 1008 ईस्वी में वैहिन्द की लड़ाई में गजनी के खिलाफ लड़ाई लड़ी। इस युद्ध में आनंदपाल की हार हुई और महमूद ने अपना शासन पंजाब के बड़े हिस्से तक फैला लिया।
- कथन 2 सही है: ऐसा माना जाता है कि गजनी के महमूद ने भारत में 17 छापे मारे और छापे का मुख्य उद्देश्य भारत से उसके धन को लूटना था। इसने पंजाब की पहाड़ियों के नगरकोट क्षेत्र, दिल्ली के थानेश्वर, मथुरा, कन्नौज, गुजरात पर छापा मारा और सोलंकी राजा को हराने के बाद सोमनाथ के प्रसिद्ध मंदिर को लूट लिया।
- कथन 3 सही है: हिंदू शाही साम्राज्य को महमूद गजनी के हमलों का सामना करना पड़ा। वैहिन्द की दूसरी लड़ाई के बाद 1008 ई. में हिंदू शाही साम्राज्य का पूर्ण पतन हो गया। उन्होंने हिंदू शाही, जयपाल और आनंदपाल के शासकों को हराया जिन्होंने महमूद के आक्रमण के खिलाफ मजबूत प्रतिरोध किया था।

43. उत्तर ए
- कथन 1 सही है: अलाउद्दीन खिलजी ने खिलजी राजवंश का शासन मदुरै तक बढ़ाया। उसने दक्कन और दक्षिण के सुदूर क्षेत्रों पर विजय प्राप्त की। उन्होंने चार महान राजवंशों के खिलाफ लड़ाई लड़ी: देवगिरि के यादव, जिनके शासक रामचंद्र देव ने अलाउद्दीन के सामने समर्पण कर दिया था। मलिक काफ़ूर को अलाउद्दीन ने वारंगल भेजा और वहाँ के शासक प्रतापरुद्र देव को हराया। होयसल शासक, वीरा बल्लाला III को मलिक काफूर ने हराया था। अंत में, मलिक काफूर ने पांड्य साम्राज्य और उसकी राजधानी मदुरै को लूट लिया, जब उसके शासक वीरा पांड्य मदुरै से भाग गए।
- कथन 2 गलत है: विजयनगर साम्राज्य की स्थापना 1336 में संगम राजवंश के हरिहर और भुक्का ने की थी। कुमारकम्पाना संगम राजवंश के शासक थे जिन्होंने मदुरै के सुल्तानों के खिलाफ चढ़ाई की और उन्हें हराकर विजयनगर का शासन रामेश्वरम तक फैलाया। कुमारकम्पाना के मदुरै अभियान का वर्णन उनकी पत्नी गंगादेवी द्वारा रचित मधुरविजयम में किया गया है।

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

44. Answer A
- Statement 1 is correct: Mohammed Quli Qutub Shah was the greatest ruler of the Qutub Shahi dynasty. He founded the city of Hyderabad originally known as Bhagyanagar after the name of sultan's favourite wife Bhagyamati. He also built the famous Charminar.
- Statement 2 is incorrect - Gol Gumbaz was built by Mohammed Adil Shah which is famous for its whispering gallery Construction of the tomb, located in Bijapur(Karnataka) was started in 1626 and was completed in 1656. The name is based on "Gol Gumbad" derived from "Gola Gummata" meaning "circular dome". It follows the style of Indo-Islamic architecture. Even a slight whisper by someone standing in its gallery can be heard everywhere else in the gallery, and if somebody claps, the sound of it echoes several times. It is built in dark grey basalt.

45. Answer A
- Statement 1 is correct: The Tuluva Dynasty was founded by Vira Narsimha. It was the third important dynasty to rule Vijayanagar after the Sangama and Saluva dynasty. Krishnadeva Raya was an important ruler of this dynasty. He defeated the Muslim armies in the Battle of Diwani and captured the city of Raichur in 1520 after defeating the Sultan of Bijapur, Ismail Adil Shah. He was a great patron of literature and appointed eight eminent scholars referred to as Ashtadiggajas in his court. Ashtapradhan were the council of ministers appointed by Shivaji to carry on his administration. Each minister was responsible for different departments and was responsible to Shivaji. These ministers were Peshwa (Prime Minister); Senapati (Military commander); Amatya (Accountant General); Waqenavis (Intelligence); Sachiv (correspondence); Sumanta (ceremonies); Nyayadish (Justice); and Panditrao (religious administration).
- Statement 2 is incorrect: The Battle of Talikota was fought in 1565 between the combined armies of the Bijapur, Golkonda, Ahmadnagar, and Bidar with Rama Raya of the Tuluva Dynasty who was defeated and this led to the decline of the Vijayanagara Empire.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

44. उत्तर ए
- कथन 1 सही है: मोहम्मद कुली कुतुब शाह कुतुब शाही वंश का सबसे महान शासक था। उन्होंने हैदराबाद शहर की स्थापना की, जिसे मूल रूप से सुल्तान की पसंदीदा पत्नी भाग्यमती के नाम पर भाग्यनगर के नाम से जाना जाता था। उन्होंने प्रसिद्ध चारमीनार का भी निर्माण कराया।
- कथन 2 गलत है - गोल गुम्बज का निर्माण मोहम्मद आदिल शाह द्वारा किया गया था जो अपनी फुसफुसाती गैलरी के लिए प्रसिद्ध है। बीजापुर (कर्नाटक) में स्थित मकबरे का निर्माण 1626 में शुरू हुआ था और 1656 में पूरा हुआ था। नाम "गोल गुम्बद" पर आधारित है। "गोला गुम्मटा" से लिया गया जिसका अर्थ है "गोलाकार गुंबद"। यह इंडो-इस्लामिक वास्तुकला की शैली का अनुसरण करता है। इसकी गैलरी में खड़े किसी व्यक्ति की हल्की सी फुसफुसाहट भी गैलरी में हर जगह सुनाई देती है और अगर कोई ताली बजाता है तो उसकी आवाज कई बार गूंजती है। इसे गहरे भूरे बेसाल्ट से बनाया गया है।

45. उत्तर ए
- कथन 1 सही है: तुलुवा राजवंश की स्थापना वीरा नरसिम्हा ने की थी। संगम और सालुव राजवंश के बाद विजयनगर पर शासन करने वाला यह तीसरा महत्वपूर्ण राजवंश था। कृष्णदेव राय इस वंश के एक महत्वपूर्ण शासक थे। उन्होंने दीवानी की लड़ाई में मुस्लिम सेनाओं को हराया और 1520 में बीजापुर के सुल्तान इस्माइल आदिल शाह को हराकर रायचूर शहर पर कब्जा कर लिया। वह साहित्य के महान संरक्षक थे और उन्होंने अपने दरबार में अष्टदिग्गज कहे जाने वाले आठ प्रतिष्ठित विद्वानों को नियुक्त किया था। अष्टप्रधान शिवाजी द्वारा अपने प्रशासन को चलाने के लिए नियुक्त मंत्रिपरिषद थे। प्रत्येक मंत्री अलग-अलग विभागों के लिए उत्तरदायी था और शिवाजी के प्रति उत्तरदायी था। ये मंत्री पेशवा (प्रधानमंत्री) थे; सेनापति (सैन्य कमांडर); अमात्य (महालेखाकार); वाकेनाविस (खुफिया); सचिव (पत्राचार); सुमंत (समारोह); न्यायादिश (न्याय); और पंडितराव (धार्मिक प्रशासन)।
- कथन 2 गलत है: तालीकोटा की लड़ाई 1565 में बीजापुर, गोलकुंडा, अहमदनगर और बीदर की संयुक्त सेनाओं के बीच तुलुवा राजवंश के राम राय के साथ लड़ी गई थी, जो हार गए थे और इससे विजयनगर साम्राज्य का पतन हो गया था।

46. Answer C
- Widow remarriage was also legalised. Akbar was against anyone having more than one wife unless the first wife was barren. Hence, statement 2 is correct.
- The age of marriage was raised to 14 for girls and 16 for boys. The sale of wines and spirits was restricted. Hence, statement 3 is correct.
- Not all these steps were, however, successful. Akbar was living in an age of superstition and it seems that his social reforms had only limited success.
- Akbar also revised the educational syllabus, laying more emphasis on moral education and mathematics, and on secular subjects such as- agriculture, geometry-astronomy, rules-of government, logic, history, etc. Hence, statement 1 is correct.

47. Answer A
- Sources suggest that the headman was chosen through the consensus of the village elders, and that this choice had to be ratified by the zamindar. Hence, statement 1 is NOT correct.
- Headmen held office as long as they enjoyed the confidence of the village elders, failing which they could be dismissed by them.
- The chief function of the headman was to supervise the preparation of village accounts, assisted by the accountant or patwari of the panchayat. The panchayat derived its funds from contributions made by individuals to a common financial pool. Hence, statement 2 is NOT correct.
- One important function of the panchayat was to ensure that caste boundaries among the various communities inhabiting the village were upheld.
- Panchayats also had the authority to levy fines and inflict more serious forms of punishment like expulsion from the community. The latter was a drastic step and was in most cases meted out for a limited period. Hence, statement 3 is correct.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

46. उत्तर सी
- विधवा पुनर्विवाह को भी वैध कर दिया गया। अकबर किसी के भी एक से अधिक पत्नियाँ रखने के ख़िलाफ़ था जब तक कि पहली पत्नी बांझ न हो। अतः, कथन 2 सही है।
- विवाह की आयु लड़कियों के लिए 14 वर्ष और लड़कों के लिए 16 वर्ष कर दी गई। वाइन और स्प्रिट की बिक्री प्रतिबंधित थी। अतः, कथन 3 सही है।
- हालाँकि, ये सभी कदम सफल नहीं थे। अकबर अंधविश्वास के युग में जी रहा था और ऐसा लगता है कि उसके सामाजिक सुधारों को केवल सीमित सफलता मिली थी।
- अकबर ने शैक्षिक पाठ्यक्रम को भी संशोधित किया, जिसमें नैतिक शिक्षा और गणित और धर्मनिरपेक्ष विषयों जैसे-कृषि, ज्यामिति-खगोल विज्ञान, सरकार के नियम, तर्क, इतिहास आदि पर अधिक जोर दिया गया। इसलिए, कथन 1 सही है।

47. उत्तर ए
- सूत्रों का कहना है कि मुखिया का चयन गांव के बुजुर्गों की आम सहमति से किया जाता था और इस विकल्प को जमींदार द्वारा अनुमोदित किया जाना था। इसलिए, कथन 1 सही नहीं है।
- मुखिया तब तक अपने पद पर बने रहते थे जब तक उन्हें गाँव के बुजुर्गों का विश्वास प्राप्त था, ऐसा न करने पर उन्हें उनके द्वारा बर्खास्त किया जा सकता था।
- मुखिया का मुख्य कार्य गाँव के खातों की तैयारी की निगरानी करना था, जिसकी सहायता पंचायत के लेखाकार या पटवारी करते थे। पंचायत को अपना धन एक सामान्य वित्तीय पूल में व्यक्तियों द्वारा किए गए योगदान से प्राप्त होता था। इसलिए, कथन 2 सही नहीं है।
- पंचायत का एक महत्वपूर्ण कार्य यह सुनिश्चित करना था कि गाँव में रहने वाले विभिन्न समुदायों के बीच जाति सीमाएँ बरकरार रहें।
- पंचायतों को जुर्माना लगाने और समुदाय से निष्कासन जैसे अधिक गंभीर प्रकार की सज़ा देने का भी अधिकार था। उत्तरार्द्ध एक कठोर कदम था और ज्यादातर मामलों में इसे सीमित अवधि के लिए लागू किया गया था। अतः, कथन 3 सही है।

48. Answer B
- Alauddin Khalji established four separate markets in Delhi, one for grain; another for cloth, sugar, dried fruits, butter and oil; a third for horses, slaves and cattle; and a fourth for miscellaneous commodities. Regulations were issued to fix the price of all commodities. Hence, statement 1 is correct.
- Alauddin Khalji took important steps in the land revenue administration.
- He was the first Sultan of Delhi who ordered for the measurement of land.
- Even the big landlords could not escape from paying land tax.
- Land revenue was collected in cash in order to enable the Sultan to pay the soldiers in cash. His land revenue reforms provided a basis for the future reforms of Sher Shah and Akbar. Hence, statement 3 is NOT correct.
- His land revenue reforms provided a basis for the future reforms of Sher Shah and Akbar.
- He also built a famous gateway known as Alai Darwazaand constructed a new capital at Siri. Hence, statement 2 is correct.

49. Answer D
Official Language of Mughal Administration:

- The Mughals, while choosing the official language of India, had a few options like Arabic, Turkish, Persian or any Indian language. But the Mughals chose Persian language. Due to following reasons:
- The selection of the Arabic language might have shown some kind of allegiance to the Caliph. So this language was not selected.
- Turkish language was not as developed as Persian and was also completely new to the Indians.
- Turkish was the mother tongue of Mughals. Babur wrote poetry and his memoirs in this language.
- The selection of any Indian language might have diminished the symbol of the establishment of a new rule in India.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

48. उत्तर बी
- अलाउद्दीन खिलजी ने दिल्ली में चार अलग-अलग बाज़ार स्थापित किए, एक अनाज के लिए; दूसरा कपड़ा, चीनी, सूखे मेवे, मक्खन और तेल के लिए; घोड़ों, दासों और मवेशियों के लिए एक तिहाई; और चौथा विविध वस्तुओं के लिए। सभी वस्तुओं की कीमत तय करने के लिए नियम जारी किए गए। अतः, कथन 1 सही है।
- अलाउद्दीन खिलजी ने भू-राजस्व प्रशासन में महत्वपूर्ण कदम उठाए।
- वह दिल्ली का पहला सुल्तान था जिसने भूमि की माप का आदेश दिया था।
- यहाँ तक कि बड़े-बड़े जमींदार भी भूमि कर देने से बच नहीं पाते थे।
- सुल्तान सैनिकों को नकद भुगतान करने में सक्षम बनाने के लिए भूमि राजस्व नकद में एकत्र किया गया था। उनके भू-राजस्व सुधारों ने शेरशाह और अकबर के भविष्य के सुधारों के लिए आधार प्रदान किया। इसलिए, कथन 3 सही नहीं है।
- उनके भू-राजस्व सुधारों ने शेरशाह और अकबर के भविष्य के सुधारों के लिए आधार प्रदान किया।
- उन्होंने अलाई दरवाजा के नाम से जाना जाने वाला एक प्रसिद्ध प्रवेश द्वार भी बनवाया और सिरी में एक नई राजधानी का निर्माण किया। अतः, कथन 2 सही है।

49. उत्तर डी
मुगल प्रशासन की आधिकारिक भाषा:

- मुगलों के पास भारत की आधिकारिक भाषा चुनते समय कुछ विकल्प थे जैसे अरबी, तुर्की, फ़ारसी या कोई भारतीय भाषा। लेकिन मुगलों ने फ़ारसी भाषा को चुना। निम्नलिखित कारणों से:
- अरबी भाषा के चयन से खलीफा के प्रति किसी प्रकार की निष्ठा का पता चलता होगा। इसलिए इस भाषा का चयन नहीं किया गया.
- तुर्की भाषा फ़ारसी जितनी विकसित नहीं थी और भारतीयों के लिए बिल्कुल नई भी थी।
- मुगलों की मातृभाषा तुर्की थी। बाबर ने इसी भाषा में कविताएँ और अपने संस्मरण लिखे।
- किसी भी भारतीय भाषा के चयन से भारत में एक नये शासन की स्थापना का प्रतीक कम हो सकता था।

50. Answer A

- Statement 1 is Correct : With the advent of Islam, new forces appeared on the Indian horizon. Strict veiling of women was the common practice among the Muslims in their native land. Naturally in a foreign country like India, greater stress was laid upon it. The Hindus adopted purdah as a protective measure. The tendency to imitate the ruling class was another factor which operated in favour of introducing purdah among the Hindu families. Seclusion thus became a sign of respect and was strictly observed among the high-class families of both communities. Barring some notable Muslim families, the south Indians did not adopt purdah. In the Vijayanagar Empire, purdah was confined only to the members of the royal household. No such coercive purdah system was observed among the Hindu middle classes.
- Statement 2 is Incorrect : Monogamy seems to have been the rule among the lower stratum of society in both communities during the medieval period. Akbar had issued definite orders that a man of ordinary means should not possess more than one wife unless the first proved to be barren. Polygamy was the privilege of the rich.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

50.

उत्तर ए

- कथन 1 सही है: इस्लाम के आगमन के साथ, भारतीय क्षितिज पर नई ताकतें उभरीं। मुसलमानों के बीच अपनी जन्मभूमि में महिलाओं का सख्त पर्दा करना आम बात थी। स्वाभाविक रूप से भारत जैसे विदेशी देश में इस पर अधिक जोर दिया गया। हिंदुओं ने सुरक्षात्मक उपाय के रूप में पर्दा प्रथा को अपनाया। शासक वर्ग की नकल करने की प्रवृत्ति एक अन्य कारक थी जिसने हिंदू परिवारों में पर्दा प्रथा शुरू करने के पक्ष में काम किया। इस प्रकार एकांतवास सम्मान का प्रतीक बन गया और दोनों समुदायों के उच्चवर्गीय परिवारों के बीच इसका सख्ती से पालन किया जाने लगा। कुछ उल्लेखनीय मुस्लिम परिवारों को छोड़कर, दक्षिण भारतीयों ने पर्दा प्रथा को नहीं अपनाया। विजयनगर साम्राज्य में पर्दा केवल शाही घराने के सदस्यों तक ही सीमित था। हिंदू मध्यवर्ग में ऐसी कोई जबरदस्ती पर्दा प्रथा नहीं देखी गई।
- कथन 2 ग़लत है: ऐसा प्रतीत होता है कि मध्ययुगीन काल के दौरान दोनों समुदायों में समाज के निचले तबके के बीच मोनोगैमी का नियम रहा है। अकबर ने निश्चित आदेश जारी किए थे कि सामान्य साधन वाले व्यक्ति को एक से अधिक पत्नियाँ नहीं रखनी चाहिए जब तक कि पहली बांझ न साबित हो जाए। बहुविवाह अमीरों का विशेषाधिकार था।

51. Answer B
- Statement 1 is Incorrect : Sher Shah, even though a pious Muslim, adopted a tolerant attitude towards other religions. He employed Hindus in important offices.
- His last campaign was against Kalinjar (Bundelkhand), in which he succeeded but died from an accidental explosion of gunpowder in c.1545 CE
- Statement 2 is Correct : The system of tri-metalism which came to characterise Mughal coinage was largely the creation, not of the Mughals but of Sher Shah Suri (1540 to 1545 AD), an Afghan, who ruled for a brief time in Delhi. Sher Shah issued a coin of silver which was termed the Rupiya. This weighed 178 grains and was the precursor of the modern rupee. It remained largely unchanged till the early 20thCentury. Together with the silver Rupiya were issued gold coins called the Mohur weighing 169 grains and copper coins called Dam.
- Statement 3 is Incorrect : Sher shah suri was a patron of art and architecture. He built many forts and mosques among other architecture.

o He built the Rohtas Fort (now a UNESCO World Heritage Site in Pakistan)

o He built Many structures in Rohtasgarh fort in Bihar.

52. Answer B
- Statement 1 is Correct : Under the administration of Sher Shah Suri, the government was highly centralised and consisted of several departments. There were also many administrative units called iqtas.
- Statement 2 is Correct : He improved the land revenue system by adopting Zabti-i-har-sal (land assessment every year) and classified all cultivable lands into three heads (good, middle, bad).
- Statement 3 is Incorrect : The state's share was one third of the average produce and it was paid in cash or crop. Land was measured using Sikandari gaz (32 points). Sher Shah introduced two documents:

o Patta (amount each peasant had to pay)

o Qabuliyat (Deed of agreement).

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

51. उत्तर बी
- कथन 1 गलत है: शेरशाह ने एक धर्मपरायण मुसलमान होते हुए भी अन्य धर्मों के प्रति सहिष्णु रवैया अपनाया। उन्होंने महत्वपूर्ण कार्यालयों में हिंदुओं को नियुक्त किया।
- उनका अंतिम अभियान कालिंजर (बुंदेलखंड) के खिलाफ था, जिसमें वे सफल हुए लेकिन 1545 ई. में बारूद के एक आकस्मिक विस्फोट से उनकी मृत्यु हो गई।
- कथन 2 सही है: त्रि-धातुवाद की प्रणाली जो मुगल सिक्के की विशेषता के रूप में सामने आई, वह काफी हद तक मुगलों की नहीं बल्कि एक अफगानी शेर शाह सूरी (1540 से 1545 ईस्वी) की रचना थी, जिसने दिल्ली में थोड़े समय के लिए शासन किया था। शेरशाह ने चाँदी का एक सिक्का जारी किया जिसे रूपिया कहा जाता था। इसका वजन 178 ग्रेन था और यह आधुनिक रुपये का अग्रदूत था। 20वीं सदी की शुरुआत तक यह काफी हद तक अपरिवर्तित रहा। चांदी रुपिया के साथ सोना भी जारी किया गया
- मोहर नामक सिक्के जिनका वजन 169 ग्रेन होता है और तांबे के सिक्के जिन्हें दाम कहा जाता है।
- कथन 3 गलत है: शेरशाह सूरी कला और वास्तुकला का संरक्षक था। उन्होंने अन्य वास्तुकला के अलावा कई किले और मस्जिदें भी बनवाईं।

o उन्होंने रोहतास किला (अब पाकिस्तान में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल) का निर्माण कराया।

o उन्होंने बिहार के रोहतासगढ़ किले में कई संरचनाएँ बनवाईं।

52. उत्तर बी
- कथन 1 सही है: शेरशाह सूरी के प्रशासन के तहत, सरकार अत्यधिक केंद्रीकृत थी और इसमें कई विभाग शामिल थे। वहाँ कई प्रशासनिक इकाइयाँ भी थीं जिन्हें इक्ता कहा जाता था।
- कथन 2 सही है: उन्होंने ज़ब्ती-ए-हर-सल (हर साल भूमि मूल्यांकन) को अपनाकर भू-राजस्व प्रणाली में सुधार किया और सभी खेती योग्य भूमि को तीन प्रमुखों (अच्छी, मध्यम, बुरी) में वर्गीकृत किया।
- कथन 3 गलत है: राज्य का हिस्सा औसत उपज का एक तिहाई था और इसका भुगतान नकद या फसल में किया जाता था। भूमि की माप सिकन्दरी गज (32 अंक) से की गई। शेरशाह ने दो दस्तावेज़ पेश किये:

o पट्टा (प्रत्येक किसान को भुगतान की जाने वाली राशि)

o काबुलियत (समझौते का विलेख)।

53. Answer C

- Statement 1 is Correct : During the medieval period Indian society was divided into two broad divisions based on religion. In English documents and records of the period the Hindus are referred to as 'Gentoos' (Gentiles) and the Muslims as 'Moors'. The two communities differed with respect to social manners and etiquette; even their forms of salutation were different. They differed in the respect of dress and diet too. Each community had its own religious festivals. The social rites and ceremonies of the two communities, on occasions of birth and marriage, for instance, were different
- Statement 2 & 3 is Correct : The overwhelming majority of the Muslims were descendants of Hindu converts; but there was a tendency on their part to claim foreign descent with a view to securing political and social advantages. They were generally looked down upon by bona fide Turanians and Iranians; but they were received on equal terms in mosques during the Friday prayers and also on occasions of principal religious festivals. There was no bar to inter-marriage on racial grounds. A Muslim of low birth could rise to a high rank in the nobility by dint of ability or through the favour of fortune. The Muslim society had far greater internal mobility than the Hindu society.

54. Answer C

- Statement 1 is Correct : The Mughal empire was divided into twelve subas or provinces by Akbar. These were Allahabad, Agra, Awadh, Ajmer, Ahmedabad, Bihar, Bengal, Delhi, Kabul, Lahore, Malwa, and Multan. Later on Ahmednagar, Berar, and Khandesh were added. With the expansion of the Mughal empire, the number of provinces increased to twenty.
- Statement 2 is Correct : The port administration was independent of the provincial authority. The governor of the port was called Mutasaddi who was directly appointed by the Emperor. Mutasaddi collected taxes on merchandise and maintained a customs house. He also supervised the mint house at the port.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

53. उत्तर सी

- कथन 1 सही है: मध्यकाल के दौरान भारतीय समाज धर्म के आधार पर दो व्यापक विभागों में विभाजित था। उस काल के अंग्रेजी दस्तावेज़ों और अभिलेखों में हिंदुओं को 'जेंटूज़' (गैर-यहूदी) और मुसलमानों को 'मूर्स' कहा गया है। दोनों समुदाय सामाजिक शिष्टाचार और शिष्टाचार के संबंध में भिन्न थे; यहां तक कि उनके अभिवादन के तरीके भी अलग-अलग थे। पहनावे और खान-पान को लेकर भी उनमें मतभेद था। प्रत्येक समुदाय के अपने धार्मिक त्यौहार होते थे। उदाहरण के लिए, जन्म और विवाह के अवसरों पर दोनों समुदायों के सामाजिक संस्कार और समारोह अलग-अलग थे
- कथन 2 और 3 सही है: मुसलमानों का भारी बहुमत हिंदू धर्मांतरितों के वंशज थे; लेकिन राजनीतिक और सामाजिक लाभ हासिल करने की दृष्टि से उनमें विदेशी मूल का दावा करने की प्रवृत्ति थी। प्रामाणिक तुरानियों और ईरानियों द्वारा आम तौर पर उन्हें हेय दृष्टि से देखा जाता था; लेकिन शुक्रवार की नमाज़ के दौरान और प्रमुख धार्मिक त्योहारों के अवसरों पर मस्जिदों में उनका समान रूप से स्वागत किया गया। नस्लीय आधार पर अंतर-विवाह पर कोई रोक नहीं थी। कम जन्म का मुसलमान योग्यता के बल पर या भाग्य की कृपा से कुलीन वर्ग में उच्च पद तक पहुंच सकता है। मुस्लिम समाज में हिंदू समाज की तुलना में कहीं अधिक आंतरिक गतिशीलता थी।

54. उत्तर सी

- कथन 1 सही है: मुगल साम्राज्य को अकबर द्वारा बारह सूबों या प्रांतों में विभाजित किया गया था। ये थे इलाहाबाद, आगरा, अवध, अजमेर, अहमदाबाद, बिहार, बंगाल, दिल्ली, काबुल, लाहौर, मालवा और मुल्तान। बाद में अहमदनगर, बरार और खानदेश को इसमें जोड़ा गया। मुगल साम्राज्य के विस्तार के साथ प्रांतों की संख्या बढ़कर बीस हो गई।
- कथन 2 सही है: बंदरगाह प्रशासन प्रांतीय प्राधिकरण से स्वतंत्र था। बंदरगाह के गवर्नर को मुतसद्दी कहा जाता था जिसे सीधे सम्राट द्वारा नियुक्त किया जाता था। मुतासद्दी ने माल पर कर एकत्र किया और एक सीमा शुल्क घर बनाए रखा। वह बंदरगाह पर टकसाल घर की भी देखरेख करता था।

55. Answer A

Alauddin implemented price control measures for various types of market goods. Alauddin's courtier Amir Khusro and the 14th century writer Hamid Qalandar suggest that Alauddin introduced these reforms for the public welfare. However, Barani states that Alauddin wanted to reduce prices, so that lower pay would be acceptable to his soldiers and thus, ensure the maintenance of a large army. Hence option (a) is correct.

56. **Ans (b)**

Exp:-

Department	**Function**
1. Diwan-i-insha	Department of correspondence
2. Diwan-i-Wazarat	Department of Revenue and Finances
3. Diwan-i-Barid	Intelligence Department

57. **Answer (a)**

Exp:- Statement 1 is correct:

The art and architecture of the Delhi Sultanate period was distinct from the Indian style. The **Turks introduced arches, domes, lifty towers or minarets and decorations using the Arabic script.**

Statement 2 correct:

They used the skill of the Indian stone cutters. **They also added colour to their buildings by using marbles, red and yellow sand stones. So their architecture did not lack marbles.**

Statement 3 is incorrect:

Muslims forbidden to replicate living forms on any surface, developed their religious art and architecture consisting of the arts of arabesque, geometrical patterns and calligraphy on plaster and stone. **They did not use any living beings in decorating their sculptures and structures.** So they decorated their structures using flowers, Arabic script and geometric patterns. (Not animals)

55. उत्तर ए

अलाउद्दीन ने विभिन्न प्रकार की बाजार वस्तुओं के लिए मूल्य नियंत्रण उपाय लागू किए। अलाउद्दीन के दरबारी अमीर खुसरो और 14वीं सदी के लेखक हामिद कलंदर का सुझाव है कि अलाउद्दीन ने ये सुधार लोक कल्याण के लिए पेश किए थे। हालाँकि, बरनी का कहना है कि अलाउद्दीन कीमतें कम करना चाहता था, ताकि उसके सैनिकों को कम वेतन स्वीकार्य हो और इस प्रकार, एक बड़ी सेना का रखरखाव सुनिश्चित हो सके। अतः विकल्प (ए) सही है।

56. उत्तर (बी)

विभाग समारोह

1. दीवान-ए-इंशा पत्राचार विभाग

2. दीवान-ए-वज़ारत राजस्व और वित्त विभाग

3. दीवान-ए-बरीद खुफिया विभाग

57. उत्तर (ए)

- कथन 1 सही है:
- दिल्ली सल्तनत काल की कला और वास्तुकला भारतीय शैली से भिन्न थी। तुर्कों ने अरबी लिपि का उपयोग करके मेहराब, गुंबद, ऊंचे टावर या मीनार और सजावट की शुरुआत की।
- कथन 2 सही:
- उन्होंने भारतीय पत्थर काटने वालों के कौशल का उपयोग किया। उन्होंने संगमरमर, लाल और पीले बलुआ पत्थरों का उपयोग करके अपनी इमारतों में रंग भी जोड़ा। इसलिए उनकी वास्तुकला में संगमरमर की कमी नहीं थी।
- कथन 3 ग़लत है:
- मुसलमानों ने किसी भी सतह पर जीवित आकृतियों को दोहराने से मना कर दिया, उन्होंने अपनी धार्मिक कला और वास्तुकला विकसित की जिसमें अरबी कला, ज्यामितीय पैटर्न और प्लास्टर और पत्थर पर सुलेख शामिल थे। उन्होंने अपनी मूर्तियों और संरचनाओं को सजाने में किसी भी जीवित प्राणी का उपयोग नहीं किया। इसलिए उन्होंने अपनी संरचनाओं को फूलों, अरबी लिपि और ज्यामितीय पैटर्न (जानवरों का नहीं) का उपयोग करके सजाया।

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

58. Answer A
- Statement 1 is incorrect: In the early medieval times, as society became more differentiated, people were grouped into jatis, or sub-castes and ranked on the basis of their backgrounds and their occupations. Jatis framed their own rules and regulations to manage the conduct of their members.
- Statement 2 is correct: The rules and regulations that were framed by the jatis were enforced by an assembly of elders, described in some areas as the jati panchayat.
- Statement 3 is incorrect: Jatis were also required to follow the rules of their villages, as some of them were governed by chieftains.

59. Answer B
Statement 1 is correct: Akbar's revenue minister, Todar Mal, carried out a careful survey of crop yields, prices, and areas cultivated for a 10-year period, 1570- 1580. On the basis of this data, taxes were fixed on each crop in cash.

Statement 2 is incorrect: Zabt system was prevalent in those areas where Mughal administrators could survey the land and keep very careful accounts. This was not possible in provinces such as Gujarat and Bengal.

Statement 3 is correct: Each province was divided into revenue circles with its own schedule of revenue rates for individual crops. This revenue system was known as Zabt.

60. Answer A
The governance system of the Mughals was a personal dictatorship and autocratic power, hence its success depended on the character of the emperor who ruled. The subsequent couple of emperors were incompetent and neglected the administration of the state. Hence statement (II) is correct. Syed Hasan Ali Khan and Syed Hussain Ali Khan were powerful rulers in the Mughal Empire in the early 18th century. He did not become a king but he is known as the 'Kingmaker'. Hence statement (I) is correct.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

58. उत्तर ए
- कथन 1 गलत है: प्रारंभिक मध्ययुगीन काल में, जैसे-जैसे समाज अधिक विभेदित होता गया, लोगों को जातियों या उप-जातियों में बांटा गया और उनकी पृष्ठभूमि और उनके व्यवसायों के आधार पर स्थान दिया गया। जातियों ने अपने सदस्यों के आचरण को प्रबंधित करने के लिए अपने स्वयं के नियम और कानून बनाए।
- कथन 2 सही है: जो नियम और विनियम जातियों द्वारा बनाए गए थे, उन्हें बुजुर्गों की एक सभा द्वारा लागू किया गया था, जिसे कुछ क्षेत्रों में जाति पंचायत के रूप में वर्णित किया गया था।
- कथन 3 ग़लत है: जातियों को अपने गाँवों के नियमों का पालन करना भी आवश्यक था, क्योंकि उनमें से कुछ सरदारों द्वारा शासित थे।

59. उत्तर बी
- कथन 1 सही है: अकबर के राजस्व मंत्री, टोडर मल ने 10 साल की अवधि, 1570-1580 के लिए फसल की पैदावार, कीमतों और खेती के क्षेत्रों का सावधानीपूर्वक सर्वेक्षण किया। इस डेटा के आधार पर, प्रत्येक फसल पर कर तय किए गए थे।
- कथन 2 गलत है: ज़ब्त प्रणाली उन क्षेत्रों में प्रचलित थी जहां मुगल प्रशासक भूमि का सर्वेक्षण कर सकते थे और बहुत सावधानीपूर्वक हिसाब-किताब रख सकते थे। गुजरात और बंगाल जैसे प्रांतों में यह संभव नहीं था।
- कथन 3 सही है: प्रत्येक प्रांत को व्यक्तिगत फसलों के लिए राजस्व दरों की अपनी अनुसूची के साथ राजस्व मंडलों में विभाजित किया गया था। इस राजस्व प्रणाली को ज़ब्त के नाम से जाना जाता था।

60. उत्तर ए
मुगलों की शासन व्यवस्था व्यक्तिगत तानाशाही एवं निरंकुश सत्ता थी, इसलिए इसकी सफलता शासन करने वाले सम्राट के चरित्र पर निर्भर करती थी। बाद के कुछ सम्राट अक्षम थे और उन्होंने राज्य के प्रशासन की उपेक्षा की। अतः कथन (II) सही है। सैयद हसन अली खान और सैयद हुसैन अली खान 18वीं शताब्दी की शुरुआत में मुगल साम्राज्य में शक्तिशाली शासक थे। वह किंग तो नहीं बने लेकिन उन्हें 'किंगमेकर' के नाम से जाना जाता है। अतः कथन (I) सही है।

61. Answer A
Shivaji collected the chauth and sardeshmukhi from the territory which was either under his enemies or under his own influence. The chauth was one fourth part of the income of a particular territory while the sardeshmukhi was one tenth. Shivaji collected these taxes simply by force of his arms. These constituted of the primary sources of income of Shivaji and helped in the extension of the power and territory of the Marathas.

62. Answer: D [3 — 1 — 2]
• After completing his studies Acquaviva was chosen by his superiors for the prestigious and challenging Indian missions.He travelled to Lisbon, starting point for the voyage east. There he was ordained a priest and sailed for India in 1578.
• In January 1615, Sir Thomas Roe presented his credentials to the emperor Jahangir as the Ambassador of the King of England. The objective of Thomas Roe was to finish what was left unfinished by Captain Hawkins.
• Jean-Baptiste Tavernier was a 17th-century French gem merchant and traveler. Tavernier, a private individual and merchant traveling at his own expense, covered, by his own account, 60,000 leagues in making six voyages to Persia and India between the years 1630 and 1668.

63. Answer C
Kornish was a form of ceremonial salutation in which the courtier placed the palm of his right hand against his forehead and bent his head. It suggested that the subject placed his head – the seat of the senses and the mind – into the hand of humility, presenting it to the royal assembly.
Chahar taslim is a mode of salutation which begins with placing the back of the right hand on the ground, and raising it gently till the person stands erect, when he puts the palm of his hand upon the crown of his head. It is done four (chahar) times. Taslim literally means submission.
Sijda is also called Zaminbos. It is a form of respect paid to the Emperor or high authority or Divine persona. The person doing sajda performs it by touching the ground with the forehead as an act of adoration or worship to God.

61. उत्तर A
शिवाजी ने चौथ और सरदेशमुखी उस क्षेत्र से वसूला जो या तो उनके शत्रुओं के अधीन था या उनके अपने प्रभाव में था। चौथ किसी विशेष क्षेत्र की आय का एक चौथाई हिस्सा था जबकि सरदेशमुखी दसवां हिस्सा था। शिवाजी ने इन करों को केवल अपने हथियारों के बल पर वसूला। ये शिवाजी की आय के प्राथमिक स्रोत थे और मराठों की शक्ति और क्षेत्र के विस्तार में मदद करते थे।

62. उत्तर: D [3 — 1 — 2]
· अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद एक्वाविवा को उनके वरिष्ठों ने प्रतिष्ठित और चुनौतीपूर्ण भारतीय मिशनों के लिए चुना। उन्होंने लिस्बन की यात्रा की, जो पूर्व की यात्रा के लिए शुरुआती बिंदु था। वहाँ उन्हें पुजारी नियुक्त किया गया और 1578 में भारत के लिए रवाना हुए।

· जनवरी 1615 में, सर थॉमस रो ने इंग्लैंड के राजा के राजदूत के रूप में सम्राट जहाँगीर को अपना परिचय पत्र प्रस्तुत किया। थॉमस रो का उद्देश्य कैप्टन हॉकिन्स द्वारा अधूरे छोड़े गए काम को पूरा करना था।

• जीन-बैप्टिस्ट टैवर्नियर 17वीं सदी के फ्रांसीसी रत्न व्यापारी और यात्री थे। टैवर्नियर, एक निजी व्यक्ति और व्यापारी, जो अपने खर्च पर यात्रा करते थे, ने अपने हिसाब से 1630 और 1668 के बीच फारस और भारत की छह यात्राओं में 60,000 लीग खर्च किए।

63. उत्तर सी
- कोर्निश औपचारिक अभिवादन का एक रूप था जिसमें दरबारी अपने दाहिने हाथ की हथेली को अपने माथे पर रखता था और अपना सिर झुकाता था। इसने सुझाव दिया कि विषय ने अपना सिर - इंद्रियों और मन का स्थान - विनम्रता के हाथ में रख दिया, इसे शाही सभा में पेश किया।
- चाहर तस्लीम अभिवादन का एक तरीका है जो दाहिने हाथ के पिछले हिस्से को जमीन पर रखने और धीरे से तब तक ऊपर उठाने से शुरू होता है जब तक कि व्यक्ति सीधा खड़ा न हो जाए, जब वह अपने हाथ की हथेली को अपने सिर के मुकुट पर रखता है। यह चार (चाहर) बार किया जाता है। तस्लीम का शाब्दिक अर्थ समर्पण होता है।
- सिजदा को ज़मीनबोस भी कहा जाता है। यह सम्राट या उच्च अधिकारी या दैवीय व्यक्तित्व को दिए जाने वाले सम्मान का एक रूप है। सजदा करने वाला व्यक्ति भगवान की आराधना या पूजा के रूप में माथे से जमीन को छूकर इसे करता है।

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

64. Answer C
- According to early Samkhya philosophy the presence of divine agency is not essential to the creation of the world. The world owes its creation and evolution more to Nature or Prakriti than to God. This was a rational and scientific view. Around the fourth century A.D. in addition to Prakriti, Purusha or spirit was introduced as an element in its system, and the creation of the world was attributed to both. Hence statement 2 is correct.
- In the beginning, the Samkhya school of philosophy was materialistic. Then it tended to be spiritualistic. Hence statement 3 is correct.
- Liberation consists of the purusha realizing its distinction from prakriti. A person can attain salvation through the acquisition of real knowledge, and his misery can be ended forever. Hence statement 1 is correct.

65. Answer D
- Amir Khusro was born in 1253 in Patiyali, Kasganj district, in modern-day Uttar Pradesh. He was an Indo-Persian Sufi singer, musician, poet and scholar who lived under the Delhi Sultanate. He is considered an iconic figure in the cultural history of the Indian subcontinent.
- Statement 1 is correct and Statement 2 is correct: Amir Khusrau introduced many new ragas such as ghora and sanam. He evolved a new style of light music known as qwalis by blending the Hindu and Iranian systems. The invention of sitar was also attributed to him.
- Statement 3 is correct: Amir Khusrau experimented with several poetical forms and created a new style of Persian poetry called Sabaq- i-Hind or the Indian style. He also wrote some Hindi verses. Amir Khusrau's Khazain-ul-Futuh speaks about Alauddin's conquests. His famous work Tughlaq Nama deals with the rise of Ghyiasuddin Tughlaq.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

64. उत्तर सी
- प्रारंभिक सांख्य दर्शन के अनुसार विश्व के निर्माण के लिए दैवीय एजेंसी की उपस्थिति आवश्यक नहीं है। संसार की रचना और विकास का श्रेय ईश्वर से अधिक प्रकृति को जाता है। यह एक तर्कसंगत एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण था। चौथी शताब्दी ई. के आसपास प्रकृति के अलावा, पुरुष या आत्मा को इसकी प्रणाली में एक तत्व के रूप में पेश किया गया था, और दुनिया के निर्माण का श्रेय दोनों को दिया गया था। अतः कथन 2 सही है।
- प्रारंभ में सांख्य दर्शनशास्त्र भौतिकवादी था। तब यह अध्यात्मवादी हो गया। इसलिए कथन 3 सही है।
- मुक्ति में पुरुष को प्रकृति से अपने भेद का एहसास होता है। वास्तविक ज्ञान की प्राप्ति से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है और उसके दुख हमेशा के लिए समाप्त हो सकते हैं। अतः कथन 1 सही है।

65. उत्तर डी
- अमीर खुसरो का जन्म 1253 में आधुनिक उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले के पटियाली में हुआ था। वह एक इंडो-फ़ारसी सूफी गायक, संगीतकार, कवि और विद्वान थे जो दिल्ली सल्तनत के अधीन रहते थे। उन्हें भारतीय उपमहाद्वीप के सांस्कृतिक इतिहास में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति माना जाता है।
- कथन 1 सही है और कथन 2 सही है: अमीर ख़ुसरो ने घोरा और सनम जैसे कई नए राग पेश किए। उन्होंने हिंदू और ईरानी प्रणालियों को मिलाकर हल्के संगीत की एक नई शैली विकसित की जिसे क़वाली के नाम से जाना जाता है। सितार के आविष्कार का श्रेय भी उन्हीं को दिया जाता है।
- कथन 3 सही है: अमीर खुसरो ने कई काव्य रूपों के साथ प्रयोग किया और फ़ारसी कविता की एक नई शैली बनाई जिसे सबक-ए-हिंद या भारतीय शैली कहा जाता है। उन्होंने कुछ हिन्दी छंद भी लिखे। अमीर ख़ुसरो की खज़ैन-उल-फ़ुतुह अलाउद्दीन की विजय के बारे में बताती है। उनकी प्रसिद्ध कृति तुगलक नामा ग्यासुद्दीन तुगलक के उत्थान से संबंधित है।

66. Answer B
- Statement 1 is correct. Depending on the kind of items or commodities they dealt in, the merchant community in the Chola period had its own guild associations. The term "Chettis" was used to refer to the guild of people who managed horses as their commercial property.
- Statement 2 is incorrect. During the Chola period, both the Manigramam and Nanadesi were a very popular and powerful merchant community, and had their own representative assemblies looking after their business in a commercial centre known as Nagaram. Among these, the Manigramam is said to be the earliest guilds in south India, the Nanadesi corporation was the most celebrated of the guilds, who were prominent not only in inland trade but also in overseas commerce. They were a famous guild in South India.
- Statement 3 is correct. Guilds had their own regulations covering organisation, production, fixing the prices of commodities, etc., based on usage and customs. The state largely acknowledged these laws. The laws served as a deterrent to government repression and meddling in guild matters. The Gautama Dharma-sutra commands the king to consult representatives of the guilds before making decisions involving the guilds.

67. Answer C
- Statement 1 is correct: Kabul became the initial capital of the Mughal dynasty in 1504, when occupied by the emperor Babur. His successors established their capital at Agra in India, and Kabul became little more than a regional outpost of the Mughal Empire until 1738, when it was occupied by the Persian general Nadir Shah.
- Statement 2 is correct: Kabul and Qandahar were linked to the celebrated Silk Route. Besides, trade in horses was primarily carried on through this route. In the seventeenth century Jean Baptiste Tavernier, a diamond merchant, estimated that the horse trade at Kabul amounted to Rs 30,000 annually, which was a huge sum in those days.
- Statement 3 is correct: Camels carried dried fruits, dates, carpets, silks and even fresh fruits from Kabul to the subcontinent and elsewhere. Slaves to be used in battles were also brought here for sale.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

66. उत्तर बी
- कथन 1 सही है. वे जिस प्रकार की वस्तुओं या वस्तुओं का व्यापार करते थे, उसके आधार पर, चोल काल में व्यापारी समुदाय के अपने स्वयं के गिल्ड संघ होते थे। "चेट्टीस" शब्द का उपयोग उन लोगों के संघ को संदर्भित करने के लिए किया जाता था जो घोड़ों को अपनी व्यावसायिक संपत्ति के रूप में प्रबंधित करते थे।
- कथन 2 गलत है. चोल काल के दौरान, मणिग्राममम और नानादेसी दोनों एक बहुत लोकप्रिय और शक्तिशाली व्यापारी समुदाय थे, और उनकी अपनी प्रतिनिधि सभाएँ थीं जो नगरम नामक वाणिज्यिक केंद्र में उनके व्यवसाय की देखभाल करती थीं। इनमें से, मणिग्राममम को दक्षिण भारत में सबसे प्रारंभिक गिल्ड कहा जाता है, नानादेसी निगम सबसे प्रसिद्ध गिल्ड था, जो न केवल अंतर्देशीय व्यापार में बल्कि विदेशी वाणिज्य में भी प्रमुख थे। वे दक्षिण भारत में एक प्रसिद्ध संघ थे।
- कथन 3 सही है. गिल्डों के पास उपयोग और रीति-रिवाजों के आधार पर संगठन, उत्पादन, वस्तुओं की कीमतें तय करने आदि को कवर करने वाले अपने स्वयं के नियम थे। राज्य ने बड़े पैमाने पर इन कानूनों को स्वीकार किया। ये कानून सरकारी दमन और गिल्ड मामलों में हस्तक्षेप को रोकने का काम करते थे। गौतम धर्म-सूत्र राजा को श्रेणियों से जुड़े निर्णय लेने से पहले श्रेणियों के प्रतिनिधियों से परामर्श करने का आदेश देता है।

67. उत्तर सी
- कथन 1 सही है: काबुल 1504 में मुगल वंश की प्रारंभिक राजधानी बन गया, जब सम्राट बाबर ने कब्जा कर लिया। उनके उत्तराधिकारियों ने भारत में आगरा में अपनी राजधानी स्थापित की, और काबुल 1738 तक मुगल साम्राज्य की एक क्षेत्रीय चौकी से कुछ अधिक नहीं रह गया, जब उस पर फारसी जनरल नादिर शाह का कब्जा था।
- कथन 2 सही है: काबुल और कंधार प्रसिद्ध रेशम मार्ग से जुड़े हुए थे। इसके अलावा, घोड़ों का व्यापार मुख्य रूप से इसी मार्ग से होता था। सत्रहवीं शताब्दी में एक हीरा व्यापारी जीन बैप्टिस्ट टैवर्नियर ने अनुमान लगाया था कि काबुल में घोड़े का व्यापार सालाना 30,000 रुपये था, जो उन दिनों एक बड़ी रकम थी।
- कथन 3 सही है: ऊँट काबुल से उपमहाद्वीप और अन्य जगहों पर सूखे फल, खजूर, कालीन, रेशम और यहाँ तक कि ताज़े फल भी ले जाते थे। युद्धों में उपयोग किये जाने वाले दास भी यहाँ बिक्री के लिए लाये जाते थे।

68. Answer A
- The Mahanavami Dibba is a beautiful stone platform located within the Royal Enclosure of Hampi. It was built during the Vijayanagara period by King Krishnadevaraya to commemorate his victory over Udaygiri. It was here where the King of Vijayanagar used to celebrate the festival of Dasara (Dussehra).
- The "mahanavami dibba" is a massive platform rising from a base of about 11,000 sq. ft to a height of 40 ft. There is evidence that it supported a wooden structure. The base of the platform is covered with relief carvings. Rituals associated with the structure probably coincided with Mahanavami (literally, the great ninth day) of the ten-day Hindu festival during the autumn months of September and October, known variously as Dusehra (northern India), Durga Puja (in Bengal) and Navratri or Mahanavami (in peninsular India).

69. Answer C
- Statement 1 is correct. During the Sultanate period the subservient position of women continued and the practice of Sati was also widely prevalent. Ibn Battuta had mentioned with horror the scene of a woman burning herself in the funeral pyre of her husband with great beating of drums.
- Statement 2 is correct. Open slave-markets for men and women existed in India. The slaves in India can be graded into two groups.

1) Those who were bought in an open salve market.

2) Those who were first prisoners of war and then made slaves.
- Statement 3 is correct. During the Sultanate period, the Muslim society remained divided into several ethnic and racial groups. The Turks, Iranians, Afghans, and Indian Muslims developed as exclusive groups and there were no intermarriages between them. Hindu converts from lower castes were also not given equal respect.
- Statement 4 is incorrect. The Muslim nobles occupied high offices and very rarely the Hindu nobles were given high positions in the government. The Hindus were considered zimmis or protected people, for which they were forced to pay a tax called jaziya. In the beginning jaziya was collected as part of land tax. Firoz Tughlaq separated it from the land revenue and collected jiziya as a separate tax and levied it on Brahmans also.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

68. उत्तर A
- महानवमी डिब्बा हम्पी के शाही घेरे के भीतर स्थित एक सुंदर पत्थर का मंच है। इसे विजयनगर काल के दौरान राजा कृष्णदेवराय ने उदयगिरि पर अपनी जीत के उपलक्ष्य में बनवाया था। यहीं पर विजयनगर के राजा दशहरा (दशहरा) का त्योहार मनाते थे।
- "महानवमी डिब्बा" एक विशाल मंच है जो लगभग 11,000 वर्ग फुट के आधार से 40 फीट की ऊंचाई तक उठता है। इस बात के प्रमाण हैं कि यह एक लकड़ी की संरचना का समर्थन करता है। मंच का आधार उभरी हुई नक्काशी से ढका हुआ है। संरचना से जुड़े अनुष्ठान संभवतः सितंबर और अक्टूबर के शरद ऋतु महीनों के दौरान दस दिवसीय हिंदू त्योहार महानवमी (शाब्दिक रूप से, महान नौवां दिन) के साथ मेल खाते थे, जिसे दशहरा (उत्तरी भारत), दुर्गा पूजा (बंगाल में) और नवरात्रि के नाम से जाना जाता है।

69. उत्तर सी
- कथन 1 सही है. सल्तनत काल में महिलाओं की पराधीन स्थिति जारी रही और सती प्रथा भी व्यापक रूप से प्रचलित थी। इब्न बतूता ने बड़े भय के साथ उस दृश्य का उल्लेख किया था जिसमें एक महिला अपने पति की चिता में ढोल-नगाड़ों के बीच खुद को जला रही थी।
- कथन 2 सही है. भारत में पुरुषों और महिलाओं के लिए खुले दास-बाज़ार मौजूद थे। भारत में दासों को दो समूहों में वर्गीकृत किया जा सकता है।

1) जिन्हें खुले साल्व बाजार में खरीदा गया था।

2) जो पहले युद्धबंदी थे और फिर गुलाम बनाये गये।

- कथन 3 सही है. सल्तनत काल के दौरान मुस्लिम समाज कई जातीय और नस्लीय समूहों में विभाजित रहा। तुर्क, ईरानी, अफगान और भारतीय मुसलमान विशिष्ट समूहों के रूप में विकसित हुए और उनके बीच कोई अंतर्विवाह नहीं हुआ। निचली जातियों से धर्मान्तरित हिन्दू लोगों को भी समान सम्मान नहीं दिया जाता था।
- कथन 4 गलत है. मुस्लिम सरदार ऊँचे पदों पर आसीन थे और बहुत कम ही हिन्दू सरदारों को सरकार में ऊँचे पद दिये जाते थे। हिंदुओं को ज़िम्मी या संरक्षित लोग माना जाता था, जिसके लिए उन्हें जज़िया नामक कर देने के लिए मजबूर किया जाता था। प्रारंभ में जजिया भूमि कर के भाग के रूप में वसूल किया जाता था। फ़िरोज़ तुगलक ने इसे भू-राजस्व से अलग कर दिया और जजिया कर को अलग कर के रूप में वसूल किया तथा इसे ब्राह्मणों पर भी लगाया।

70. Answer A

- Statement 1 is incorrect. The system of administration in Pala, Pratihara and Rashtrakuta empires was based on the ideas and practices of the Gupta empire, Harsha's kingdom in the north, and the Chalukyas (and not Cholas) in the Deccan. The monarch was the centre of all affairs. He was the head of the administration as well as the commander-in-chief of the armed forces.
- Statement 2 is incorrect. There was no coordination between kings and vassal chiefs during the era. Wars were frequent between kings, and between kings and their vassals. The empires consisted of area administered directly and areas ruled over by the vassal chiefs. The latter were autonomous as far as their internal affairs were concerned, and had a general obligation of loyalty, paying a fixed tribute and supplying the quota of troops to the overlord. But the vassal chiefs always aspired to be independent and wars between them and the overlord were frequent. Thus, the Rashtrakutas had to fight constantly against the vassal chiefs of Vengi (Andhra) and Karnataka; the Pratiharas had to fight against the Paramaras of Malwa and the Chandellas of Bundelkhand.
- Statement 3 is correct. Indeed, the rules about succession were not rigidly fixed. Though the eldest son often succeeded, there are many instances when the eldest son had to fight his younger brothers, and sometimes lost to them example- the Rashtrakuta rulers Dhruva and Govinda IV, deposed their elder brothers. Younger sons were sometimes appointed provincial governors. Princesses were rarely appointed to government posts, but Rashtrakuta princes.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

70. उत्तर ए

- कथन 1 गलत है. पाल, प्रतिहार और राष्ट्रकूट साम्राज्यों में प्रशासन की व्यवस्था गुप्त साम्राज्य, उत्तर में हर्ष के साम्राज्य और दक्कन में चालुक्यों (और चोलों नहीं) के विचारों और प्रथाओं पर आधारित थी। सम्राट सभी मामलों का केंद्र था। वह प्रशासन का प्रमुख होने के साथ-साथ सशस्त्र बलों का कमांडर-इन-चीफ भी था।
- कथन 2 गलत है. उस युग के दौरान राजाओं और जागीरदार सरदारों के बीच कोई समन्वय नहीं था। राजाओं के बीच, और राजाओं और उनके जागीरदारों के बीच अक्सर युद्ध होते थे। साम्राज्यों में सीधे प्रशासित क्षेत्र और जागीरदार सरदारों द्वारा शासित क्षेत्र शामिल थे। जहां तक उनके आंतरिक मामलों का सवाल है, उत्तरार्द्ध स्वायत्त थे, और उन पर वफादारी, एक निश्चित श्रद्धांजलि देने और अधिपति को सैनिकों का कोटा प्रदान करने का सामान्य दायित्व था। लेकिन जागीरदार सरदार हमेशा स्वतंत्र होने की आकांक्षा रखते थे और उनके तथा अधिपति के बीच अक्सर युद्ध होते रहते थे। इस प्रकार, राष्ट्रकूटों को वेंगी (आंध्र) और कर्नाटक के जागीरदार सरदारों के विरुद्ध लगातार लड़ना पड़ा; प्रतिहारों को मालवा के परमारों और बुन्देलखण्ड के चंदेलों से लड़ना पड़ा।
- कथन 3 सही है. दरअसल, उत्तराधिकार के नियम कठोरता से तय नहीं किए गए थे। हालाँकि सबसे बड़ा बेटा अक्सर सफल होता था, ऐसे कई उदाहरण हैं जब सबसे बड़े बेटे को अपने छोटे भाइयों से लड़ना पड़ा, और कभी-कभी उनसे हार गया उदाहरण- राष्ट्रकूट शासक ध्रुव और गोविंदा चतुर्थ ने अपने बड़े भाइयों को पदच्युत कर दिया। छोटे बेटों को कभी-कभी प्रांतीय गवर्नर नियुक्त किया जाता था। सरकारी पदों पर शायद ही कभी राजकुमारियों को नियुक्त किया जाता था।

71. Answer A

- Statement 1 is correct. The village was the basic unit of administration. The village administration was carried on by the village headman and the village accountant whose posts were generally hereditary.
- Statement 2 is incorrect. The Rashtrakuta kingdom in the Deccan witnessed the rise of hereditary revenue officers called nad gavundas or desa gramakutas. This development, along with the petty chieftainships in north India, had an important bearing on society and politics. As the power of these hereditary elements grew, the village committees became weaker. The central ruler also found it difficult to assert his authority over them and to control them. Thus, the government was becoming 'feudalism' instead of losing its element of feudalism.
- Statement 3 is incorrect. Politics and religion were, in essence, kept apart, religion being essentially a personal duty of the king. Muslims were welcomed and allowed to preach their faith by the Rashtrakuta kings. Thus, the kings were not dominated by the priests, or by the sacred law expounded by them. Normally, a king was not expected to interfere with the customs, or with the code of conduct prescribed by the law books called the Dharmashastras. But he did have the general duty of protecting Brahmans and maintaining the division of society into four states or varnas.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

71. उत्तर ए

- कथन 1 सही है. गाँव प्रशासन की मूल इकाई था। गाँव का प्रशासन ग्राम प्रधान और ग्राम लेखाकार द्वारा चलाया जाता था जिनके पद आम तौर पर वंशानुगत होते थे।
- कथन 2 गलत है. दक्कन में राष्ट्रकूट साम्राज्य में वंशानुगत राजस्व अधिकारियों का उदय हुआ, जिन्हें नाद गवुंदा या देसा ग्रामकुटास कहा जाता था। उत्तर भारत में छोटे सरदारों के साथ-साथ इस विकास का समाज और राजनीति पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा। जैसे-जैसे इन वंशानुगत तत्वों की शक्ति बढ़ती गई, ग्राम समितियाँ कमजोर होती गईं। केंद्रीय शासक को भी उन पर अपना अधिकार जमाना और उन पर नियंत्रण रखना कठिन लगता था। इस प्रकार, सरकार अपने सामंतवाद के तत्व को खोने के बजाय 'सामंतवाद' बन रही थी।
- कथन 3 गलत है. राजनीति और धर्म को, संक्षेप में, अलग रखा गया था, धर्म अनिवार्य रूप से राजा का व्यक्तिगत कर्तव्य था। राष्ट्रकूट राजाओं द्वारा मुसलमानों का स्वागत किया गया और उन्हें अपने धर्म का प्रचार करने की अनुमति दी गई। इस प्रकार, राजाओं पर पुजारियों या उनके द्वारा प्रतिपादित पवित्र कानून का प्रभुत्व नहीं था। आम तौर पर, एक राजा से रीति-रिवाजों, या धर्मशास्त्र नामक कानून की पुस्तकों द्वारा निर्धारित आचार संहिता में हस्तक्षेप की उम्मीद नहीं की जाती थी। लेकिन उनका सामान्य कर्तव्य ब्राह्मणों की रक्षा करना और समाज को चार राज्यों या वर्णों में विभाजित बनाए रखना था।

72. Answer A

- Statement 1 is incorrect. Under Shivaji administration deshmukhs were responsible for revenue collection acting as an intermediary between peasants and ruler. Shivaji totally curtailed the unlimited powers of the hereditary officials like- intermediaries, zamindars, deshmukhs, desais, kulkarnis, etc and appointed his own officials to visit and supervise the collection of revenue. They were asked to refrain from extracting more than their due share failing which severe punishments were given
- Statement 2 is incorrect. The Marathas failed to develop any organised judicial department. At the village level, civil cases were heard by the village elders (panchayat) in patil's office or in the village temple. Criminal cases were decided by the patil. Hazir majalis was the highest court for civil and criminal cases. The sabhanaik (judge president) and mahprashniks (chief interrogator) gradually faded away under the peshwas whose duty was to examine and cross-examine the plaintiffs.
- Statement 3 is correct. The administration of Shivaji was divided into eight departments headed by ministers who are sometimes called Ashta Pradhan- Peshwa, Sari-Naubat, Majumdar, Waqai navis, Surnavis, Dabir, Nyayadhish, Pandit Rao. These offices were neither hereditary nor permanent. They held the office at the pleasure of the king. They were also frequently transferred.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

72. उत्तर ए

- कथन 1 गलत है. शिवाजी प्रशासन के तहत देशमुख किसानों और शासक के बीच मध्यस्थ के रूप में कार्य करते हुए राजस्व संग्रह के लिए जिम्मेदार थे। शिवाजी ने वंशानुगत अधिकारियों जैसे- बिचौलियों, जमींदारों, देशमुखों, देसाईयों, कुलकर्णियों आदि की असीमित शक्तियों को पूरी तरह से कम कर दिया और राजस्व संग्रह का दौरा करने और निगरानी करने के लिए अपने स्वयं के अधिकारियों को नियुक्त किया। उनसे अपने उचित हिस्से से अधिक वसूली करने से परहेज करने को कहा गया और ऐसा न करने पर कड़ी सज़ा दी गई
- कथन 2 गलत है. मराठा किसी भी संगठित न्यायिक विभाग को विकसित करने में विफल रहे। ग्रामीण स्तर पर, दीवानी मामलों की सुनवाई गाँव के बुजुर्गों (पंचायत) द्वारा पाटिल के कार्यालय या गाँव के मंदिर में की जाती थी। आपराधिक मामलों का फैसला पाटिल द्वारा किया जाता था। हाज़िर मजलिस दीवानी और फौजदारी मामलों के लिए सर्वोच्च अदालत थी। पेशवाओं के अधीन सभानाइक (न्यायाधीश अध्यक्ष) और महाप्रश्निक (मुख्य पूछताछकर्ता) धीरे-धीरे लुप्त हो गए, जिनका कर्तव्य वादी की जांच और जिरह करना था।
- कथन 3 सही है. शिवाजी के प्रशासन को आठ विभागों में विभाजित किया गया था जिनके प्रमुख मंत्री थे जिन्हें कभी-कभी अष्ट प्रधान भी कहा जाता है- पेशवा, सारी-नौबत, मजूमदार, वाकाई नवीस, सुर्नवीस, दबीर, न्यायाधीश, पंडित राव। ये पद न तो वंशानुगत थे और न ही स्थायी। वे राजा की इच्छानुसार पद पर बने रहते थे। उनका बार-बार तबादला भी होता रहा।

73. Answer A

- Statement 1 and 2 is correct. The "Group of Forty" (Turkan-i-Chahalgani) or simply Chahalgani system was the council of 40 members drawn from Turkish nobility. The group of chahalgan (group of 40 nobles) was created by Iltutmish. Iltutmish organised his trusted nobles or officers into a group of "Forty" (Turkan-i-Chahalgani). These were Turkish amirs (nobles) who advised and helped the Sultan in administering the Sultanate. After the death of Iltutmish, this group assumed great power in its hands. For a few years they decided on the selection of Sultans one after the other.
- Statement 3 is incorrect. The Chahalgan group was finally eliminated by Balban. Balban was determined to finally break the power of the chahalgani, i.e., the Turkish nobles, and to exalt the power and prestige of the monarchy. In order to win the confidence of the public, he administered justice with extreme impartiality. To keep himself well informed, Balban appointed spies in every department. Balban therefore abolished the Group of Forty and thereby put an end to the domination of "Turkish nobles".

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

73. उत्तर ए

- कथन 1 और 2 सही है। "चालीस का समूह" (तुर्कन-ए-चहलगानी) या बस चहलगानी प्रणाली तुर्की कुलीन वर्ग से लिए गए 40 सदस्यों की परिषद थी। चहलगान का समूह (40 सरदारों का समूह) इल्तुतमिश द्वारा बनाया गया था। इल्तुतमिश ने अपने विश्वसनीय सरदारों या अधिकारियों को "चालीस" (तुर्कान-ए-चहलगानी) के एक समूह में संगठित किया। ये तुर्की अमीर (रईस) थे जो सल्तनत के प्रशासन में सुल्तान को सलाह देते थे और उसकी मदद करते थे। इल्तुतमिश की मृत्यु के बाद इस समूह ने बड़ी शक्ति अपने हाथ में ले ली। कुछ वर्षों तक वे एक के बाद एक सुल्तानों के चयन का निर्णय लेते रहे।
- कथन 3 गलत है. अंततः बलबन द्वारा चहलगण समूह का सफाया कर दिया गया। बलबन अंततः चहलगानी, यानी तुर्की अमीरों की शक्ति को तोड़ने और राजशाही की शक्ति और प्रतिष्ठा को बढ़ाने के लिए दृढ़ था। जनता का विश्वास जीतने के लिए उन्होंने अत्यधिक निष्पक्षता के साथ न्याय किया। स्वयं को अच्छी तरह से सूचित रखने के लिए बलबन ने प्रत्येक विभाग में गुप्तचर नियुक्त किये। इसलिए बलबन ने फोर्टी के समूह को समाप्त कर दिया और इस तरह "तुर्की अमीरों" के प्रभुत्व को समाप्त कर दिया।

74. Answer A

- Statement 1 is correct. According to a modern historian, D.C. Sircar, an important feature of the caste system during this period was 'the gradual elevation of the social position of the Shudras'. Although they were not allowed to study the Vedas, they became eligible for smarta rituals, like birth, death, name giving, etc. As agriculture expanded, many of the tribals were included in this category. The Jats 'who were a pastoral nomadic tribe in Sindh gradually moved to the Punjab and became agriculturists cum warriors. Although in the varna system they were classified as shudras, they formed a higher section and considered themselves on par with the Rajputs.
- Statement 3 is correct. Slavery also existed during the period. Prisoners of war, debtors unable to pay their stakes could be sold into slavery. In general, slaves were treated better than people from the antyaja or despised castes. Though slaves were not used for fighting, they could fight because we are told that if a slave saved his master's life, he became free and was entitled to get a share of his master's property. A female slave bearing a child to his master also became free. In general, emancipation of a slave was considered a good deed, and there were rules prescribed for doing so.
- Statement 4 is incorrect. As in the earlier period, women were generally considered to be mentally inferior. Their duty was to obey their husbands blindly. Women continued to be denied the right to study the Vedas. Furthermore, the marriageable age for girls was lowered, thereby destroying their opportunities for higher education.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations
RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

74. उत्तर ए

- कथन 1 सही है. आधुनिक इतिहासकार डी.सी. सरकार के अनुसार, इस काल में जाति व्यवस्था की एक महत्वपूर्ण विशेषता 'शूद्रों की सामाजिक स्थिति का क्रमिक उत्थान' था। हालाँकि उन्हें वेदों का अध्ययन करने की अनुमति नहीं थी, फिर भी वे जन्म, मृत्यु, नाम देना आदि जैसे स्मार्त अनुष्ठानों के पात्र बन गए। जैसे-जैसे कृषि का विस्तार हुआ, कई आदिवासियों को इस श्रेणी में शामिल किया गया। जाट जो सिंध में एक चरवाहा खानाबदोश जनजाति थे, धीरे-धीरे पंजाब चले गए और कृषक सह योद्धा बन गए। हालाँकि वर्ण व्यवस्था में उन्हें शूद्रों के रूप में वर्गीकृत किया गया था, फिर भी वे एक उच्च वर्ग का गठन करते थे और खुद को राजपूतों के बराबर मानते थे।
- कथन 2 गलत है. शूद्रों की तुलना में दलितों की स्थिति ख़राब होती दिख रही है। दलितों में मैला ढोना, मृत जानवरों की खाल उतारना, जूते बनाने वाले, शिकारी आदि जैसे पेशे शामिल थे। इन लोगों को अंत्यज या अछूत कहा जाता था, और चार गुना वर्ण व्यवस्था के बाहर, पांचवें सामाजिक ग्रेड का गठन किया गया था। उन्हें अक्सर ऊंची जातियों के निवास वाले क्षेत्रों से दूर रहना पड़ता था। स्मृतियों में इस बात पर भी चर्चा है कि अंत्यज की छाया अपवित्र थी या नहीं। देश के कुछ हिस्सों में, चांडालों को चलते समय लकड़ी के बोर्ड पर छड़ी मारनी पड़ती थी ताकि ऊंची जाति के लोग उनके संपर्क में न आएं। देश के अधिकांश क्षेत्रों में इन वर्गों को खेती योग्य भूमि का मालिक बनने की अनुमति नहीं थी।
- कथन 3 सही है. इस काल में दासप्रथा भी विद्यमान थी। युद्धबंदियों, देनदार जो अपनी हिस्सेदारी का भुगतान करने में असमर्थ हैं, उन्हें गुलामी में बेचा जा सकता है। सामान्य तौर पर, दासों के साथ अंत्यज या तिरस्कृत जाति के लोगों की तुलना में बेहतर व्यवहार किया जाता था। हालाँकि दासों का उपयोग लड़ाई के लिए नहीं किया जाता था, वे लड़ सकते थे क्योंकि हमें बताया जाता है कि यदि कोई दास अपने मालिक की जान बचाता है, तो वह स्वतंत्र हो जाता है और अपने मालिक की संपत्ति का हिस्सा पाने का हकदार होता है। अपने स्वामी के लिए एक बच्चे को जन्म देने वाली दासी भी स्वतंत्र हो गई। सामान्य तौर पर, किसी दास की मुक्ति को एक अच्छा कार्य माना जाता था और ऐसा करने के लिए नियम निर्धारित थे।
- कथन 4 गलत है. पहले की तरह, महिलाओं को आमतौर पर मानसिक रूप से हीन माना जाता था। उनका कर्तव्य था कि वे अपने पतियों की आज्ञा का आँख मूँद कर पालन करें। महिलाओं को वेदों का अध्ययन करने के अधिकार से वंचित रखा जाता रहा। इसके अलावा, लड़कियों की विवाह योग्य आयु कम कर दी गई, जिससे उच्च शिक्षा के उनके अवसर नष्ट हो गए।

75. Answer C
- Statement a is incorrect: The Turks started constructing their own buildings. For this purpose, they mostly used the indigenous craftsmen, (and not from central Asia) such as stone-cutters, masons, etc., who were famous for their skills. Later, some master architects came to India from West Asia.
- Statement b is incorrect: The Turks added colour to their buildings by using red sandstone. The yellow sandstone or marble was used in these buildings for decoration and to show off the colour of red sandstone.
- Statement c is correct: The arch and the dome needed strong cement, otherwise the stones could not be held in place. The Turks used fine quality light mortar in their buildings. Thus, new architectural forms and mortar of a superior kind became widespread in north India, with the arrival of the Turks.
- Statement d is incorrect: The Turks used the arch and the dome on a wide scale in their buildings. However, neither the arch nor the dome was a Turkish or Muslim invention. The Arabs borrowed them from Rome through the Byzantine empire, developed them and made them their own.

76. Answer D
- Statement 1 is correct: The Mughals knew the technique of production of gunpowder and its use in gunnery, another application of Chemistry. The Indian crafts persons learnt the technique in evolved suitable explosive composition. The work Sukraniti attributed to Shukracharya contains a description of how gunpowder can be prepared using saltpeter, Sulphur and charcoal in different ratios for use in different types of guns.
- Statement 2 is correct: The work Ain –I-Akbari speaks of the regulation of the Perfume office of Akbar. The attar (perfume) of roses was a popular perfume, which is supposed to have been discovered by Nurjehan.
- Statement 3 is correct: There were advancements in the field of Biology in the medieval era. Hamsadeva compiled a work in the field of Biology entitled Mrga-paksi-sastra in the thirteenth century. This gives a general, though not always scientific, account of some animal and bird hunting.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

75. उत्तर सी
- कथन गलत है: तुर्कों ने अपनी इमारतों का निर्माण शुरू कर दिया। इस उद्देश्य के लिए, उन्होंने ज्यादातर स्वदेशी कारीगरों (और मध्य एशिया से नहीं) जैसे पत्थर काटने वाले, राजमिस्त्री आदि का इस्तेमाल किया, जो अपने कौशल के लिए प्रसिद्ध थे। बाद में, कुछ मास्टर आर्किटेक्ट पश्चिम एशिया से भारत आए।
- कथन बी गलत है: तुर्कों ने लाल बलुआ पत्थर का उपयोग करके अपनी इमारतों में रंग जोड़ा। इन इमारतों में सजावट के लिए और लाल बलुआ पत्थर का रंग दिखाने के लिए पीले बलुआ पत्थर या संगमरमर का उपयोग किया जाता था।
- कथन c सही है: मेहराब और गुंबद को मजबूत सीमेंट की आवश्यकता थी, अन्यथा पत्थरों को जगह पर नहीं रखा जा सकता था। तुर्क अपनी इमारतों में अच्छी गुणवत्ता वाले हल्के गारे का प्रयोग करते थे। इस प्रकार, तुर्कों के आगमन के साथ, उत्तर भारत में नए वास्तुशिल्प रूप और बेहतर प्रकार के मोर्टार व्यापक हो गए।
- कथन d गलत है: तुर्कों ने अपनी इमारतों में मेहराब और गुंबद का व्यापक पैमाने पर उपयोग किया। हालाँकि, न तो मेहराब और न ही गुंबद तुर्की या मुस्लिम आविष्कार था। अरबों ने इन्हें बीजान्टिन साम्राज्य के माध्यम से रोम से उधार लिया, विकसित किया और अपना बना लिया।

76. उत्तर डी
- कथन 1 सही है: मुगल बारूद के उत्पादन की तकनीक और तोपखाने में इसके उपयोग को जानते थे, जो रसायन विज्ञान का एक और अनुप्रयोग है। भारतीय शिल्पकारों ने उपयुक्त विस्फोटक संरचना विकसित करने की तकनीक सीखी। शुक्राचार्य द्वारा रचित कृति शुक्रनीति में इस बात का वर्णन है कि विभिन्न प्रकार की बंदूकों में उपयोग के लिए अलग-अलग अनुपात में साल्टपीटर, सल्फर और चारकोल का उपयोग करके बारूद कैसे तैयार किया जा सकता है।
- कथन 2 सही है: आइन-ए-अकबरी कृति अकबर के इत्र कार्यालय के नियमन की बात करती है। गुलाब का इत्र (इत्र) एक लोकप्रिय इत्र था, जिसके बारे में माना जाता है कि इसकी खोज नूरजहाँ ने की थी।
- कथन 3 सही है: मध्यकालीन युग में जीव विज्ञान के क्षेत्र में प्रगति हुई थी। तेरहवीं शताब्दी में हंसदेव ने जीव विज्ञान के क्षेत्र में मृग-पक्षी-शास्त्र नामक एक रचना संकलित की। यह कुछ जानवरों और पक्षियों के शिकार का एक सामान्य, हालांकि हमेशा वैज्ञानिक नहीं, विवरण देता है।

77. Answer A

- Statement 1 is correct: The Mughal paintings reached its zenith in the period of Jahangir. He was a naturalist by nature and preferred the paintings of flora and fauna, i.e., birds, animals, trees and flowers. He shifted from illustrated manuscripts to albums and emphasized on bringing naturalism to portrait (individual) paintings.
- Statement 2 is incorrect: In contrast to the Akbar's atelier, where the works were mass produced, Jahangir's atelier gave preference to a lesser number and better quality of artworks produced by a single master artist.
- Statement 3 is incorrect: Jahangir was known as an expert in drawing even the most complex faces of humans. An animal fable called Ayar-i-Danish (Touchstone of Knowledge) was the most famous work illustrated during his reign. Ustad Mansoor was one of his most famous artists. However, Tutinama, Hamza Nama, Anvar-i-Suhaili and Gulistan of Sadi were prominent illustrations during Akbar's reign.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

77. उत्तर ए

- कथन 1 सही है: जहाँगीर के काल में मुग़ल चित्रकला अपने चरम पर पहुँच गई थी। वह स्वभाव से प्रकृतिवादी थे और वनस्पतियों और जीवों, यानी पक्षियों, जानवरों, पेड़ों और फूलों की पेंटिंग पसंद करते थे। उन्होंने सचित्र पांडुलिपियों से एल्बमों की ओर रुख किया और प्रकृतिवाद को चित्र (व्यक्तिगत) चित्रों में लाने पर जोर दिया।
- कथन 2 गलत है: अकबर के एटेलियर के विपरीत, जहां काम बड़े पैमाने पर उत्पादित होते थे, जहांगीर के एटेलियर ने एक ही मास्टर कलाकार द्वारा उत्पादित कलाकृतियों की कम संख्या और बेहतर गुणवत्ता को प्राथमिकता दी।
- कथन 3 गलत है: जहाँगीर को मनुष्यों के सबसे जटिल चेहरों को भी चित्रित करने में एक विशेषज्ञ के रूप में जाना जाता था। अयार-ए-दानिश (ज्ञान की कसौटी) नामक पशु कथा उनके शासनकाल के दौरान चित्रित सबसे प्रसिद्ध कृति थी। उस्ताद मंसूर उनके सबसे प्रसिद्ध कलाकारों में से एक थे। हालाँकि, तूतीनामा, हमजा नामा, अनवर-ए-सुहैली और सादी का गुलिस्तान अकबर के शासनकाल के प्रमुख उदाहरण थे।

78. Answer D

- Statement 1 is correct. The construction of both Mughal and Sultanate periods is marked by the use of red sandstone. The Khilji dynasty ruled from 1290 AD to 1320 AD and established the Seljuk style of architecture. The constructions of this period were marked by the use of red sandstone. Also, the prominence of Arcuade style began from this period. Mortar began to be used prominently in all the constructions as a cementing agent. Akbar took a keen interest in the development of art and architecture. The principal feature of the constructions during Mughal especially during Akbar's reign was the use of red sandstone.
- Statement 2 is correct. The Islamic rulers introduced the use of minars around the mosques and the mausoleums. A form of stambha or tower was the minar, a common feature in the sub-continent. Two most striking minars of medieval times are the Qutub Minar in Delhi and the Chand Minar at Daulatabad Fort. The everyday use of the minar was for the azaan or call to prayer. Its phenomenal height, however, symbolized the might and power of the ruler. The Qutub Minar also came to be associated with the much-revered saint of Delhi, Khwaja Qutbuddin Bakhtiyar Kaki. On the other hand, use of minars was also a widely used feature during Mughals. Hiran Minar was built in memory of Akbar's favorite elephant, named Hiran. It also served as a lighthouse for travellers. It is uniquely designed and its exterior wall contains tusk-like spikes.
- Statement 3 is correct. Construction of tombs and monumental structure over graves of rulers was a popular feature of both Mughal and sultanate period. Some well-known examples of such tombs are those of Ghyasuddin Tughlaq, Humayun, Abdur Rahim Khan-i-Khanan in Delhi, Akbar and Itmad Ud Daulah in Agra.

78. उत्तर डी

- कथन 1 सही है. मुगल और सल्तनत दोनों काल के निर्माण कार्यों में लाल बलुआ पत्थर का उपयोग किया गया है। खिलजी वंश ने 1290 ई. से 1320 ई. तक शासन किया और वास्तुकला की सेल्जुक शैली की स्थापना की। इस काल के निर्माणों में लाल बलुआ पत्थर का प्रयोग किया गया था। साथ ही, आर्कुएड शैली की प्रमुखता इसी काल से शुरू हुई। मोर्टार का प्रयोग सभी निर्माणों में सीमेंटिंग एजेंट के रूप में प्रमुखता से किया जाने लगा। अकबर ने कला और वास्तुकला के विकास में गहरी रुचि ली। मुगलों के दौरान विशेषकर अकबर के शासनकाल के दौरान निर्माणों की प्रमुख विशेषता लाल बलुआ पत्थर का उपयोग था।
- कथन 2 सही है. इस्लामी शासकों ने मस्जिदों और मकबरों के आसपास मीनारों का उपयोग शुरू किया। स्तंभ या मीनार का एक रूप मीनार था, जो उपमहाद्वीप में एक सामान्य विशेषता थी। मध्यकाल की दो सबसे आकर्षक मीनारें दिल्ली में कुतुब मीनार और दौलताबाद किले में चांद मीनार हैं। मीनार का रोजमर्रा का उपयोग अज़ान या प्रार्थना के लिए होता था। हालाँकि, इसकी अभूतपूर्व ऊँचाई शासक की ताकत और शक्ति का प्रतीक थी। कुतुब मीनार का संबंध दिल्ली के बहुत प्रतिष्ठित संत ख्वाजा कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी से भी माना जाता है। दूसरी ओर, मुगलों के दौरान मीनारों का उपयोग भी व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली विशेषता थी। हिरण मीनार का निर्माण अकबर के पसंदीदा हाथी, जिसका नाम हिरण था, की याद में किया गया था। यह यात्रियों के लिए प्रकाशस्तंभ के रूप में भी काम करता था। इसे विशिष्ट रूप से डिजाइन किया गया है और इसकी बाहरी दीवार में दांत जैसी कीलें हैं।
- कथन 3 सही है. शासकों की कब्रों पर कब्रों और स्मारकीय संरचनाओं का निर्माण मुगल और सल्तनत दोनों काल की एक लोकप्रिय विशेषता थी। ऐसे मकबरों के कुछ प्रसिद्ध उदाहरण ग्यासुद्दीन तुगलक, हुमायूँ, दिल्ली में अब्दुर रहीम खान-ए-खानन, अकबर और आगरा में इतमाद उद दौला के हैं।

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

79. Answer D
Explanation

- As the Delhi Sultans brought the hinterland of the cities under their control, they forced the landed chieftains 'the Samanta aristocrats' and rich landlords to accept their authority.
- Under Alauddin Khalji the state brought the assessment and collection of land revenue under its own control. The rights of the local chieftains to levy taxes were cancelled and they were also forced to pay taxes. Hence, Statement 1 is correct.
- The Sultan's administrators measured the land and kept careful accounts. Some of the old chieftains and landlords served the Sultanate as revenue collectors and assessors. There were three types of taxes – (1) on cultivation called kharaj and amounting to about 50 percent of the peasant's produce, (2) on cattle, and (3) on houses. Hence, statements 2 and 3 are correct

80. Answer C
The essential characteristics of Sufism are:

- Fana: Spiritual merger of the devotee with Allah
- Insan-e-Kamil: Perfect human with all good virtues
- Zikr-Tauba: the remembrance of god all the time (zikr)
- Wahdatul-Wajood: one god for the entire universe; unity of god and being.
- Sama: spiritual dance and music. Hence, option (c) is correct.

79. उत्तर D
स्पष्टीकरण

- जैसे ही दिल्ली के सुल्तानों ने शहरों के भीतरी इलाकों को अपने नियंत्रण में लाया, उन्होंने जमींदार सरदारों 'सामंत अभिजात' और अमीर जमींदारों को अपना अधिकार स्वीकार करने के लिए मजबूर किया।
- अलाउद्दीन खिलजी के अधीन राज्य ने भू-राजस्व के मूल्यांकन और संग्रहण को अपने नियंत्रण में ले लिया। स्थानीय सरदारों के कर लगाने के अधिकार रद्द कर दिये गये और उन्हें भी कर देने के लिये बाध्य किया गया। इसलिए, कथन 1 सही है।
- सुल्तान के प्रशासकों ने भूमि की माप की और सावधानीपूर्वक हिसाब-किताब रखा। कुछ पुराने सरदारों और जमींदारों ने राजस्व संग्रहकर्ता और मूल्यांकनकर्ता के रूप में सल्तनत की सेवा की। तीन प्रकार के कर थे - (1) खेती पर जिसे खराज कहा जाता था और यह किसानों की उपज का लगभग 50 प्रतिशत होता था, (2) मवेशियों पर, और (3) घरों पर। इसलिए, कथन 2 और 3 सही हैं

80. उत्तर C
सूफ़ीवाद की आवश्यक विशेषताएँ हैं:

- फ़ना: भक्त का अल्लाह के साथ आध्यात्मिक विलय
- इंसान-ए-कामिल: सभी अच्छे गुणों वाला पूर्ण इंसान
- ज़िक्र-तौबा: हर समय ईश्वर का स्मरण (ज़िक्र)
- वहदतुल-वजूद: पूरे ब्रह्मांड के लिए एक ईश्वर; ईश्वर और अस्तित्व की एकता.
- समा: आध्यात्मिक नृत्य और संगीत। इसलिए, विकल्प (सी) सही है।

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

81. Answer A
- Statement 1 is incorrect: Sher Shah did not make many changes in the administrative divisions prevailing since the Sultanate period. He apparently continued the central machinery of administration which had developed during the Sultanate period.
- Statement 2 is incorrect: Sher Shah did not initiate any new liberal policies. Jizyah continued to be collected from the Hindus.
- Sher Shah and the Sur Empire (1540-1555)
- Sher Shah ascended the throne of Delhi at the age of 54. His original name was Farid and his father was a small jagirdar at Jaunpur. The title of Sher Khan was given to him by his patron for killing a tiger or for services rendered.
- As a ruler, Sher Shah ruled the mightiest empire which had come into existence in north India since the time of Muhammad bin Tughlaq. His empire extended from Bengal to the Indus, excluding Kashmir. In the west, he conquered Malwa, and almost the entire Rajasthan.

82. Answer B

When the sufi saint died, his tomb shrine-dargah became the center of his followers' devotion. This encouraged pilgrimage or ziyarat to his grave, especially on his death anniversary, as a symbol of his soul's oneness with God. People thought that when saints died, they were united with God and hence closer to Him than when they were alive. Hence statement 1 is correct.

The practice was prevalent even during the times of the Delhi sultanate. The earliest textual references to Khwaja Muinuddin's dargah date to the fourteenth century. The Dargah was evidently popular because of the austerity and piety of its Shaikh, the greatness of its spiritual successors, and the patronage of royal visitors. Muhammad bin Tughlaq was the first sultan to visit the shrine as per the available references. Hence statement 2 is not correct.

The use of music and dance, especially mystical chanting performed by specially trained musicians or qawwals to elicit divine ecstasy, is a significant aspect of ziyarat. Sufis remember God by repeating the zikr (Divine Names) or by evoking his Presence through sama' (literally, "audition"), or the performance of mystical music, which eventually led to the development of the Qawwali style of music. Hence statement 3 is correct.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

81. उत्तर ए

कथन 1 गलत है: शेरशाह ने सल्तनत काल से प्रचलित प्रशासनिक प्रभागों में कई बदलाव नहीं किए। उन्होंने स्पष्ट रूप से प्रशासन की केंद्रीय मशीनरी को जारी रखा जो सल्तनत काल के दौरान विकसित हुई थी।

कथन 2 गलत है: शेरशाह ने कोई नई उदारवादी नीतियां शुरू नहीं कीं। हिंदुओं से जजिया वसूला जाता रहा।

शेरशाह और सूर साम्राज्य (1540-1555)

शेरशाह 54 वर्ष की उम्र में दिल्ली की गद्दी पर बैठा। उसका मूल नाम फरीद था और उसके पिता जौनपुर में एक छोटे जागीरदार थे। शेर खान की उपाधि उसे उसके संरक्षक द्वारा एक बाघ को मारने या प्रदान की गई सेवाओं के लिए दी गई थी।

एक शासक के रूप में, शेरशाह ने सबसे शक्तिशाली साम्राज्य पर शासन किया जो मुहम्मद बिन तुगलक के समय से उत्तर भारत में अस्तित्व में आया था। उनका साम्राज्य कश्मीर को छोड़कर बंगाल से सिंधु तक फैला हुआ था। पश्चिम में उसने मालवा तथा लगभग सम्पूर्ण राजस्थान पर विजय प्राप्त की।

82. उत्तर बी

जब सूफी संत की मृत्यु हुई, तो उनकी कब्र-दरगाह उनके अनुयायियों की भक्ति का केंद्र बन गई। इसने उनकी कब्र पर तीर्थयात्रा या ज़ियारत को प्रोत्साहित किया, विशेष रूप से उनकी मृत्यु की सालगिरह पर, भगवान के साथ उनकी आत्मा की एकता के प्रतीक के रूप में। लोगों ने सोचा कि जब संत मर जाते हैं, तो वे भगवान के साथ एकजुट हो जाते हैं और इसलिए जब वे जीवित थे, तब की तुलना में वे उनके अधिक करीब होते हैं। अतः कथन 1 सही है।

यह प्रथा दिल्ली सल्तनत के समय में भी प्रचलित थी। ख्वाजा मुइनुद्दीन की दरगाह का सबसे पहला लिखित उल्लेख चौदहवीं शताब्दी का है। दरगाह स्पष्ट रूप से अपने शेख की तपस्या और धर्मपरायणता, अपने आध्यात्मिक उत्तराधिकारियों की महानता और शाही आगंतुकों के संरक्षण के कारण लोकप्रिय थी। उपलब्ध संदर्भों के अनुसार मुहम्मद बिन तुगलक इस दरगाह पर जाने वाला पहला सुल्तान था। अतः कथन 2 सही नहीं है।

संगीत और नृत्य का उपयोग, विशेष रूप से दिव्य परमानंद प्राप्त करने के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित संगीतकारों या कव्वालों द्वारा किया जाने वाला रहस्यमय मंत्रोच्चार, ज़ियारत का एक महत्वपूर्ण पहलू है। सूफ़ी ज़िक्र (ईश्वरीय नाम) को दोहराकर या समा (शाब्दिक रूप से, "ऑडिशन"), या रहस्यमय संगीत के प्रदर्शन के माध्यम से उनकी उपस्थिति को उजागर करके भगवान को याद करते हैं, जिससे अंततः संगीत की कव्वाली शैली का विकास हुआ। अतः कथन 3 सही है।

83. Answer A

- Tripartite struggle in Northern India The Pratihara Empire, the Pala Empire, and the Rashtrakuta Empire were all involved in the Tripartite Struggle.
- In the ninth century, the tripartite struggle was for control of Northern India. Ultimately, the Pratiharas triumphed. Kannauj was regarded as a symbol of status and authority during the early mediaeval period.
- Kannauj was Harshvardhana's empire's former capital, and control of it represented political dominance over northern India. Control of Kannauj meant control of the Central Gangetic valley, which was resource-rich and thus strategically and commercially significant. This location was ideal for trade and commerce because it was connected to the Silk Road.
- Kannauj was ruled by three kings between the end of the eighth century and the first quarter of the ninth century: Indrayudha, Vijrayudha, and Chakrayudha. These kings were extremely weak and easily defeated. The Rashtrakutas were drawn to Kannauj by the desire to plunder through warfare.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

83. उत्तर ए

- उत्तरी भारत में त्रिपक्षीय संघर्ष प्रतिहार साम्राज्य, पाल साम्राज्य और राष्ट्रकूट साम्राज्य सभी त्रिपक्षीय संघर्ष में शामिल थे।
- नौवीं शताब्दी में त्रिपक्षीय संघर्ष उत्तरी भारत पर नियंत्रण के लिए था। अंततः प्रतिहारों की विजय हुई। प्रारंभिक मीडियाकाल के दौरान कन्नौज को स्थिति और अधिकार का प्रतीक माना जाता था।
- कन्नौज, हर्षवर्द्धन के साम्राज्य की पूर्व राजधानी थी और इस पर नियंत्रण उत्तरी भारत पर राजनीतिक प्रभुत्व का प्रतिनिधित्व करता था। कन्नौज पर नियंत्रण का अर्थ मध्य गंगा घाटी पर नियंत्रण था, जो संसाधन-संपन्न थी और इस प्रकार रणनीतिक और व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण थी। यह स्थान व्यापार और वाणिज्य के लिए आदर्श था क्योंकि यह सिल्क रोड से जुड़ा था।
- आठवीं शताब्दी के अंत और नौवीं शताब्दी की पहली तिमाही के बीच कन्नौज पर तीन राजाओं का शासन था: इंद्रायुध, विजरायुध और चक्रायुध। ये राजा अत्यंत कमज़ोर थे और आसानी से पराजित हो जाते थे। युद्ध के माध्यम से लूटने की इच्छा से राष्ट्रकूट कन्नौज की ओर आकर्षित हुए।

84. Answer C

- Statement 4 is incorrect: Muhammad bin Tughlaq (ruled, 1324-51) was the first Sultan to visit the dargah of Khwaja Muinuddin.

Chisti Order in the Subcontinent

Among the many groups of Sufis who migrated to India in the late twelfth century, the Chishtis were the most influential. This was because they adapted successfully to the local environment and adopted several features of Indian devotional traditions.

85. Answer D

Statement 1 is not correct: The Chishti saints led a simple, austere life, and conversed with people in Hindawi, their local dialect. They mingled freely with people of the lower classes, including the Hindus. They preferred to keep aloof from state politics and shunned the company of rulers and nobles.

Unlike the Chishtis, the Suharwardi saints did not believe in leading a life of poverty. They accepted the service of the state, and some of them held important posts in the ecclesiastical department.

Statement 2 is not correct: The Chishti order was established in India by Khwaja Muinuddin Chishti who came to India around 1192, shortly after the defeat and death of Prithvi Raj Chauhan. After staying for some time in Lahore and Delhi he finally shifted to Ajmer which was an important political centre and already had a sizable Muslim population.

Statement 3 is not correct: The most famous of the Chishti saints were the Nizamuddin Auliya and Nasiruddin Chiragh-i-Delhi. Hamid-ud-Din Nagori was a well-known saint of the Suharwardi order.

84. उत्तर सी

कथन 4 गलत है: मुहम्मद बिन तुगलक (शासनकाल, 1324-51) ख्वाजा मुइनुद्दीन की दरगाह पर जाने वाले पहले सुल्तान थे।

उपमहाद्वीप में चिश्ती आदेश

बारहवीं शताब्दी के अंत में भारत में प्रवास करने वाले सूफियों के कई समूहों में से चिश्ती सबसे प्रभावशाली थे। ऐसा इसलिए था क्योंकि उन्होंने स्थानीय वातावरण में सफलतापूर्वक अनुकूलन किया और भारतीय भक्ति परंपराओं की कई विशेषताओं को अपनाया।

85. उत्तर डी

कथन 1 सही नहीं है: चिश्ती संतों ने एक सरल, संयमित जीवन व्यतीत किया और लोगों से अपनी स्थानीय बोली हिंदवी में बातचीत की। वे हिंदुओं सहित निम्न वर्ग के लोगों के साथ स्वतंत्र रूप से घुलमिल गए। वे राज्य की राजनीति से अलग रहना पसंद करते थे और शासकों और अमीरों की संगति से दूर रहते थे।

चिश्तियों के विपरीत, सुहरवर्दी संत गरीबी का जीवन जीने में विश्वास नहीं करते थे। उन्होंने राज्य की सेवा स्वीकार कर ली और उनमें से कुछ ने चर्च विभाग में महत्वपूर्ण पद संभाले।

कथन 2 सही नहीं है: भारत में चिश्ती आदेश की स्थापना ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती द्वारा की गई थी, जो पृथ्वी राज चौहान की हार और मृत्यु के तुरंत बाद 1192 के आसपास भारत आए थे। लाहौर और दिल्ली में कुछ समय तक रहने के बाद अंततः वह अजमेर चले गए जो एक महत्वपूर्ण राजनीतिक केंद्र था और वहां पहले से ही बड़ी संख्या में मुस्लिम आबादी थी।

कथन 3 सही नहीं है: चिश्ती संतों में सबसे प्रसिद्ध निज़ामुद्दीन औलिया और नसीरुद्दीन चिराग-ए-दिल्ली थे। हामिद-उद-दीन नागोरी सुहरवर्दी संप्रदाय के एक प्रसिद्ध संत थे।

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

86. Answer A

Statement 1 is correct: Khudkashts were the rich/prosperous peasants who owned tracts of land and tools of agriculture.

Statement 2 is not correct: They paid land revenue at customary rates. Some of them had many ploughs and bullocks which they let out to their poorer brethren, the tenants or muzarian who generally paid land revenue at a higher rate. These two groups were the largest section among the cultivators in the village.

Statement 3 is not correct: The khudkasht who claimed to be the original settlers of the village often belonged to a single dominant caste or castes. These castes not only dominated the village society, they exploited the other or weaker sections. In turn, they were often exploited by the zamindars.

87. Answer B

Statement 1 is correct: Arts from Pallava and Chola dynasties represent the eternal struggle between the forces of good and evil, in which the good ultimately triumphs.

Statement 2 is not correct: The mighty Cholas who succeeded the Pallavas and ruled over South India from the 9th to 13th centuries A.D. created the great temples at Thanjavur, Gangaikonda Cholapuram, Darasurama, which are a veritable treasure house of their art. A good example of Chola craftsmanship in the 11th century is the relief carving of Siva as Gajsurasamaharamurti. The irate god is engaged in a vigorous dance of fierce ecstasy after having killed the elephant demon, who has given so much trouble to the rishis and his devotees. The hide of the demon is spread aloft by the god, using it as a sort of cover. Devi stands at the lower right corner as the only awe-struck spectator of the divine act of retribution.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

86. उत्तर ए

कथन 1 सही है: ख़ुदकाश्त अमीर/समृद्ध किसान थे जिनके पास भूमि और कृषि के उपकरण थे।

कथन 2 सही नहीं है: उन्होंने प्रथागत दरों पर भू-राजस्व का भुगतान किया। उनमें से कुछ के पास बहुत सारे हल और बैल थे जिन्हें वे अपने गरीब भाइयों, किरायेदारों या मुज़ारियों को दे देते थे जो आम तौर पर उच्च दर पर भू-राजस्व का भुगतान करते थे। ये दोनों समूह गाँव के कृषकों में सबसे बड़ा वर्ग थे।

कथन 3 सही नहीं है: ख़ुदकाश्त जो गाँव के मूल निवासी होने का दावा करते थे, अक्सर एक ही प्रमुख जाति या जातियों से संबंधित होते थे। ये जातियाँ न केवल ग्रामीण समाज पर हावी थीं, बल्कि उन्होंने अन्य या कमजोर वर्गों का शोषण भी किया। बदले में, जमींदारों द्वारा अक्सर उनका शोषण किया जाता था।

87. उत्तर बी

कथन 1 सही है: पल्लव और चोल राजवंशों की कलाएँ अच्छे और बुरे की ताकतों के बीच शाश्वत संघर्ष का प्रतिनिधित्व करती हैं, जिसमें अंततः अच्छाई की जीत होती है।

कथन 2 सही नहीं है: शक्तिशाली चोल, जो पल्लवों के उत्तराधिकारी थे और 9वीं से 13वीं शताब्दी तक दक्षिण भारत पर शासन करते थे, ने तंजावुर, गंगईकोंडा चोलपुरम, दारासुरमा में महान मंदिरों का निर्माण किया, जो उनकी कला का एक वास्तविक खजाना हैं। 11वीं शताब्दी में चोल शिल्प कौशल का एक अच्छा उदाहरण गजसुरसामहामूर्ति के रूप में शिव की नक्काशी है। हाथी दानव को मारने के बाद, जिसने ऋषियों और उनके भक्तों को इतनी परेशानी दी है, क्रोधित भगवान भयंकर आनंद के जोरदार नृत्य में लगे हुए हैं। राक्षस की खाल को भगवान द्वारा ऊपर फैलाया जाता है, इसे एक प्रकार के आवरण के रूप में उपयोग किया जाता है। देवी प्रतिशोध के दैवीय कृत्य की एकमात्र विस्मयकारी दर्शक के रूप में निचले दाएं कोने पर खड़ी हैं।

88. Answer A

Statement 3 is incorrect: Alauddin marched against Gujarat ruler Rai Karan to conquer the region. The ruler fled away. Alauddin married the Raja's wife Kamla Bai and acquired Malik Kafur who was serving under them. Later Malik KAfur became commander of Alauddin and held office of the Naib under him.

89. Answer (c)

Context: Rani Durgavati, the Queen of the Gond Kingdom of Garha-Katanga, was commemorated on her 500th Birth Anniversary on October 5.

About Rani Durgavati

Born in 1524 into the Chandela dynasty of Mahoba, she was the daughter of Raja Salbahan of Ratha and Mahoba.

She was married to Dalpat Shah, son of Gond King Sangram Shah, who ruled over the powerful Garha-Katanga kingdom, spanning the Narmada Valley and parts of northern Madhya Pradesh.

After Dalpat Shah's death in 1550, Rani Durgavati became regent for her young son, Bir Narayan, and ruled the kingdom with courage.

According to Tarikh-i-Firishta Durgavati repulsed Baz Bahadur, the ruler of Malwa, who had attacked her kingdom between 1555 and 1560.

She fiercely defended her kingdom against the Mughal Subedar Abdul Mazid Khan, dying on the battlefield.

Later Akbar restored control of the region to Chandra Shah, the younger son of Sangram Shah, after he accepted Mughal suzerainty.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

88. उत्तर ए

कथन 3 गलत है: अलाउद्दीन ने इस क्षेत्र को जीतने के लिए गुजरात के शासक राय करण के खिलाफ चढ़ाई की। शासक भाग गया. अलाउद्दीन ने राजा की पत्नी कमला बाई से विवाह किया और मलिक काफूर को प्राप्त कर लिया जो उनके अधीन कार्यरत था। बाद में मलिक काफूर अलाउद्दीन का सेनापति बन गया और उसके अधीन नायब का पद संभाला।

89. उत्तर (c)

संदर्भ: गढ़ा-कटंगा के गोंड साम्राज्य की रानी रानी दुर्गावती को 5 अक्टूबर को उनकी 500वीं जयंती पर याद किया गया।

रानी दुर्गावती के बारे में

महोबा के चंदेला राजवंश में 1524 में जन्मी, वह राठ और महोबा के राजा सलबहन की बेटी थीं।

उनका विवाह गोंड राजा संग्राम शाह के बेटे दलपत शाह से हुआ था, जिन्होंने नर्मदा घाटी और उत्तरी मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में फैले शक्तिशाली गढ़ा-कटंगा साम्राज्य पर शासन किया था।

1550 में दलपत शाह की मृत्यु के बाद, रानी दुर्गावती अपने छोटे बेटे, बीर नारायण की रीजेंट बन गईं और साहस के साथ राज्य पर शासन किया।

तारीख-ए-फ़रिश्ता के अनुसार दुर्गावती ने मालवा के शासक बाज बहादुर को हराया, जिसने 1555 और 1560 के बीच उसके राज्य पर हमला किया था।

उसने मुग़ल सूबेदार अब्दुल मजीद खान के खिलाफ़ अपने राज्य की जमकर रक्षा की, और युद्ध के मैदान में ही मर गई।

बाद में अकबर ने संग्राम शाह के छोटे बेटे चंद्र शाह को मुग़ल आधिपत्य स्वीकार करने के बाद इस क्षेत्र का नियंत्रण वापस दे दिया।

ALIGANJ | INDIRA NAGAR | ALAMBAGH, LUCKNOW & KANPUR
WEBSITE :www.raceias.com, /raceiaslucknow
E-mail ID : www.raceias.2010@gmail.com
8917851448
MOCK TEST EXPLANATIONS
RACE IAS

90. Answer B
Reign of Malik Ambar

- Malik Ambar was an Abyssinian slave, born in Ethiopia.
- He rose to prominence from 1607 to 1626 when he was regent of the Nijamshahi of the Ahamednagar in the deccan.
- He was amongst one of a thousand other slaves purchased by Chengiz Khan a farmer Habshi slave and taken to deccan in early 1570s.
- He was set free after the death of Chenghiz Khan and later served for Sultan of Bijapur where he rose to power after getting charge of small troops and bestowed with the title "Malik".
- Statement 2 is incorrect: Aurangzeb renamed the city of Khirki to Aurangabad.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations
RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

90. उत्तर b
मलिक अम्बर का शासनकाल

- मलिक अंबर एक एबिसिनियन गुलाम था, जिसका जन्म इथियोपिया में हुआ था।
- वह 1607 से 1626 तक प्रमुखता से उभरे जब वह दक्कन में अहमदनगर के निज़ामशाही के शासक थे।
- वह उन हज़ार अन्य दासों में से एक था जिसे चंगेज खान ने एक किसान हब्शी दास के रूप में खरीदा था और 1570 के दशक की शुरुआत में डेक्कन ले जाया गया था।
- चंगेज़ खान की मृत्यु के बाद उन्हें आज़ाद कर दिया गया और बाद में उन्होंने बीजापुर के सुल्तान के लिए काम किया, जहाँ वे छोटे सैनिकों का प्रभार पाकर सत्ता में आए और उन्हें "मलिक" की उपाधि दी गई।
- कथन 2 गलत है: औरंगजेब ने खिड़की शहर का नाम बदलकर औरंगाबाद कर दिया।

91. Answer C
- Statement 1 is correct: During the early medieval period, Kannauj was seen as a sign of status and authority. Kannauj was the former capital of Harshvardhana's empire and control of it represented the political domination over northern India.
- Statement 2 is correct: Control of Kannauj also meant control of the Central Gangetic valley, which was rich in resources and hence strategically and commercially significant. Because it was connected to the Silk Road, this location was ideal for trade and commerce.

92. Answer A
- Statement 1 is incorrect: Pandays covers Tirunelveli, Madurai, Ramnad districts and south Travancore, not Cholas dynasty.
- Statement 2 is correct: Chera dynasty covers the Kerala coast.
- Statement 3 is incorrect: Cholas covers the Tanjore and Tiruchirappalli districts of Tamil Nadu, not Pandayas dynasty.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations
RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

91. उत्तर सी
- कथन 1 सही है: प्रारंभिक मध्ययुगीन काल के दौरान, कन्नौज को स्थिति और अधिकार के संकेत के रूप में देखा जाता था। कन्नौज, हर्षवर्द्धन के साम्राज्य की पूर्व राजधानी थी और इस पर नियंत्रण उत्तरी भारत पर राजनीतिक प्रभुत्व का प्रतिनिधित्व करता था।
- कथन 2 सही है: कन्नौज पर नियंत्रण का मतलब मध्य गंगा घाटी पर नियंत्रण भी था, जो संसाधनों से समृद्ध थी और इसलिए रणनीतिक और व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण थी। चूँकि यह सिल्क रोड से जुड़ा था, यह स्थान व्यापार और वाणिज्य के लिए आदर्श था।

92. उत्तर ए

कथन 1 गलत है: पांड्य तिरुनेलवेली, मदुरै, रामनाड जिलों और दक्षिण त्रावणकोर को कवर करते हैं, चोल वंश को नहीं।

कथन 2 सही है: चेर राजवंश केरल तट को कवर करता है।

कथन 3 गलत है: चोल तमिलनाडु के तंजौर और तिरुचिरापल्ली जिलों को कवर करते हैं, पांड्य वंश को नहीं।

93. Answer D

Society and Economy of Cholas

- Landholding was the primary determinant of social status and hierarchy in the Chola period's predominantly agrarian society.
- The Brahmin landholders known as brahmadeya-kilavars were created at the top brahmadeya settlements with tax exemption, displacing (kudi neekki) the local peasants. Temples were given land known as devadana, which was tax-free, as in brahmadeyams.
- During this time, the temples became a focal point for a variety of activities. The landowners of the vellanvagai villages were next in the social hierarchy.
- Ulukudi (tenants) could not own land and were forced to cultivate the lands of Brahmins and vellanvagai village holders.
- While landowners kept melvaram (the majority of the harvest), the ulukudi got kizh varam (lower share). Slaves (adimaigal) and labourers (paniceymakkal) remained at the bottom of the social hierarchy. During the Chola period, both Saivism and Vaishnavism flourished.
- Agriculture and industry both thrived. The reclamation of forest lands, as well as the construction and upkeep of irrigation tanks, resulted in agricultural prosperity. Kanchi's weaving industry thrived, particularly silk weaving. The metal works evolved as a result of the high demand for images for temples and utensils.
- With trunk roads or peruvazhis and merchant guilds, commerce and trade were brisk. Gold, silver, and copper coins of various denominations were abundantly issued.
- The Chola Empire had extensive commercial contacts with China, Sumatra, Java, and Arabia. To strengthen the cavalry, Arabian horses were imported in large numbers.

93. उत्तर डी

चोलों का समाज और अर्थव्यवस्था

- चोल काल के मुख्यतः कृषि प्रधान समाज में भूमि स्वामित्व सामाजिक स्थिति और पदानुक्रम का प्राथमिक निर्धारक था।
- ब्रह्मदेय-किलावर के नाम से जाने जाने वाले ब्राह्मण भूमिधारकों को स्थानीय किसानों को विस्थापित (कुड़ी नीक्की) कर कर छूट के साथ शीर्ष ब्रह्मदेय बस्तियों में बनाया गया था। मंदिरों को देवदान नामक भूमि दी जाती थी, जो कर-मुक्त थी, जैसा कि ब्रह्मदयम में था।
- इस समय के दौरान, मंदिर विभिन्न गतिविधियों का केंद्र बिंदु बन गए। वेल्लनवागई गांवों के जमींदार सामाजिक पदानुक्रम में अगले स्थान पर थे।
- उलुकुडी (किरायेदार) जमीन के मालिक नहीं हो सकते थे और उन्हें ब्राह्मणों और वेल्लनवागई ग्राम धारकों की जमीन पर खेती करने के लिए मजबूर किया गया था।
- जबकि ज़मींदार मेल्वरम (फ़सल का अधिकांश हिस्सा) रखते थे, उलुकुडी को किज़ वरम (कम हिस्सा) मिलता था। दास (एडिमाइगल) और मजदूर (पैनिसीमक्कल) सामाजिक पदानुक्रम में सबसे नीचे रहे। चोल काल में शैव और वैष्णव दोनों धर्मों का विकास हुआ।
- कृषि और उद्योग दोनों फले-फूले। वन भूमि के पुनर्ग्रहण के साथ-साथ सिंचाई टैंकों के निर्माण और रखरखाव के परिणामस्वरूप कृषि समृद्धि आई। कांची का बुनाई उद्योग फला-फूला, विशेषकर रेशम बुनाई। मंदिरों और बर्तनों के लिए छवियों की उच्च मांग के परिणामस्वरूप धातु की कलाकृतियाँ विकसित हुईं।
- ट्रंक सड़कों या पेरुवाज़ियों और व्यापारी संघों के साथ, वाणिज्य और व्यापार तेज था। विभिन्न मूल्यवर्ग के सोने, चाँदी और तांबे के सिक्के प्रचुर मात्रा में जारी किए गए।
- चोल साम्राज्य के चीन, सुमात्रा, जावा और अरब के साथ व्यापक व्यावसायिक संपर्क थे। घुड़सवार सेना को मजबूत करने के लिए बड़ी संख्या में अरबी घोड़ों का आयात किया जाता था।

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

94. Answer B
- Statement 3 is incorrect: Qutbuddin Aibak was succeeded by his son-in-law Iltutmish. Raziya Sultan was daughter of Iltutmish.
- The establishment of the Slave Dynasty is credited to Qutbuddin Aibak. The Slave Dynasty, also known as the Mamluk Dynasty, was the first Muslim dynasty to rule over the Delhi Sultanate in India. Qutbuddin Aibak is also known as Lakh Baksh.
- Iltutmish (1210–36) In 1210, Aibak died of injuries received in a fall from his horse while playing chaugan (polo). He was succeeded by Iltutmish who was the son-in-law of Aibak.

95. Answer A
- Statement 1 is correct: Muhammud Ghazni attacked India to plunder and loot wealth and gold from Indian temples.
- Statement 2 is correct: After defeating Jaipala, the ruler of the Hindu Shahi Dynasty, Fateh Daud of Multan, Anandpala of Nagarkot, and the Chandelas, rulers of Mathura, Kanauj, and Gwalior, he returned to Ghazni with enormous wealth.

96. Answer D

Muslim Invasions in India
- The first Muslim Invasion of India was by the Arabs, led by Muhammad Bin Qasim. It occurred in 711 AD and resulted in Sind's conquest. The first Turkish invasion of India was led by Mohammed Ghazni. He only attacked India for the sake of money.
- He attacked India seventeen times between 1000 and 1027 AD under the guise of Jihad. He launched his first invasion into India in 1001 AD.
- One of the main reasons the Turks were successful in invading India was that the country lacked unity and discrimination based on social and economic considerations was widespread. When the Turks entered India, they were politically united. Another explanation is that the Turks had a stronger army than the Rajputs.
- The Arabs came to India for trade, but prior to their attack on Sindh, their desire to increase military power grew stronger, and they became ambitious. They could take over the kingdom's resources, develop their military, and expand their control by invading India and defeating the Indian monarchs. The Battle of Rewar was fought by Muhammad bin Qasim and Raja Dahir.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

94. उत्तर बी
- कथन 3 गलत है: कुतुबुद्दीन ऐबक का उत्तराधिकारी उसका दामाद इल्तुतमिश था। रजिया सुल्तान इल्तुतमिश की बेटी थी।
- गुलाम वंश की स्थापना का श्रेय कुतुबुद्दीन ऐबक को दिया जाता है। गुलाम राजवंश, जिसे मामलुक राजवंश के नाम से भी जाना जाता है, भारत में दिल्ली सल्तनत पर शासन करने वाला पहला मुस्लिम राजवंश था। कुतुबुद्दीन ऐबक को लाख बख्श के नाम से भी जाना जाता है।
- इल्तुतमिश (1210-36) 1210 में ऐबक की चौगान (पोलो) खेलते समय घोड़े से गिरने से चोट लगने से मृत्यु हो गई। उसका उत्तराधिकारी इल्तुतमिश हुआ जो ऐबक का दामाद था।

95. उत्तर ए
- कथन 1 सही है: मुहम्मद गजनी ने भारतीय मंदिरों से धन और सोना लूटने के लिए भारत पर हमला किया।
- कथन 2 सही है: हिंदू शाही राजवंश के शासक जयपाल, मुल्तान के फतेह दाउद, नगरकोट के आनंदपाल और मथुरा, कनौज और ग्वालियर के चंदेल शासकों को हराने के बाद, वह भारी धन के साथ गजनी लौट आया।

96. उत्तर डी

भारत में मुस्लिम आक्रमण
- भारत पर पहला मुस्लिम आक्रमण मुहम्मद बिन कासिम के नेतृत्व में अरबों द्वारा किया गया था। यह 711 ई. में हुआ और इसके परिणामस्वरूप सिंध की विजय हुई। भारत पर प्रथम तुर्की आक्रमण का नेतृत्व मोहम्मद गजनी ने किया था। उसने केवल पैसों की खातिर भारत पर हमला किया।
- उसने जिहाद की आड़ में 1000 से 1027 ई. के बीच भारत पर सत्रह बार आक्रमण किया। उसने भारत पर अपना पहला आक्रमण 1001 ई. में किया।
- तुर्कों के भारत पर आक्रमण करने में सफल होने का एक मुख्य कारण यह था कि देश में एकता का अभाव था और सामाजिक और आर्थिक विचारों के आधार पर भेदभाव व्यापक था। जब तुर्कों ने भारत में प्रवेश किया तो वे राजनीतिक रूप से एकजुट थे। दूसरी व्याख्या यह है कि तुर्कों के पास राजपूतों की तुलना में अधिक मजबूत सेना थी।
- अरब व्यापार के लिए भारत आये, लेकिन सिंध पर आक्रमण से पहले उनकी सैन्य शक्ति बढ़ाने की इच्छा प्रबल हो गयी और वे महत्वाकांक्षी हो गये। वे राज्य के संसाधनों पर कब्ज़ा कर सकते थे, अपनी सेना विकसित कर सकते थे, और भारत पर आक्रमण करके और भारतीय राजाओं को हराकर अपना नियंत्रण बढ़ा सकते थे। रेवड़ की लड़ाई मुहम्मद बिन कासिम और राजा दाहिर द्वारा लड़ी गई थी।

97. Answer B

- Statement 3 is incorrect: They also used marble and red and yellow sandstones to add colour to their structures.

Qutbuddin Aibak (1206 AD -1210 AD)

- Qutbuddin Aibak was a Turkish slave who had risen to a high rank in Muhammad Ghori's army. He was the first independent.
- Muslim ruler of Northern India, the founder of the Delhi Sultanate. The Capital was Lahore. He consolidated his control over North India through an administrative hold over Delhi. He titled the name of Sultan and "Lakh Baksh" (due to his generosity). He died suddenly while playing Chaugan (horse polo).

98. Answer A

Balban (c. 1266 – 1286 CE)

- Balban's experience as a regent made him understand the problems of the Delhi Sultanate. He knew that the real threat to the monarchy was from the nobles called "The Forty". He, therefore, was sure that by enhancing the power and authority of the monarchy, he could solve the problem.
- According to Balban, the Sultan was God's shadow on earth, Zil-e-Ilahi and the recipient of divine grace, Nibyabat-e- Khudai.
- Balban enhanced the power of the monarchy. He introduced rigorous court discipline and new customs like prostration (sajida) and kissing the Sultan's feet (paibos) to prove his superiority over the nobles. He introduced the Persian festival of Nauroz to impress the nobles and people with his wealth and power.
- He stood forth as the champion of Turkish nobility. He excluded non-Turks from administration and Indian Muslims were not given important positions in the government. To monitor the activities of the nobles he appointed spies and developed an efficient spy system.

97. उत्तर बी

- कथन 3 गलत है: उन्होंने अपनी संरचनाओं में रंग जोड़ने के लिए संगमरमर और लाल और पीले बलुआ पत्थरों का भी उपयोग किया।

कुतुबुद्दीन ऐबक (1206 ई. -1210 ई.)

- कुतुबुद्दीन ऐबक एक तुर्की गुलाम था जो मुहम्मद गोरी की सेना में एक उच्च पद पर आसीन हुआ था। वह पहले स्वतंत्र थे।
- उत्तरी भारत का मुस्लिम शासक, दिल्ली सल्तनत का संस्थापक। राजधानी लाहौर थी। उन्होंने दिल्ली पर प्रशासनिक पकड़ के माध्यम से उत्तर भारत पर अपना नियंत्रण मजबूत किया। उन्होंने सुल्तान का नाम "लाख बख्श" (अपनी उदारता के कारण) रखा। चौगान (घोड़ा पोलो) खेलते समय उनकी अचानक मृत्यु हो गई।

98. उत्तर ए

बलबन (लगभग 1266 - 1286 ई.)

- एक शासक के रूप में बलबन के अनुभव ने उसे दिल्ली सल्तनत की समस्याओं को समझा। वह जानता था कि राजशाही को असली खतरा "द फोर्टी" कहे जाने वाले रईसों से है। इसलिए, उन्हें यकीन था कि राजशाही की शक्ति और अधिकार को बढ़ाकर, वह समस्या का समाधान कर सकते हैं।
- बलबन के अनुसार, सुल्तान पृथ्वी पर ईश्वर की छाया, ज़िल-ए-इलाही और ईश्वरीय कृपा का प्राप्तकर्ता, निब्यबत-ए-खुदाई था।
- बलबन ने राजशाही की शक्ति को बढ़ाया। उन्होंने अमीरों पर अपनी श्रेष्ठता साबित करने के लिए कठोर अदालती अनुशासन और साष्टांग प्रणाम (साजिदा) और सुल्तान के पैर चूमने (पैबोस) जैसी नई प्रथाएं शुरू कीं। उसने अपने धन और शक्ति से अमीरों और लोगों को प्रभावित करने के लिए नौरोज़ के फ़ारसी त्योहार की शुरुआत की।
- वह तुर्की कुलीनता के चैंपियन के रूप में सामने आये। उन्होंने गैर-तुर्कों को प्रशासन से बाहर कर दिया और भारतीय मुसलमानों को सरकार में महत्वपूर्ण पद नहीं दिए गए। सरदारों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए उसने गुप्तचरों की नियुक्ति की और एक कुशल गुप्तचर प्रणाली विकसित की।

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

99. Answer C

- Statement 3 is incorrect: Mansabdars received their salaries as revenue assignments like jagirs which were known to iqtas.

Mansabdars and Jagirdars

- As the empire expanded to encompass different regions the Mughals recruited diverse bodies of people like Iranians, Indian Muslims, Afghans, Rajputs, Marathas and other groups.
- Those who joined Mughal service were enrolled as mansabdars – an individual who holds a mansab, meaning a position or rank. It was a grading system used by the Mughals to fix rank, salary and military responsibilities.
- The mansabdar's military responsibilities required him to maintain a specified number of sawar or cavalrymen.
- Mansabdars received their salaries as revenue assignments – jagirs which were somewhat like iqtas. But unlike muqtis, mansabdars dint administer jagirs, instead only had rights to collect the revenue that too by their servants while mansabdars themselves served in some other part of the country.
- In Akbar's reign, these jagirs were carefully assessed so that their revenues were roughly equal to the salary of the mansabdar. But by Auragzeb's reign, there was a huge increase in the number of mansabdars which meant a long wait before they received a jagir. So the shortage of jagirdars was witnessed and whoever got jagirs they extracted more revenue than allowed.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

99. उत्तर सी

- कथन 3 गलत है: मनसबदारों को उनका वेतन जागीर जैसे राजस्व असाइनमेंट के रूप में मिलता था जो इक्ता के लिए जाना जाता था।

मनसबदार और जागीरदार

- जैसे-जैसे साम्राज्य का विस्तार विभिन्न क्षेत्रों तक हुआ, मुगलों ने ईरानियों, भारतीय मुसलमानों, अफगानों, राजपूतों, मराठों और अन्य समूहों जैसे विभिन्न लोगों को भर्ती किया।
- जो लोग मुगल सेवा में शामिल हुए उन्हें मनसबदार के रूप में नामांकित किया गया - एक व्यक्ति जिसके पास मनसब होता है, जिसका अर्थ है पद या रैंक। यह एक ग्रेडिंग प्रणाली थी जिसका उपयोग मुगलों द्वारा रैंक, वेतन और सैन्य जिम्मेदारियाँ तय करने के लिए किया जाता था।
- मनसबदार की सैन्य जिम्मेदारियों के लिए उसे एक निश्चित संख्या में सवार या घुड़सवार सैनिक रखने की आवश्यकता होती थी।
- मनसबदारों को उनका वेतन राजस्व असाइनमेंट - जागीर के रूप में मिलता था जो कुछ हद तक इक्ता के समान होता था। लेकिन मुक्तियों के विपरीत, मनसबदार जागीरों का प्रबंधन नहीं करते थे, इसके बजाय उन्हें केवल राजस्व एकत्र करने का अधिकार होता था, वह भी अपने सेवकों द्वारा, जबकि मनसबदार स्वयं देश के किसी अन्य हिस्से में सेवा करते थे।
- अकबर के शासनकाल में, इन जागीरों का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन किया जाता था ताकि उनका राजस्व लगभग मनसबदार के वेतन के बराबर हो। लेकिन औरगज़ेब के शासनकाल तक, मनसबदारों की संख्या में भारी वृद्धि हुई, जिसका अर्थ था जागीर प्राप्त करने से पहले उन्हें लंबा इंतजार करना पड़ा। इसलिए जागीरदारों की कमी देखी गई और जिन्हें भी जागीरें मिलीं, उन्होंने अनुमति से अधिक राजस्व वसूला।

100. Answer A

Akbar's policies

- The empire was divided into provinces called subas, governed by a subadar who carried out both political and military functions. Subadar was supported by other officers such as the military paymaster (bakhshi), the minister in charge of religious and charitable patronage (sadr), military commanders (faujdars) and the town police commander (kotwal). Each province had a financial officer or diwan.
- Akbar's nobles commanded large armies and had access to large amounts of revenue. Akbar's discussions on religion with the ulama, Brahmanas, Jesuit priests who were Roman Catholics, and Zoroastrians took place in the ibadat khana. He realised that religious scholars who emphasised ritual and dogma were often bigots.
- Their teachings created divisions and disharmony amongst his subjects. This eventually led Akbar to the idea of sulh-i kul or "universal peace".
- Abul Fazl helped Akbar in framing a vision of governance around this idea of sulh-i kul. This principle of governance was followed by Jahangir and Shah Jahan as well.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

100. उत्तर ए

अकबर की नीतियाँ

- साम्राज्य को सूबा नामक प्रांतों में विभाजित किया गया था, जो एक सूबेदार द्वारा शासित होता था जो राजनीतिक और सैन्य दोनों कार्य करता था। सूबेदार को अन्य अधिकारियों जैसे सैन्य भुगतानकर्ता (बख्शी), धार्मिक और धर्मार्थ संरक्षण के प्रभारी मंत्री (सद्र), सैन्य कमांडरों (फौजदार) और शहर पुलिस कमांडर (कोतवाल) का समर्थन प्राप्त था। प्रत्येक प्रांत में एक वित्तीय अधिकारी या दीवान होता था।
- अकबर के अमीरों के पास बड़ी सेनाएँ थीं और उनकी बड़ी मात्रा में राजस्व तक पहुँच थी। उलेमाओं, ब्राह्मणों, जेसुइट पुजारियों, जो रोमन कैथोलिक और पारसी थे, के साथ अकबर की धर्म पर चर्चा इबादत खाना में होती थी। उन्होंने महसूस किया कि धार्मिक विद्वान जो कर्मकांड और हठधर्मिता पर जोर देते थे, वे अक्सर कट्टर होते थे।
- उनकी शिक्षाओं ने उनकी प्रजा के बीच विभाजन और वैमनस्य पैदा किया। इसने अंततः अकबर को सुलह-ए कुल या "सार्वभौमिक शांति" के विचार की ओर प्रेरित किया।
- अबुल फजल ने सुलह-ए-कुल के इस विचार के इर्द-गिर्द शासन का दृष्टिकोण तैयार करने में अकबर की मदद की। शासन के इस सिद्धांत का पालन जहाँगीर और शाहजहाँ ने भी किया था।